फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 66 प्रभात जयपुर, गुरुवार 6 अक्टूबर , 2022 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

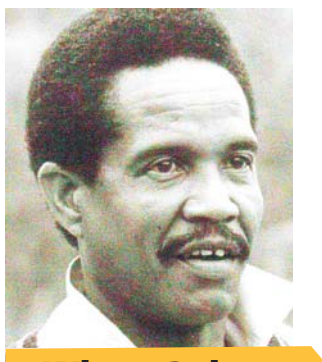

When Sobers Came to India

Garfield Sobers went on to claim the title of The Best All Rounder of all times and was knighted by the Queen of England in 1975.

Too Much Communication

Sindoor Khela: Celebrating Sisterhood | An offering of Sindoor to married daughters.

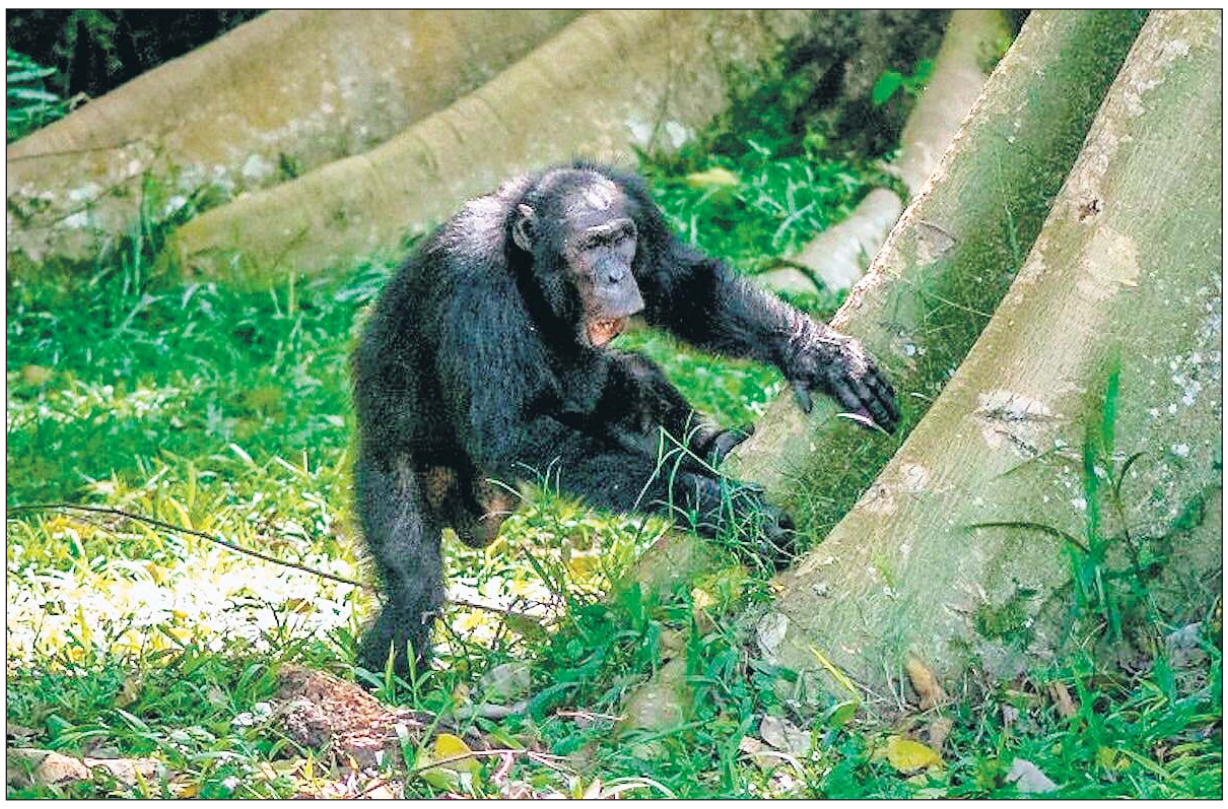

युगांडा के वर्षावन में एक दिन एक रोचक नजारा दिखाई दिया। एक नर चिम्पैंज़ी तेज आवाज निकालते हुए पेड़ की तरफ दौड़ा। फिर पेड़ पर नीचे जड़ की तरफ अपने पैंरों से रिद्म के साथ प्रहार करने लगा। स्कॉटलैंड में युनिवर्सिटी ऑफ सेंट एंड्रूज़ की प्राइमटॉलजिस्ट कैथरीन होबेटर ने बताया कि, ''जब आप हाथ या पैंर से जड़ पर जोरदार प्रहार करते हैं तो गहरी गूंजती हुई आवाज निकलती है, जो जंगल में दूर तक सुनाई देती है।'' वैज्ञानिक चिम्पैंज़ी के ड्रम बजाने जैसे व्यवहार के बारे में वर्षों से जानते हैं लेकिन हाल ही में एनिमल बिहेवियर जर्नल में छपे एक शोध में बताया गया है कि, हरेक नर का ड्रम बजाने का अपना विशिष्ट तरीका होता है और इसका इस्तेमाल वो सूचना देने के लिए करता है, जैसे कि वो कहां हैं और क्या कर रहा है। रिसर्च टीम ने 8 चिम्पैंज़ी के बीच के लम्बी दूरी के 273 संवाद रिकॉर्ड किए। उन्होंने चिम्पैंज़ी द्वारा बजाए गए ड्रम की अकूस्टिक संरचना का विश्लेषण किया, और उनकी अवधि, बीट्स की संख्या, दो बीट्स के बीच का समय आदि का अध्ययन किया। उन्होंने पाया कि, चिम्पैंज़ी जब यात्रा कर रहे होते हैं या जब छोटे-छोटे समूहों में होते हैं तब ही ड्रमिंग करते हैं। यात्रा के दौरान ड्रमिंग दो चिम्पैंज़ी के बीच के अन्तर को बताती है और ये आवाज़ें दूरस्थ समूह के सदस्यों को सम्पर्क करने का संदेश देने के लिए भी हो सकती हैं। मुख्य शोध लेखक, युनिवर्सिटी ऑफ विएना की वैज्ञानिक वेस्ता एलोतेरी ने कहा, ''संक्षेप में यह व्यवहार चिम्पैंज़ी के सोशल मीडिया की तरह है। हमने यह भी पाया कि चिम्पैंज़ी जब अकेले होते हैं या छोटे समूह में होते हैं तब ड्रम ज्यादा बजाते हैं शायद वे दूसरों को आमंत्रित करते हैं। इसी प्रकार जब वे यात्रा नहीं कर रहे होते हैं या अकेले होते हैं तब अपनी विशिष्ट ध्वनि नहीं बजाते, क्योंकि तब वे अपनी पहचान छुपा लेना चाहते हैं। इस नए शोध से यह रहस्य सुलझाने में मदद मिलेगी कि एक दूसरे से मिलने पर चिम्पैंज़ी अभिवादन क्यों करते हैं और अलग होने पर गुडबाय क्यों नहीं करते।

राष्ट्रपति शी अपने आपको ''चेयरमैन'' का ओहदा देंगे, पार्टी की राष्ट्रीय कांग्रेस में

यह ओहदा पहले, आधुनिक चीन की स्थापना करने वाले जन नेता माओ को ही मिला था, 1976 में उनके स्वर्गवास होने तक तथा 1982 में यह पद खत्म कर दिया गया थाजाने माने

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। आगामी 16 अक्टूबर को चीन के राष्ट्रपति शी जिंनपिंग चेयरमैन का तमगा हासिल कर लेंगे और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की 20वीं राष्ट्रीय कांग्रेस में वे पार्टी पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लेंगे।

मीडिया रिपोर्ट कहती है कि नैशनल कांग्रेस में राष्ट्रपति शी जिंनपिंग तीसरी बार 5 साल का कार्यकाल हासिल करेंगे और स्वयं के लिए माओ युग के टाइटल ''चेयरमैन'' को पुनर्जीवित करेंगे और पार्टी में स्वयं के लिए आजीवन सर्वोच्च पद हासिल कर लेंगे। इसके लिए संविधान के संशोधन करेंगे और राष्ट्रपति के लिए कार्यकाल पर लगी सीमा खत्म कर देंगे।

इसी बीच यह खबरें भी मिल रही हैं कि माओ शैली का व्यक्तिवाद पनप रहा है। संस्थाएं और राजनैतिक व्यक्ति शी के प्रति पूर्ण निष्ठा घोषित कर रहे हैं। शी खुद भी माओ के शिष्य रहे हैं और उनकी विचारधारा पर चलते हैं।

माओ के पास चेयरमैन टाइटल था, जिसे आधुनिक चीन का जनक माना जाता है वह आजीवन 1976 में अपनी मृत्यु तक चेयरमैन रहा था। वर्ष 1982 में इस टाइटल को खत्म कर महासचिव टाइटल लाया गया। उस समय संविधान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- उस समय चेयरमैन को काफी व्यापक अधिकार प्राप्त थे, जैसे चीन की सेना का कमाण्ड।
- माओ के समय, चीन में ''माओ के विचार'' नाम से माओ की फिलॉसफी व सोच का संग्रह ''रैड बुक'' के रूप में अधिकृत रूप से प्रचारित व प्रकाशित की जाती थी।
- उसी तर्ज पर अब ''शी जिंगपिंग के विचार'' प्रकाशित किये गये हैं। तथा स्कूलों, अखबारों में, टेलीविजन पर, इंटरनैट पर, होर्डिंग्स व बैनर-पोस्टर के माध्यम से प्रसारित किये जा रहे हैं।
- राष्ट्रपति शी प्रारंभ से ही माओ की पर्सनल ब्राण्ड वाली राजनीतिक सोच के कट्टर अनुयायी हैं और अब चीन के आर्थिक रूप से सशक्त बनने के बाद, राष्ट्रपति शी ने नारा दिया है कि, चीन समूह ही नई राजनीतिक व सैन्य तैयारी की दृष्टि से विश्व का ''नम्बर वन'' देश होना चाहिये।

गठन के बाईस साल बाद टी.आर.एस., बी.आर.एस. में परिवर्तित

तेलंगाना के मु.मंत्री के.सी.आर. ने अपनी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा की यात्रा में पहला ठोस कदम उठाया

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव ने आज पूर्व निर्धारित मुर्हूत, अपरान्ह 1:19 बजे अपने क्षेत्रीय राजनैतिक दल ''तेलगांना राष्ट्र समिति'' को एक राष्ट्रीय राजनैतिक दल का स्वरूप दे दिया तथा उसका नाम बदलकर ''भारत राष्ट्र समिति'' कर दिया। यह घोषणा उन्होंने आज हैदराबाद में आयोजित एक विशेष समारोह में की। बड़ी धूमधाम के साथ आयोजित इस भव्य समारोह में उनकी पार्टी के नेताओं के अलावा, कई विशेष आमंत्रित राजनैतिक हस्तियाँ मौजूद थीं, जिनमें शामिल थे- कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी तथा तमिल क्षेत्रीय दल, ''विदुथलाई चिरुतेगल काची (वी.सी.के.) नेता तोल तिरुमवलानन।

अपनी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं तथा खासतौर से, 2024 के लोकसभा चुनावों में मोदी सरकार को बेदखल करने के दृढ़ निश्चय की घोषणा करते हुये, के.सी.आर. (तेलंगाना-मुख्यमंत्री इसी नाम से प्रसिद्ध हैं) ने कहा कि वे विपक्ष को एकजुट करके अपनी योजना तथा रणनीति का खुलासा करेंगे। अपनी योजना के प्रमुख बिन्दुओं के अनुसार, के.सी.आर. विकास के ''तेलंगाना मॉडल'' को सारे देश में पहुँचाना चाहते हैं तथा पूरे भारत में इसे क्रियान्वित करने के अवसर की तलाश में हैं।

के.सी.आर. ने 2019 में भी राष्ट्रीय स्तर पर एक ग़ैर-भाजपा एवं ग़ैर-कांग्रेस मोर्चा बनाने की कोशिश की थी, लेकिन उस समय उनकी इस पहल को स्वीकार एवं अंगीकार करने वाला शायद कोई नहीं था। उस समय, कुछ राजनैतिक दलों को यह संदेह पीड़ा पहुँचा रहा था कि शायद के.सी.आर. विपक्षी एकता को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं तथा कुछ नेताओं ने उनके इरादों को संदेह की नजर से देखा था। उन लोगों का संदेह यह था कि वे भाजपा के इशारे पर यह खेल खेलने की कोशिश कर रहे हैं।

लेकिन चूँकि अब भाजपा ने तेलंगाना में के.सी.आर. तथा उनकी पार्टी को परेशान करने के कदम उठाना शुरु कर दिया है, तो अब यह लग रहा है कि के.सी.आर. भाजपा का सामना करने के अपने प्रयासों को लेकर वास्तव में कुछ गंभीर है। लेकिन अब भी कुछ राजनैतिक पर्यवेक्षेक ऐसे हैं जो तेलंगाना के इस क्षेत्रीय राजनेता के असली इरादों पर संदेह कर रहे है, क्योंकि वे लगातार कांग्रेस-रहित विपक्ष की बात करते आ रहे हैं।

जब तक, कांग्रेस सहित, समूचा विपक्ष एकजुट नहीं हो जाता, तब तक किसी भी चुनावी लड़ाई में भाजपा का सामना कर पाना मुश्किल होगा- यह एक जमीनी वास्तविकता है और इस बात को के.सी.आर. भी अच्छी तरह समझते हैं क्योंकि यह सामान्य गणितीय हिसाब-किताब है। के.सी.आर. तथा पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी- दोनों ही कांग्रेस से कोई लेना-देना रखने के विरोधी के रूप में देखे जाते हैं।

और विपक्ष के गठजोड़ को बलपूर्वक खोल देने में, उसे अलग-अलग कर देने में ही, भाजपा के लिये अवसर अन्तर्निहित है। के.सी.आर. ने विपक्षी एकता की दिशा में कोशिश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- के.सी.आर. ने 2019 में भी गैर भाजपा, गैर कांग्रेस मंच का गठन किया था। पर, उनको विपक्ष का भारी समर्थन नहीं मिला था, क्योंकि तब वे कांग्रेस को इस मंच से जोड़ने के सख्त खिलाफ थे।
- उनके कांग्रेस विरोधी इस रवैये के कारण विपक्ष में यह भावना भी फैली थी कि, कहीं के.सी.आर. भाजपा के पक्ष में खेल तो नहीं खेल रहे हैं।

चीनी का निर्यात रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (वार्ता)। देश से चीनी सत्र (अक्टूबर-सितंबर) 2021-22 में 109.8 लाख मिट्रिक टन (एलएमटी) का रिकॉर्ड उच्चतम चीनी का निर्यात हुआ जिससे लगभग 40,000 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा अर्जित की गयी।

उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा कि चीनी सत्र के दौरान 5000 एल.एम.टी. से अधिक गन्ने का उत्पादन हुआ है, जिसमें से लगभग 3574 एलएमटी गन्ने को चीनी मिलों ने संवर्धित कर करीब 394 लाख टन चीनी (सुक्रोज) का उत्पादन किया है। इसमें से 35 एल.एम.टी. चीनी का इस्तेमाल एथनॉल तैयार करने में और शेष का मिलों द्वारा 359 लाख टन चीनी का उत्पादन किया गया।

मंत्रालय ने कहा कि, भारत अब दुनिया का सबसे बड़ा चीनी उत्पादक

- इस वर्ष 109.8 लाख मीट्रिक टन चीनी का निर्यात किया है भारत ने, जिससे देश को 40 हजार करोड़ रु. की आय हुई है।

दशहरे पर संघ प्रमुख भागवत ने अपने उद्बोधन में मुसलमानों को आश्वस्त किया

'हिन्दुओं के संगठित होने से मुसलमानों में असुरक्षा की भावना फैलाने की खबर फिजूल की बात है'

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। आर.एस.एस. प्रमुख मोहन भागवत आज बुधवार को अपने फिर उसी विचार बिन्दु पर लौट आये, जिस पर वे अपने दशहरा-संबोधन में प्राय: बोलते हैं- हिन्दू राष्ट्र की अवधारणा।

पिछले वर्षों में, भागवत बहुत से तत्कालीन एवं उस समय उभर रहे मुद्दों पर बोल चुके हैं लेकिन आज वे अपने प्रिय मुद्दों पर वापस लौट आये, जैसे- जनसंख्या-नियंत्रण की आवश्यकता तथा पाकिस्तान और चीन पर तीखे प्रहार। पिछले वर्ष के दशहरा संबोधन में उन्होंने देश में जनसंख्या-असंतुलन को लेकर गहरी चिन्ता व्यक्त की थी तथा अगले पाँच वर्ष के लिये जनसंख्या-नीति बनाने पर जोर दिया था। उससे एक साल पहले, उन्होंने इस बात को दोहराया था कि हिन्दुत्व एक धार्मिक विषय नहीं, एक जीवन-शैली है। 2019 में उन्होंने कहा था कि भारत एक हिन्दू राष्ट्र था तथा उन ''भारतीय पूर्वजों'' के वंशजों का ही भारत में रहने के लिये स्वागत है। 2018 में, उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण शुरु करने के लिये जल्दी से कानून लाने तथा उसका क्रियान्वयन करने पर जोर दिया था तथा उन लोगों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- भागवत ने यह भी कहा कि, हिन्दुओं ने कभी भी इतिहास में ऐसा कुछ नहीं किया, जिससे मुसलमानों में असुरक्षा की भावना फैले और न ऐसा कभी भविष्य में होगा। ऐसा सोच न तो संघ में है और न ही हिन्दुओं में।
- भागवत ने कहा, प्रबुद्ध व प्रभावशाली मुसलमानों ने उदयपुर व अमरावती में नूपुर शर्मा का समर्थन करने के कारण एक दर्जी व एक फार्मासिस्ट की नृशंस हत्या करने पर विरोध जताया था, पर यह एक अकेली घटना नहीं होनी चाहिये थी, बल्कि पूरे मुस्लिम समाज को एकजुट होकर विरोध जताना चाहिये था। भागवत के अनुसार कई हिन्दू संगठनों ने सख्त विरोध जताया है, जब भी किसी हिन्दू ने हिंसक घटना को अंजाम दिया है।

फर्जी नामों से उठाया 9.30 क्विंटल गेहूं

हनुमानगढ़, 5 अक्टूबर (कासं)। फर्जी तरीके से राशन कार्ड में 2 नाम जुड़वाकर खाद्य सुरक्षा योजना का अनुचित लाभ उठाने और राजकोष को हानि पहुंचाने का मामला सामने आया है। जिला रसद अधिकारी ऑफिस के प्रवर्तन अधिकारी विनोद कुमार मेघवाल ने जंक्शन पुलिस थाना में सुरेशिया गांव निवासी एक व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में मुकदमा दर्ज करवाया है।

प्रवर्तन अधिकारी विनोद कुमार (36) पुत्र सतपाल मेघवाल, निवासी 6 डीबीएन, सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई और बताया कि प्रदीप कुमार पुत्र कृष्ण लाल कुम्हार, निवासी सुरेशिया के नाम बीपीएल

- प्रवर्तन अधिकारी ने इस संबंध में स्थानीय व्यक्ति प्रदीप कुमार के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज करवाया।

सेना का हैलिकॉप्टर क्रैश, पायलट की मौत

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। अरुणाचल प्रदेश में बुधवार को सेना का चीता हैलिकॉप्टर क्रैश हो गया। खबर है कि हादसे में एक पायलट की मौत हो गई है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि हादसा उस वक्त हुआ, जब हेलिकाप्टर नियमित उड़ान भर रहा था। फिलहाल, सेना की वजह से दुर्घटना का पता लगाया जा रहा है। भारतीय सेना के अधिकारियों ने जानकारी दी है कि हेलिकाप्टर सुबह करीब 10 बजे नियमित उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस घटना में दोनों ही पायलट बुरी तरह घायल हो गए थे। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में पायलट कर्नल सौरभ यादव की इलाज के दौरान मौत हो गई है। वहीं, दल के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- यह हादसा अरुणाचल प्रदेश में हुआ, जहाँ हैलिकॉप्टर अपनी नियमित उड़ान पर था।

'झूठ बोला है तो कायम भी रहो उस पर ज़फ़र, आदमी को साहब-ए-किरदार होना चाहिए'

दिव्या मदेरणा की धारीवाल, जोशी, राठौड़ को सलाह

जयपुर, 5 अक्टूबर (का.प्र.)। ''झूठ बोला है तो क़ायम भी रहो उस पर ज़फ़र, आदमी को साहब-ए-किरदार होना चाहिए।'' मशहूर शायर ज़फ़र इकबाल के इस शेर के साथ विधायक दिव्या मदेरणा ने राजस्थान के संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल, मुख्य सचेतक महेश जोशी और राजस्थान टूरिज़्म डवलपमैंट कॉरपोरेशन (आर.टी.डी.सी.) के चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ को सलाह दी है।

इन तीनों ने 25 सितंबर 2022 को जयपुर में कांग्रेस आलाकमान के पर्यवेक्षकों मल्लिकार्जुन खड़गे और प्रभारी अजय माकन की ओर से बुलाई गई विधायक दल की बैठक के समानांतर अलग बैठक बुलाई थी और इसके लिए इन्हें पार्टी आलाकमान की ओर से कारण बताओ नोटिस दिया गया है।

दिव्या मदेरणा, जो कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे परसराम मदेरणा की पौत्री हैं, 25 सितंबर के बाद से लगातार धारीवाल और जोशी पर निशाना साध रही हैं। दिव्या मदेरणा द्वारा यह सलाह ऐसे समय में दी गई है, जब कांग्रेस आलाकमान की ओर से इन तीनों को दिए गए नोटिस की अवधि 6 अक्टूबर गुरुवार को समाप्त होने जा रही है और इन्हें तब तक अपना जवाब आलाकमान तक अनिवार्य रुप से भिजवा देना है।

इन तीनों के द्वारा जवाब दिए जाने के बाद ही यह तय होगा कि पार्टी विधायक दल की समानांतर बैठक बुलाए जाने के मामले को लेकर इनके जवाब से कांग्रेस आलाकमान संतुष्ट होता है या नहीं, अगर नहीं तो फिर इन पर क्या कार्यवाही की जाती है, क्योंकि जिस तरह से समानांतर बैठक बुलाई गई थी और फिर उसमें आलाकमान के खिलाफ जिस तरह से भाषणबाजी हुई थी, उसके तमाम वीडियो दिल्ली पहुंच चुके हैं। महत्वपूर्ण यह है कि धारीवाल, जोशी और राठौड़ कारण बताओ नोटिस का क्या जवाब देते हैं।

वैसे दिव्या मदेरणा ने नोटिस का जवाब दिए जाने की अवधि खत्म होने के 1 दिन पहले ही जफर इकबाल के इस शेर के जरिए एक बात तो फिर जाहिर कर दी है कि समानांतर विधायक दल की बैठक बुलाए जाने के बाद इन नेताओं ने झूठ बोला था।

- दिव्या मदेरणा ने यह सलाह धारीवाल, जोशी और धर्मेन्द्र राठौड़ को ऐसे समय में दी है, जबकि उन्हें दिए गए कारण बताओ नोटिस की अवधि 6 अक्टूबर को खत्म हो रही है, इन तीनों को 6 अक्टूबर तक आलाकमान को अपना जवाब भेजना है।
- बताया जा रहा है कि, 25 सितम्बर को हुई समानान्तर बैठक में आलाकमान के खिलाफ जो भाषणबाजी हुई थी, उसके वीडियो दिल्ली पहुंच चुके हैं।
- दिव्या मदेरणा की सलाह से एक बात और साफ हो गई है कि, उक्त बैठक के बाद तीनों नेताओं ने झूठी बयानबाजी की थी।

विचार बिन्दु

कलियुग में रहना है या सतयुग में यह तुम स्वयं चुनो, तुम्हारा युग तुम्हारे पास है। –विनोबा

आरक्षण का भूत

आरक्षण को लेकर छोटे-बड़े आन्दोलन व अदालतों में कानूनी लड़ाई चलती ही रहती है। कई बार एक अदालत का निर्णय दूसरी अदालत से भिन्न होते है, जो फिर नई कानूनी जंग की शुरुआत कर देते है। देश नें मंडल आयोग की सफिरिशों के आंशिक रूप से लागू किए जाने के बाद हिंसक आंदोलन देखा। राजस्थान में भी मूल ओबीसी, सामाजिक न्याय, समता व अन्य नामों के बैनर्स के नीचे आंदोलन हुए। गुर्जरों के आरक्षण हेतु आंदोलन की यादें तो सभी को होगी जो पहले ST वर्ग में शामिल होना चाहते थे और फिर OBC से अलग निश्चित कोटा चाहते थे।

एस सी, एस टी वर्ग को संविधान के जरिए बहुत पहले से विधायिकाओं और सरकारी नोकरियों में आरक्षण मिला हुआ है। इस के सम्बंध में कानून कायदे की स्थिति स्पष्ट व स्थापित हो चुकी किन्तु ओबीसी, वर्ग के लिए अदालती फैसले व सरकारी नोटिफिकेशन्स की स्थिति राजनेताओं व उच्च अधिकारी वर्ग की अच्छी-बुरी नियत, आश्वासनों के अनुसार बदलती रही है।

अभी हाल ही में जो OBC युवाओं का एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन हुआ, उसका कारण भूतपूर्व सैनिकों के आरक्षण को व रोस्टर रजिस्टर को गलत ढंग से क्रियान्वित करने को माना जा रहा है।

सरकार नें भूतपूर्व सैनिकों के लिए सरकारी भर्तियों में 12 प्रतिशत आरक्षण किया है। इसके क्रियान्वयन के लिए जारी प्रक्रिया में यह व्यवस्था कर दी कि चयनित भूतपूर्व सैनिक जिस जातीय वर्ग का है उसे उस वर्ग के लिए कुल आरक्षित कोटे में गिना जाएगा।

यह सर्व विदित है कि राजस्थान में सेना में मुख्यत: जाट, गुर्जर, यादव, राजपूत, कायमखानी जातियों के लोग ही ज्यादा जाते है। ओबीसी वर्ग के जितने भूतपूर्व सैनिक चयनित हो जाते हैं उतनी भर्तियों की संख्या आरक्षित 21 प्रतिशत में से घटा कर, शेष भर्तियों पर ही आरक्षित वर्ग के युवक, युवतियों को लाभ मिलता है अर्थात यदि किसी पद की 100 भर्ती हों तो उन में से OBC की 21 वैसीकेन्सी होंगी और जाट, यादव, आदि के भूत पूर्व सैनिक में से 10 चयनित हो गए तो शेष ओबीसी युवाओं के लिए 11 ही वैकेंसी रहेंगी। इस वर्ग के नए युवाओं के लिए रिक्तियां बहुत कम हो जाती है।

निर्णय तो सारी स्थितियों को देख कर सरकार को लेना है किंतु यदि सरकार शुद्ध मन से इसका समाधान चाहती है तो इन सुझाव पर भी विचार करे:–

(1.0) आरक्षण की समस्या का सही व स्थाई समाधान तो जातीय जन गणना करवा कर SC, ST, OBC की जनसँख्यानुसार आरक्षण कर दे। 50% की आरक्षण सीमा भी समाप्त सी ही है, इसलिए कोई बाधा भी नही होनी चाहिए। कोई माने या न माने, जातीय पहचान, भारतीय समाज की वास्तविकता है।

जातीय जनगणना देश हित में होगी या लोगों का एक वर्ग इसे देश के लिए अहितकारी कह कर फिर से नए आंदोलनों की शुरुआत करेंगा,जैसा कि मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू करने के बाद हुआ था–यह भविष्य के गर्भ में होगा।

(2.0) जिस प्रकार से SC, ST, OBC को एक अलग वर्ग मान कर कर आरक्षण दिया गया है, उसी प्रकार भूतपूर्व सैनिकों, परित्यकता महिलाओं आदि को अलग वर्ग में माने और आरक्षण क्रियान्वित करें। भूतपूर्व सैनिकों को आरक्षण, उनकी देश के लिए समर्पित सेवा के आधार पर दिया जाता है न कि उनका जाट, यादव, गुर्जर, राजपूत आदि जातियों के होने के कारण दिया जाता है। इसी प्रकार परित्यक्ता महिलाओं, विशेष योग्यजनों आदि को आरक्षण उनको किसी जाति विशेष का होने कारण नहीं होकर उनकी विशेष कठिनाइयों के कारण दिया जाता है।

आरक्षण की समस्या का सही व स्थाई समाधान तो जातीय जन गणना करवा कर SC, ST, OBC की जनसँख्यानुसार आरक्षण कर दे। 50% की आरक्षण सीमा भी समाप्त सी ही है, इसलिए कोई बाधा भी नही होनी चाहिए। कोई माने या न माने, जातीय पहचान, भारतीय समाज की वास्तविकता है।

(3.0) इसे कैसे-कैसे क्रियान्वित किया जा सकता है, उसे निम्न उदाहरणों से समझा जा सकता है :–

मान लें कि LDC पदों के लिए 100 रिक्तियां है। इनको वर्ग वार विभाजित करने का एक तरीका यह हो सकता है:–

(3.1) भूत पूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित होंगी 12 और अन्य विशेष समूहों के लिए आरक्षित पदों को 100 में से घटाकर शेष रिक्तियों को SC, ST, OBC, GEN इत्यादि ग्रुप्स में आरक्षित कोटे के अनुसार विभाजित करें।

(3.2) यदि केवल भूतपूर्व सैनिकों तक इसे सीमित रखा जाए तो, अन्य वर्गों के लिए शेष रिक्तियां 100-12=88 को SC, ST, OBC, GEN वर्गों में आरक्षण प्रतिशत के अनुसार विभाजित करें और इनके लिए क्रमश: 13, 11, 18, 46 पद आरक्षित होंगे।

अन्य विशेष वर्गों यथा EWS, विशेष योग्य जन, परित्यक्ता महिला आदि का भी का कोटा 100 आरक्षण कोटा भी इसी प्रकार 100 में से घटा कर शेष पदों का विभाजन SC, ST, OBC, GEN में किया जा सकता है।

(3.3) रिक्तियों के विभाजन का दूसरा तरीका यह भी हो सकता है:– पहले प्रतियोगिता परीक्षा हो और फिर चयनित सूची के अनुसार जो भूतपूर्व सैनिक जिस जाती/वर्ग का हो,उतनी रिक्तियां उस वर्ग के लिए आरक्षित कुल पदों में से घटा दें। उदाहरण के लिए यदि SC, ST, OBC, GEN के क्रमश: 2, 2, 2 व 6 (कुल 12) भूत पूर्व सैनिक चयनित हो रहे हैं तो फिर अन्य SC, ST, OBC, GEN के लिए रिक्तियां हो जाएंगी--15-2=13,12-2=10, 21-6=15, 50-2=48।

अन्य वर्गों के लिए आरक्षित पदों की गणना भी उपरोक्त दोनों प्रकार की जा सकती है।

रोस्टर रजिस्टर संधारण में एक बहुत बड़ी विसंगतिया चल रही है, यह भी OBC युवकों का आरोप रहा है।

सरकारी नौकरी में भर्ती किए गए प्रत्येक कर्मचारी- अधिकारी का रोस्टर रजिस्टर में इंद्राज होता है कि उसकी भर्ती किस पद के विरुद्ध हुई अर्थात उसकी भर्ती SC, ST, OBC, EWC इत्यादि कटेग्रिज में से किस कैटेगरी में हुई है।

आरोप यह भी है कि रोस्टर रजिस्टर में आरक्षण लागू होने से पहले वाले, बिना आरक्षण का लाभ लिए चयनितों को भी ओबीसी में गिन कर ओबीसी का 21% से अधिक प्रतिनिधित्व पूर्ण दिखाकर नई भर्तियों में ओबीसी के पद कम करवाने की बात भी युवाओं के द्वारा कही जा रही है।

युवाओं का कहना है कि 21% की गणना में OBC आरक्षण लागू होने से पहले के पदों को शामिल कर गणना करना असंवैधानिक है क्योंकि उस समय जिनका चयन हुआ तो उन्हें कोई लाभ आरक्षण का नहीं मिला था और वे सामान्य कटेगरी में कम्पीट करके मेरिट से आए थे।

युवाओं के अनुसार, इस कारण कई विभागों की भर्तियों की अधिसूचनाओं में ओबीसी के 21% पद भी नही दिखाए जाते हैं। हो सकता है किसी विभाग में ऐसा इरादतन या नासमझी के कारण हुआ हो, इसलिए सरकार के लिए यह उचित होगा कि इसकी उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच व सतत समीक्षा होती रहनी चाहिए न कि केवल विभागों पर छोड़ दिया जाए।

सरकार को चाहिए कि समय रहते, बिना पूर्व धारणाओं के इस समस्या पर विचार करे। जातीय पूर्वाग्रहों से मुक्त निष्पक्ष वरिष्ठ अधिकारियों से समस्या का परीक्षण करवाए और शीघ्र निर्णय ले।

–अतिथि सम्पादक,
महावीर सिंह,
आई.ए.एस. (से.नि.)

राशिफल गुरूवार 6 अक्टूबर, 2022

पंडित अनिल शर्मा

आश्विनी मास, शुक्ल पक्ष, एकादशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2079, धनिष्ठा नक्षत्र सांय 7:42 तक, शूल योग रात्रि 2:20 तक, विष्टि करण प्रातः 9:41 तक, चन्द्रमा प्रात: 8:28 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-मकर, मंगल-वृष, बुध-कन्या, गुरू-मीन, शुक्र-कन्या, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज भद्रा प्रात: 9:41 तक रहेगी। आज पापाकुशा एकादशी व्रत, भरत मिलाप और पंचक प्रात: 8:28 से आरम्भ होंगे।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:53 तक, चर 10:47 से 12:15 तक, लाभ-अमृत 12:15 से 3:10 तक, शुभ 4:37 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:25, सूर्यास्त 6:05

मेष

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

सिंह

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

धनु

मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद-अनबन दूर होने लगेगी। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों में परिचितों से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में वार्ता सफल रहेगी। नवीन व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आय में वृद्धि होगी।

कन्या

आर्थिक मामलों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता से और योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

मिथुन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। प्रतिष्ठित व्यक्तियों से व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

तुला

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में महत्वपूर्ण परामर्श मिल सकता है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कर्क

अपनी कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यक्तिगत परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा।

वृश्चिक

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मीन

अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखने का प्रयास करें।

चाय मुक्त भारत

थोड़ा रूकिये न। चाय पीकर जाइये। ऐसी भी क्या जल्दी है। आये है तो चाय लेनी ही होगी। घर हो या बाहर, मीटिंग से पहले और मीटिंग के बाद चाय की उपस्थिति को सभी ने सहर्ष स्वीकार कर लिया है। गरीब हो या अमीर, ग्रामीण हो या शहरी सम्पूर्ण राष्ट्र चाय के रस में डूबा हुआ है। हमारे हर समारोह की शोभा बन चुकी है। हालात यहाँ तक पहुँच गये है कि यदि आप घर आये मेहमान का चाय से स्वागत करना भूल गये है तो स्वयं मेहमान की प्रतिक्रिया होगी- अरे भाई उनके घर गये थे, चाय तक की भी नहीं पूछा।

आज तो मेरे देश में सुबह उठते ही प्रभु से पहले चाय को याद किया जाता है। चाय तो जैसे मंदिर के प्रसाद से भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो गयी है। घर हो या कार्यालय, न्यायालय हो या संतों का आश्रम, कॉलेज हो या हॉस्पीटल चारों ओर जनता चाय की चुस्कियाँ लेने में व्यस्त है। फालतू आदमी को टाइम पास करने के लिए चाय चाहिये और व्यस्त व्यक्ति को रिलेक्स होने के लिए चाय की याद आती है।

समय के साथ चाय में अनेक तरह के उतार-चढ़ाव आ रहे है। मीठी चाय, फीकी चाय, मसाले वाली चाय, बिना दूध की चाय, लेमन टी, ग्रीन टी, ब्लैक टी आदि पता नहीं कितने तरह की चाय बाजार में धडल्ले से बिक रही है। आपकी चाय की पसन्द से समाज यह विभाजन कर देता है कि आप सामान्य आदमी है या बड़े व्यक्ति। प्राय: मीठी और दूध वाली चाय पीने वालों को सामान्य श्रेणी में रखा जाता है। लेमन टी, ग्रीन टी, फीकी चाय पीने वालों को थोड़ा बड़ा आदमी माना जाता है। चाय जिस क्रोकरी में प्रदान की जा रही है, उसका भी बड़ा महत्व हो गया है। चाय वही है, क्रोकरी की क्वालिटी से रेट घटती-बढ़ ती है।

चाय के प्रति उमड़ते प्रेम की यह गाथा उस देश की है, जहाँ आज से मात्र 50-60 साल पहले चाय के दर्शन ही दुर्लभ थे। चाय के प्रति कोई लगाव एवं सम्मान नहीं था। मूलत: यह अंग्रेजों का ही पेय माना जाता था। वहाँ के ठण्डे वातावरण में इसकी उपयोगिता समझ में आती है। मेरे स्कूल जीवन में हम मित्र लोग कभी-कभार घर वालों से छिप कर ही रेस्टोरेन्ट में चाय पीने जाते थे। आखिर फिर ऐसा क्या घटनाक्रम हुआ कि छोटे से कालखण्ड में चाय हमारे जैसे गर्म देश में लोकप्रियता के शिखर पर पहुँच गयी है।

चाय बैंचने वाली कम्पनियों ने मार्केटिंग की अपनी अद्भूत कला से देशवासियों को चाय के रस में डूबों दिया। ब्रुक बॉण्ड टी कम्पनी ने 60-70 वर्ष पूर्व विभिन्न शहरों में मुख्य चौराहों पर अपने चाय के थैले लगाये। आने-जाने वाले लोगों को आवाज लगाकर फ्री में चाय पीने के लिए आग्रह

डॉ. कैलाश सोडाणी

करते थे। लोग रूकने लगे, फ्री की चाय का मजा लेने लगे। चाय पीने के बाद बेचने वाला पूछता था, चाय कैसी लगी? नि:शुल्क चाय की तारीफ करना भी पीने वाले की मजबूरी होती थी। जैसे ही आपने चाय की तारीफ की, वह 50 ग्राम चाय की पुड़िया आपको सप्रेम भेंट कर देता था और कहता था परिवार के सदस्यों को भी यह आनन्द प्रदान कीजिये। देश में चाय घर-घर तक पहुँच गयी। प्रारम्भ में नि:शुल्क चाय से हमारी आदत बनाई गयी फिर एक दिन अचानक यह नि:शुल्क स्कीम बन्द हो जाती है और हम खरीदने के लिए विवश हो गये। विवश ही नहीं गुलाम हो गये। याद रखना एक दिन यही स्थिति वाट्सअप, फेसबुक, ट्वीटर में आने वाली है। टी कम्पनियों के षड़यंत्र के

> ■ **मेरे देश में सुबह उठते ही प्रभु से पहले चाय को याद किया जाता है। चाय मंदिर के प्रसाद से भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो गयी है**

साथ-साथ अंग्रेजों का पेय होना हमारी गुलाम मानसिकता में प्रतिष्ठा का विषय भी था। इसलिए धीरे-धीरे हम दिन में दो-चार-पांच चाय रोब के साथ पीने लगे।

बात केवल स्वास्थ्य और पैसों की नहीं है अपितु हम सभी दिन भर में चाय के नाम पर समय कितना खराब कर रहे है। समय अमूल्य है। ईश्वर ने समय के रूप में हमें बहुत बड़ा खजाना दिया है। खजाने का उपयोग एवं दुरूपयोग स्वयं पर निर्भर है। फिर हम सभी देशवासी समय जैसे कीमती उपहार को चाय की चुस्कियों में क्यों खराब कर रहे है ? सोचना होगा, समझना होगा और समय, स्वास्थ्य और पैसों के दुरूपयोग को रोकना होगा। जिस मार्केटिंग स्ट्रेटेजी से विदेशी कम्पनियां अपना प्रोडक्ट हमें खरीदने के लिए मजबूर कर देती है वैसे ही हमें भी देश में सोशल मीडिया के माध्यम से ऐसा वातावरण एवं मानसिकता बनानी होगी कि लोग स्वत: कोल्डड्रिंक की भाँति चाय से भी दूरी बनायेंगे। देश में स्वदेशी सोच एवं चिंतन की मार्केटिंग करनी होगी।

चाय के साथ-साथ आज हमें पिज्ज़ा और बर्गर से भी सावधान रहना होगा। इन्ही विदेशी कम्पनियों ने अपने मार्केटिंग के खेल से भारतीय प्रोडक्ट-कचोरी, समोसा, इडली आदि को पुरानी एवं कमजोर मानसिकता का सूचक बना दिया। महंगे पिज्ज़ा और बर्गर को सम्मान के ऊँचे पायदान पर बिठा दिया। विदेशी कम्पनियाँ तो केवल हमारी जेब से पैसा निकालने के लिए समाज में खाने-पीने के मानदण्ड बदलती रहती है। उन्हे हमारे समय और स्वास्थ्य की चिन्ता नहीं है। सचेत और सावधान तो स्वयं को रहना होगा। क्या खाना और क्या पीना है, निर्णय हमारा अपना है। कोई हमें मजबूर नहीं कर रहा है।

चाय मुक्त भारत की शुरूवाद सरकारी कार्यालय एवं समारोह से करनी चाहिये फिर विवाह आदि कार्यक्रमों में चाय की उपलब्धता बन्द करनी होगी। अन्तत: देश में एक वातावरण बनेगा और एक दिन हमारे कीमती समय, स्वास्थ्य एवं पैसे की बर्बादी रूकेगी।

डॉ. कैलाश सोडाणी,
पूर्व कुलपति,
महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर

ओपन ग्रैण्ड मास्टर्स चैस टूर्नामैंट में भीलवाड़ा के अभिजीत सबसे आगे

बीकानेर, (कासं)। चल रहे इंटरनेशनल ओपन ग्रांड मास्टर्स चैस टूर्नामेंट में पंद्रह देशों के तीन सौ से ज्यादा खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। खास बात ये है कि यहां भीलवाड़ा के अभिजीत गुप्ता अब तक सबसे आगे बने हुए हैं। तीस लाख रुपए के इस इनामी मुकाबले में अभिजीत दुनिया के टॉप प्लेयर्स को एक के बाद एक हार का स्वाद चखा रहा है। कैटेगरी ए में राजस्थान के ग्रांड मास्टर अभिजीत गुप्ता ने ईरान के तहबाज अर्श को हराकर एकल बढ़ त बना ली है। इससे पहले अभिजीत ने यहां खेल रहे अन्य ग्रांड मास्टर्स को भी हराया। इस टूर्नामेंट में टॉप रेटेड अभिजीत अपने वर्ग में जीत के प्रबल दावेदार बन चुके हैं। रूस के जीएम बोरिस और जॉर्जिया के ग्रांड मास्टर पन्टसुलिआ लेमन ने ड्रा खेला। मंगोलिया के बचुलून और ओमिदी आर्या (ईरान) ने ड्रा खेला। दीपन चक्रवर्ती, आराध्या, अनुज श्रीवर्ती, राम अरविन्द, जितदिनोव (यूएसए) और कुशाग्र मोहन सभी के खेल बराबरी पर रहे।

प्रतियोगिता निदेशक एसएल हर्ष ने बताया कि कैटेगरी बी में तमिलनाडु के दिनेश कुमार ने बिहार के मोहित सोनी को हराकर एकल बढ़ त बना ली। कदव ओमकार और पोटलुरी सुप्रिया के खेल ड्रा रहे। किशोर कुमार और अजय बिरवानी का खेल भी ड्रा रहा जबकि निर्गुण केवल (महाराष्ट्र) ने राजस्थान के भरत बंसल को और रमनदीप सिंह गिल ने दिल्ली के शुभम को हराया। इस आयोजन में बीकानेर के कई नन्हें खिलाड़ियों को भी खेलने का अवसर मिला है। इनमें कुछ खिलाड़ी अपना मैच जीत गए हैं। इससे खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फीडे रैंक मिलने की उम्मीद बन गई है। बड़े खिलाड़ियों के साथ मोहरे लड़ाने का अवसर भी मिल रहा है।

गंगाशहर के आशीर्वाद भवन में दो कैटेगरी में 157 बिसात पर 314 शातिर अपने दाव-पेच खेलते हैं। राजस्थान शतरंज संघ द्वारा बीकानेर में प्रथम अंतरराष्ट्रीय ओपन ग्रांड मास्टर्स प्रतियोगिता में आयोजन से जुड़े विनोद बाफना, बाफना अकादमी के सीइओ डॉ. पीएस वोहरा, ऋषभ सेठिया व जय सेठिया भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने पहुंचे। इस आयोजन में नगर विकास न्यास के पूर्व चैयरमेन और राजस्थान शतरंज संघ के अध्यक्ष महावीर रांका ने बताया कि देश और दुनिया के इतने बड़े खिलाड़ी बीकानेर में आना शहर के लिए गौरव का विषय है।

किसान ने बेटी को किडनी देकर बचाई जान

माया देवी

चंदगीराम

कोटपूतली, (निसं)। ग्राम पूतली निवासी एक 65 वर्षिय बुजुर्ग किसान ने पुत्री के जीवन पर आये खतरे को देखकर अपनी स्वयं की जान की बाजी लगाते हुए बेटी की जान बचाई ।

ग्राम पूतली निवासी नत्थुराम गुर्जर ने बताया कि उनकी बहन माया देवी (40) का विवाह अलवर जिले की थानागाजी तहसील निवासी गाँव हींसला निवासी छुट्टन लाल गुर्जर के साथ हुआ था। ग्रामीण परिवेश के खेतीहर परिवार में रहने वाली उनकी बहन माया की दोनों किडनियां खराब हो जाने से उनके जीवन पर खतरा मंडरा रहा था। इस पर चिकित्सकों ने किडनी ट्रांसप्लांट की बात कही। परिवार में केवल उनके 65 वर्षिय बुजुर्ग पिता चंदगीराम की किडनी ही अपनी पुत्री से मिलान खा रही थी लेकिन पिता की ज्यादा उम्र देखते हुए चिकित्सक किडनी ट्रांसप्लांट से कतरा रहे थे किन्तू चंदगीराम ने एक कदम आगे बढ ते हुए अपने जीवन की परवाह ना कर अपनी एक किडनी देकर बेटी के जीवन को बचा लिया ।

जयपुर के महात्मा गाँधी अस्पताल में नैफ्रोलॉजी विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. सूरज गोदारा के नेतृत्व में चिकित्सकों की टीम ने लगभग 8 घण्टे तक चले ऑपरेशन में सफलतापूर्वक किडनी का ट्रांसप्लांट किया। ऑपरेशन के बाद दोनों पिता-पुत्री की स्थिति सामान्य है। उनके भाई नत्थूराम ने बताया कि बहन की जान बच जाने से पूरा परिवार राहत महसूस कर रहा है।

विदेशी पर्यटक ने बनाया राक्षस का रूप

पुष्कर, (निसं)। पुष्कर में रावण दहन हुआ। विदेशी पर्यटक भी इस दौरान राक्षस का रूप बनाकर आया। विदेशी का यह रूप लोगों में रहा चर्चा का विषय रहा। पुष्कर में बांगड़ स्कूल के पास छोटी बस्ती की ओर से श्री ब्रह्म पुष्कर सेवा संघ की ओर से रावण दहन किया गया। बड़ी बस्ती में मेला मैदान में रावण दहन किया गया। इस दौरान पुष्कर के विधायक सुरेश सिंह रावत, पुष्कर नगरपालिका के अध्यक्ष कमल पाठक, उपाध्यक्ष शिव स्वरूप महर्षि व पार्षद मौजूद रहे। रावण दहन देखने के लिए सैकड़ों की तादात में विदेशी पर्यटक भी मौजूद रहे।

> ■ **पुष्कर में दशहरा मेले में रावण दहन हुआ**

हिन्दी साहित्य के निर्माता-जन्म शताब्दी पर विशेष

कालजयी रचनाकार-डॉ. रांगेय राघव

हिन्दी साहित्य के महान पुरोधा डॉ. रांगेय राघव (पूरा नाम तिरूमलै नम्बाकम वीर राघव-आचार्य) का जन्म 17 जनवरी 1923 को पिता रंगाचार्य एवं माता कनकवल्ली के घर, बाग मुजफ्फर, आगरा (उत्तरप्रदेश) में हुआ था। इस वर्ष उनकी जन्मशताब्दी मनायी जा रही है। रांगेय राघव के माता-पिता दोनों तमिल, फारसी व संस्कृत के विद्वान थे। पिता अंग्रेजों के विरुद्ध क्रान्तीकारी विचारों के प्रचार -प्रसार एवं गतिविधियाँ करने पर बारह वर्ष के लिए देश निकाला दिया था। तब वह आगरा में जाकर रहने लगे।

पिता रंगाचार्य संस्कृत के उद्भट विद्वान होने से तत्कालीन जयपुर नरेश द्वारा स्थापित वैर के सीताराम मंदिर का पुरोहित बनाया था। उन्होंने 1944 में हिन्दी से एम.ए. किया था। लगभग 18 वर्ष की आयु में स्नातक अध्ययन के दौरान ही उन्होंने अपना पहला उपन्यास 'घरौंदा' लिखा, जो 1946 में प्रकाशित हुआ, जो बाद में चर्चित एवं लोकप्रिय हुआ। स्नातकोत्तर की डिग्री के बाद उन्होंने 'गोरखनाथ और उनका युग' विषय पर 1949 में डाक्टरेट की उपाधि मिली थी। घरौंदा के प्रकाशन के बाद वह समर्पित भाव से निरन्तर लिखते रहे। उन्होंने साहित्य की सभी विधाओं में अपने को कम अवधि में ही प्रतिष्ठित कर लिया और उपन्यास, कहानी, आत्मकथा, संस्मरण, काव्य, नाटक, आलोचना, चिन्तर एवं दर्शन के अलावा अनुवाद के क्षेत्र में डेढ सौ से अधिक कृतियाँ लिखी।

सन् 1943-44 में बंगाल के अकाल और ग्वालियर के गोलीकांड पर आपने रिपोर्ताज लिखे एवं अकाल तथा महामारी की तबाही पर 'तूफानों के बीच' उपन्यास लिखा जिसे खूब प्रसिद्धि मिली। इन्होंने 'निर्माण' नामक पत्रिका का भी सम्पादन किया, जिसमें विचारोत्तक तथा क्रान्तीकारी लेख छापते थे। डॉ. राघव की प्रतिभा बहुमुखी थी। केवल 39 वर्ष की आयु में ही आपने सैंकड़ों ग्रन्थ रच

यादराम सिंह यादव

डाले थे। वह प्रगतिशील-जनवादी विचारधारा के सशक्त लेखक थे। सम्पन्न परिवार में जन्म लेकर भी लेखन ही उनकी जीविका का मुख्य साधन बना रहा। वह वर्तमान में जीने पर विश्वास करते थे। 7 मई, 1956 को सुलोचना आयंगार से विवाह किया। एक पुत्री सीमंतिनी का 1960 में जन्म हुआ। अधिकांश जीवन आगरा, वैर व जयपुर में व्यतीत किया था।

डॉ. रांगेय राघव मानवता के एक सशक्त चितेरे थे वे हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, ब्रज तथा तमिल के विद्वान होने के साथ सिद्धहस्त चित्रकार भी थे। आपने संस्कृत भाषा में मृच्छकटिका एवं मुद्राराक्षस जैसे नाटकों का हिन्दी में सफल अनुवाद किया था। अंग्रेजी भाषा के सेक्सपीयर के नाटक गाल्जवर्दी, शैले, कीटस, गेट आदि जर्मन व फ्रांसीसी महान कवि व लेखकों के काव्य एवं प्रमुख कहानीकारों की कथाओं का हिन्दी में अनुवाद किया था। 'गदल' इनकी सिरमौर कहानी है, जिसकी बेबाकी, मजबूती और कर्मठता में 'गदल' जैसी अन्य स्त्री नजर नहीं आती। विविध सामाजिक समस्याओं का चित्रण आपकी कहानियों की मुख्य विशेषता रही है।

आपके 'मेघावी' नामक प्रथम काव्य को हिन्दुस्तानी अकादमी प्रयाग, अधूरा किला 'कब तक पुकारूं' को

उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा 'मेरी प्रिय कहानियां' को राजस्थान साहित्य अकादमी ने पुरस्कृत किया था। महात्मा गांधी पुरस्कार 1966 में 'मरणोपरान्त' प्रदान कर सम्मानित किया गया। उन्होंने देश को, हिन्दी की महान सृजनशीलता के दर्शन कराये। रिपोर्ताज लेखन, जीवन चरितात्मक उपन्यास और महामाया-गाथा 'दो खण्डों में' की नयी परम्परा डाली।

डॉ. रांगेय राघव को हिन्दी साहित्य का सेक्सपीयर माना जाता है जबकि मूलत: तमिल थे। उनके अधिकतर ऐतिहासिक उपन्यास उन चरित्रों से जुड़ी हुयी महापुरूषों, भगवानों व महिलाओं के नाम पर लिखे गये हैं। जैसे भारती का सपूत- भारतेंदु हरिशचन्द्र की जीवन पर आधारित 'लखिया की आंखे'-कवि विद्यापति के जीवन पर, रत्ना की बात- तुलसी के जीवन पर, देवकी का बेटा- कृष्ण के जीवन पर आधारित है।

उन्होंने सेक्सपीयर के सभी 10 नाटकों का अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद किया था, जो मूल रचना सरीखे थे। उन्होंने कहानी, कविता, आलोचना, नाटक, संस्मरण, यात्रा वृतान्त के अलावा सभ्यता व संस्कृति, समाजशास्त्र, मानवशास्त्र, अनुवाद, चित्रकारी शोध और व्याख्या के क्षेत्र में 150 से अधिक पुस्तकें-रचनाऐं लिखी।

सहयोगी उपन्यासों में 'बारह खम्भा' और 'ग्यारह सपनों का देश' के साझे लेखक रहे। उनकी 'प्रमुख कहानियों में देवदासी, तूफानों के बीच, अय्यास मुर्दे, अंगारे ना बुझे, इन्सान पैदा हुआ, साम्राज्य का वैभव, समुद्र के फैन, पांच गधे, मेरी प्रिय कहानिया आदि कहानी संग्रह प्रमुख हैं।

'आलोचनात्मक ग्रन्थों' में 'गोरखनाथ एवं उनका युग' आधुनिक हिन्दी कविता में प्रेम और श्रृंगार, भारतीय पुनर्जागरण की भूमिका प्रमुख ग्रंथ हैं।

उनके रचित उपन्यासों में 'कब तक पुकारूं' तथा 'मुर्दों का टीला' पर टी.वी. धारावाहिक बनाये जाकर प्रसारित हो चुके हैं। 'कब तक पुकारूं' उपन्यास के प्रमुख पात्र वैर गांव के करनट 'नट' सुखराम को भारतीय साहित्य की 'कालजयी कृति का अमर पात्र' बना दिया। सुखराम और 'पथ का पाप' के किशनलाल जैसे पात्रों की गंध आज भी उनके गांव की माटी में रची बसी है। अनुवाद विधा में उनकी सिद्धहस्तता की प्रशंसा उपराष्ट्रपति सर्वपल्ली डा. राधा कृष्णन ने की थी, क्योंकि उनकी इच्छानुकूल ही डॉ. राघव ने 'मेघदूत' का अंग्रेजी में भी सचित्र अनुवाद किया था। उनके रेखाचित्र उनके द्वारा अनुदित ग्रंथों, ऋतु संहार, कुमारसंभव और भामिनी विलास में देखे जा सकते हैं। इस कलम के जादूगर की 12 सितम्बर 1962 को कैन्सर से बम्बई में निधन हो गया।

फैजाबाद में उनकी पुण्य स्मृति में एक अकादमी की स्थापना की गयी। आगरा के 'बाग मुजफ्फर' में जहां वे रहते थे, उस क्षेत्र की सड़क का नाम रांगेय राघव रोड़ रखा गया है। राजस्थान साहित्य अकादमी भी उनके नाम से एक वरिष्ठ साहित्यकार को प्रतिवर्ष 'डॉ. रांगेय-राघव पुरस्कार' प्रदान करती है। ऐसे अमर साहित्यकार की जन्मशताब्दी पर निम्न पंक्तियां उनके सम्मान में स्पंदित होती हैं-

तूफानों की रगों पर, थीं बिजलियां चमकती,
मांझी सम्हाल डांडे, बोला जरा ठहर लो।
है कुछ दिनों की गर्दिश, धोखा नहीं है लेकिन,
जो आंधियों ने फिर से, अपना जुनून उभारा।।

यादराम सिंह यादव,
वरिष्ठ लेखक एवं साहित्यकार

सत्यमेव जयते

राजस्थान सरकार

मैं आपको राजस्थान में मौजूद अपार संभावनाओं का लाभ उठाने और हमारे साथ मिलकर एक समृद्ध भविष्य की ओर बढ़ने के लिए आमंत्रित करता हूँ।

अशोक गहलोत
मुख्यमंत्री, राजस्थान

संभावनाओं से भरपूर राजस्थान की धरती आपके स्वागत के लिए तैयार है

संभावनाओं से भरे राजस्थान में आयोजित इन्वेस्ट राजस्थान समिट में पधार रहे सभी निवेशकों और प्रतिष्ठित प्रतिभागियों का जयपुर में स्वागत है।

निवेश प्रस्तावों को बड़े स्तर पर धरातल पर उतारने की दिशा में इन्वेस्ट राजस्थान समिट एक महत्त्वपूर्ण आयोजन साबित होगा।

आइये इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बनें और विभिन्न सेक्टर्स में फायदेमंद निवेश की अपार संभावनाओं को तराशें।

Invest Rajasthan

7-8 Oct 2022 • JAIPUR

Committed. Delivered.

इन्वेस्टर आउटरीच कार्यक्रम के परिणामस्वरूप
रु. 10.44 लाख करोड़
के निवेश प्रस्ताव हस्ताक्षरित

40% निवेश प्रस्ताव
धरातल पर/प्रक्रियाधीन

इन्वेस्ट राजस्थान समिट में
परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण

राज्य में रोज़गार सृजन

2.10 लाख से अधिक
धरातल पर/प्रक्रियाधीन निवेश प्रस्तावों से

9.5 लाख से अधिक
इन्वेस्ट राजस्थान के सभी निवेश प्रस्तावों से

राजस्थान संवाद

उद्योग एवं वाणिज्य विभाग,
राजस्थान सरकार

invest.rajasthan.gov.in

CII
Confederation of Indian Industry

कोटा थर्मल पावर प्लांट

50 लाख रूपए की फिरौती के लिए सीकर से नौ साल के बच्चे का अपहरण

बिना ग्रामीणों के सहयोग से इस ऑपरेशन को कामयाब करना मुश्किल था : एसपी

गुढ़ागौड़जी, (निसं)। सीकर से नौ साल के बच्चे का अपहरण 50 लाख रूपए की फिरौती मांगने के प्लान पर ग्रामीणों ने पानी फेर दिया । ग्रामीणों को शक होने पर उन्होंने बदमाशों की गाड़ी का पीछा किया और बदमाशों के चंगुल से बच्चे को मुक्त कराया ।

यह जानकारी खुद बच्चे ने झुंझुनूं के भाटीवाड के ग्रामीणों को दी । जी, हां बच्चे को दस्तयाब करने के ऑपरेशन में शामिल ग्रामीण सुरेंद्र महला भाटीवाड ने बताया कि जब बच्चा उन्हें मिला और ग्रामीणों ने बच्चे की बात परिजनों से करवाई। इसके बाद बच्चे ने ग्रामीणों को बताया कि जो दो बदमाश थे। वो उसे बार-बार कोल्ड ड्रिंक पीने के लिए बोल रहे थे। यही नहीं वो बोल रहे थे कि वे उसके परिजनों के पास से 50 लाख रूपए लेकर उसे छोड़ देंगे। हालांकि पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है लेकिन ग्रामीणों ने बच्चे से हुई बातचीत के मुताबिक यह जानकारी मीडिया के साथ साझा की ।

इस ऑपरेशन में शामिल अनिल शर्मा ने बताया कि भाटीवाड गांव में संदिग्ध बोलेरो गाड़ी शाम को घुम रही थी। एक दुकान से बोलेरो में सवार युवक ने कोल्ड ड्रिंक और बिस्किट भी लिया और फिर छावसरी गांव की तरफ चली गई। गांव के लोगों को शक हुआ तो गाड़ी का पीछा किया गया। ग्रामीणों को पीछे आते देख बदमाश गाड़ी और बच्चे को छोड़कर भाग गए। जब ग्रामीण पहुंचे तो बच्चा हेल्प मी... हेल्प मी.... की आवाज दे रहा था। ग्रामीण मनोज महला ने बताया कि गांव के अंदर जब गाड़ी चक्कर लगा रही थी। उसी दरमियान गांव के एक व्यक्ति ने बोलेरो गाड़ी में एक बच्चा भी देखा। यह गाड़ी बार-बार चक्कर लगा रही थी तभी शक के घेरे में आ गई। वहीं जब एक दूसरे ग्रामीण ने गांव के लोगों को बताया कि बोलेरो में एक बच्चा भी है। तो ग्रामीणों को इस गाड़ी पर पूरा शक हो गया और गांव के लोगों ने छावसरी की तरफ गाड़ी को ढूंढा। वहीं ग्रामीणों की एक टीम नदी क्षेत्र में चली गई। ग्रामीणों को आते देख बदमाश भाग गए।

झुंझुनूं के भाटीवाड़ा ग्राम के ग्रामीण जिन्होंने बच्चे को रेस्क्यू कर छुड़ाया।

ग्रामीणों ने बताया कि भाटीवाड गांव के लोगों ने करीब दो से तीन घंटे तक शाम को नदी क्षेत्र में सर्च किया। नदी क्षेत्र वीरान और वहां बड़े -बड़े कूंचे थे। ऐसे में सर्च कर पाना मुश्किल था। फिर भी ग्रामीणों ने हिम्मत नहीं हारी और आखिरकार बच्चे तक पहुंच ही गए। ग्रामीणों ने बताया कि जब ग्रामीण बोलेरो की ओर आगे बढ रहे थे तो बदमाशों ने ग्रामीणों को डराने के लिए हथियार होने का संकेत दिया। दोनों आपस में बतिया रहे थे कि हथियार निकालो... हथियार निकालो....। इसलिए ग्रामीण एक बार घबरा गए इसी का फायदा उठाकर बदमाश भाग गए। गाड़ी और बच्चा छोड़ गए। यह जानकारी यूथ कांग्रेस अध्यक्ष सुधींद्र मूंड के पास भी पहुंची। जिन्होंने फोन कर अपनी टीम को सर्च में लगाया और सभी को कहा कि 4 अक्टूबर को उनकी बेटी का जन्मदिन है। वे जब तक बच्चा सकुशल नहीं मिल जाता है तब तक अपनी बेटी के जन्मदिन का केक नहीं काटेंगे।

- शक होने पर ग्रामीणों ने बदमाशों की गाड़ी का पीछा किया और बच्चे को मुक्त कराया

'ग्रामीणों को देंगे प्रशंसा पत्र':- बच्चे को दस्तयाब करने के बाद सीकर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए सीकर एसपी कुंवर राष्ट्रदीप ने कहा कि बिना ग्रामीणों के सहयोग से इस ऑपरेशन को कामयाब करना मुश्किल था। यही नहीं, जहां-जहां जिस-जिस गांव का इनपुट मिला। उसी गांव के लोगों ने पुलिस का सहयोग किया। उन्होंने कहा कि भाटीवाड और खींवासर के जिन लोगों ने इस ऑपरेशन में सहयोग किया है। उन्हें वे अपने हस्ताक्षरों से प्रशंसा पत्र देंगे। सीकर एसपी ने झुंझुनूं एसपी मृदुल कच्छावा के त्वरित एक्शन के साथ किए गए सहयोग की भी जमकर तारिफ की।

ग्रामीणों ने असामाजिक तत्वों को पकड़कर पुलिस को सौंपा

पकड़े गए युवकों सहित मौका पाकर भागे बदमाशों की सात बाइक ग्रामीणों ने पुलिस को दी

सारंगपुरा गांव के ग्रामीणों ने बदमाशों की बाइकों को पुलिस को सुपुर्द किया।

कानोड़, (निसं)। ग्राम पंचायत सारंगपुरा के सीड़ गांव में बुधवार रात को खेल मैदान पर कुछ लोगों के बैठे होने की सूचना ग्रामीणों की मिली तो काफी संख्या में ग्रामीण खेल मैदान पहुंच गए, तो वहां बैठे लोग ग्रामीणों को देखकर भागने लगे जिसमें से पांच लोगों को ग्रामीणों ने दबोच लिया बाकी मौके से भाग निकले।

ग्रामीणों ने पकड़े गए युवकों से की गई पूछताछ में बार-बार बयान बदलने की वजह से ग्रामीणों को संदेह हुआ और पुलिस को सूचना दी। इतनी बड़ी घटना होने के बावजूद तीन पुलिसकर्मी रात करीब 1:30 बजे मौके पर पहुंचे जहां ग्रामीणों ने 5 युवकों को पकड़कर पुलिस को सौंपा । वही प्रात: काफी संख्या में ग्रामीण पुलिस थाने पहुंचे और पकड़े गए युवकों सहित मौका पाकर भागे लोगों की 07 बाइक पुलिस के हवाले किया। जिसमें से कुछ वाहनों के नंबर तक नहीं थे।

स्थानीय सरपंच प्रकाश मीणा सहित ग्रामीणों ने पुलिस थाने में रिपोर्ट देकर लगातार चोरियों की वारदातें इन्हीं लोगों द्वारा करने का संदेश जताया और कार्रवाई की मांग की। ग्रामीण किशन लाल पिता नारायण लाल मीणा ने कानूनी कार्रवाई की मांग को लेकर पुलिस थाने में दिए गए पत्र में बताया कि बीते लंबे समय से असामाजिक तत्वों ने गांव में आतंक मचा रखा है । असामाजिक तत्व बीती रात को खेल मैदान में मीटिंग कर रहे थे गांव वालों को पता चला फिर गांव वाले खेल मैदान पहुंचे जहां मौजूद भूरा लाल पिता नाना लाल मीणा, रतनलाल पिता तुलसीराम मीणा निवासी आंबाकुआं मौके पर अपनी बाइक छोड़कर भाग गए ।

प्रार्थी ने आरोप लगाया कि हमारे गांव में मंदिर नारसिंह माता के दानपात्र को करीब 1 माह पूर्व तोड़ा गया आए दिन लोग हमारे गांव में चोरियां कर रहे हैं।

अफीम का दूध बरामद, अध्यापक सहित दो गिरफ्तार

जालोर, (कासं)। डीएसटी एवं चितलवाना पुलिस की अवैध मादक पदार्थ तस्करों के विरूद्ध बड़ी कार्यवाही में18 किलो, 995 ग्राम अवैध अफीम का दूध बरामद कर अध्यापक सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने परिवहन में प्रयुक्त वाहन को भी जब्त किया है। तथा आरोपियों के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त से अर्जित 11,98,000/- रूपये की नकद राशि जब्त की है। बरामद उक्त अफीम की बाजार किमत पच्चीस लाख रुपये आंकी गई है।

जालोर पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला के निर्देशानुसार गठित पुलिस टीमों ने निरन्तर प्रभावी गश्त, नाकाबंदी एवं तकनीकी के आधार पर एनएच 68 सरहद चारणीम से श्रवण कुमार (38) पुत्र रुगनाथराम, जाति विश्नोई, निवासी रतनपुरा, पुलिस थाना चितलवाना एवं कैलाशचन्द्र (34) पुत्र हरीशचन्द्र, जाति विश्नोई निवासी सेवाड़ा, पुलिस थाना करडा हाल अध्यापक, राजकीय प्राथमिक विद्यालय मलार नाडी, सेवाड़ा पुलिस थाना करडा को दस्तयाब कर बड़ी कार्यवाही करते हुए मुलजिमानों से कब्जे से कुल 18 किलो 995 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम का दूध तथा अवैध मादक पदार्थ खरीद फरोख्त से अर्जित कुल 11,98,000 रुपये (ग्यारह लाख अठानवे हजार) रूपये की नकद राशि बरामद की ।

चितलवाना पुलिस ने अवैध अफीम का दूध बरामद कर अध्यापक सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

मुलजिमानों से मादक पदार्थ परिवहन में प्रयुक्त वाहन क्रेटा कार को जब्त किया जाकर मुलजिमानों को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त गण द्वारा भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ अफीम का दूध अपने कब्जे में रखकर परिवहन करने के जुर्म में प्रकरण दर्ज किया गया। मुलजिमानों से अवैध मादक पदार्थ अफीम के दूध की खरीद-फरोख्त के सम्बध में अनुसंधान जारी है।

बीसलपुर से बनास नदी में पानी की निकासी बंद

टोंक, (निसं)। प्रदेश के प्रमुख बांध बीसलपुर बांध से बनास नदी में पानी की निकासी बंद कर दी गई है। गौरतलब होगा कि 26 अगस्त को बीसलपुर बांध के पूरे भराव की क्षमता 315.50 आरएलमीटर पार करने के बाद बीसलपुर बांध के दो गेट खोलकर पानी की निकासी शुरु की गई और उसके बाद चार गेट खोले गए थे। बाद में पानी आवक होने के साथ ही दो गेट व एक गेट को खोलकर पानी की निकासी की जा रही थी।

बीसलपुर बांध से 40 दिनों तक बनास नदी में 10.5 टीएमसी पानी की निकासी की गई। वर्तमान में बीसलपुर बांध का जल स्तर 315.50 आरएलमीटर स्थिर है।

भारतीय सनातन संस्कृति के महान पर्व एवं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्थापना दिवस विजयादशमी उत्सव बुधवार को मनाया गया। इस मौके पर शहर में शौर्य, साहस, शक्ति एवं समभाव प्रदर्शित करती पंक्तिबद्ध स्वयंसेवकों का पथ संचलन किया । नगरवासियों द्वारा चौराहों पर रंगोलियां व पुष्प वर्षा कर जगह जगह स्वागत किया गया। संघ के विभाग प्रचार प्रमुख महेंद्र विजय ने बताया कि मदरलैण्ड स्कूल में विजयादशमी उत्सव पर नगर संघ चालक दिनेश बुन्देल तथा प्रान्त सह बौद्धिक शिक्षण प्रमुख दिनेश मणिरत्नम ने शस्त्र पूजन किया।

सवाई माधोपुर-मथुरा सवारी गाड़ी पुन: स्पेशल के रूप में बहाल

कोटा, (निसं)। सवाई माधोपुर-मथुरा-सवाई माधोपुर के मध्य प्रतिदिन चलने वाली सवारी गाड़ी की सेवा पुन: बहाल कर दी गई है । सवाई माधोपुर और मथुरा के मध्य पूर्व में चलने वाली सवारी गाड़ी संख्या 54794/54793 को 'गाड़ी संख्या 04794 मथुरा से सवाई माधोपुर स्पेशल को दिनांक 07 अक्टूबर' से एवं 'गाड़ी संख्या 04793 सवाई माधोपुर से मथुरा को दिनांक 08 अक्टूबर' से स्पेशल गाड़ी के रूप में पुन: बहाल कर दिया गया है।

मथुरा से सवाई माधोपुर की ओर जाने वाली स्पेशल गाड़ी संख्या 04794 प्रतिदिन दोपहर दो बजे मथुरा से प्रस्थान कर मुड़ेसी रामपुर दोपहर 02.09 बजे, चूरामन नगरी दोपहर 02.14 बजे, जैजनपट्टी दोपहर 02.22 बजे, रानीकुंड रारह दोपहर 02.28 बजे, धारूरमुई जाघना दोपहर 02.36 बजे, भरतपुर दोपहर 02.45 बजे, सेवार दोपहर 02.59 बजे, जैचोली दोपहर 03.06 बजे, पिन्गोरा दोपहर 03.13 बजे, दोपहर 03.24 बजे, सालाबाद दोपहर 03.31 बजे, बयाना दोपहर 03.46 बजे, डुमरिया दोपहर 03.59 बजे, फतेह सिंघपुरा शाम 04.09 बजे, धिन्डोरा हुक्मीखेरा शाम 04.16 बजे, हिण्डौन सिटी शाम 04.25 बजे, सिकरोड़ा मीना शाम 04.36 बजे, श्री महावीर जी शाम 04.44 बजे, खंदिप शाम 04.52 बजे, पिलिओदा शाम 04.59 बजे, छोटी ओदई शाम 05.09 बजे, गंगापुर सिटी शाम 05.35 बजे, लालपुर उमरी शाम 05.49 बजे, नारायणपुर तत्वार शाम 05.59 बजे, नोमोडा शाम 06.09 बजे, मलारना शाम 06.18 बजे, मोखोली शाम 06.34 बजे, रणथम्भौर शाम 06.44 बजे आगमन होकर सवाई माधोपुर शाम 07.35 बजे पहुंचेगी। इसी प्रकार वापसी में सवाई माधोपुर से मथुरा की ओर जाने वाली स्पेशल गाड़ी संख्या 04793 प्रतिदिन सुबह 05.45 बजे सवाई माधोपुर से प्रस्थान कर रणथम्भौर 05.54 बजे, मोखोली 06.04 बजे, मलारना 06.15 बजे, नोमोड़ा 06.24 बजे, नारायणपुर तत्वार 06.34 बजे, लालपुर उमरी 06.44 बजे, गंगापुर सिटी 07.00 बजे, छोटी ओदई 07.17 बजे, पिलिओदा 07.26 बजे, खंदिप 07.34 बजे, श्री महावीर जी 07.44 बजे, सिकरोड़ा मीना 07.51 बजे, हिण्डौन सिटी 07.58 बजे, धिन्डोरा हुक्मिखेरा 08.08 बजे, फतेह सिंघपुरा 08.15 बजे, डुमरिया 08.29 बजे, बयाना 08.40, सालाबाद 08.53, केला देवी 08.59 बजे, पिन्गोरा 09.09 बजे, जैचोली 09.17 बजे, सेवार 09.29 बजे, भरतपुर 09.45 बजे, धारूरमुई जाघना 09.59 बजे, रानीकुंड रारह 10.06 बजे, जैजनपट्टी 10.14 बजे, चूरामन नगरी 10.21 बजे, मुड़ेसी रामपुर 10.49 बजे आगमन होकर मथुरा 11.35 बजे पहुंचेगी। इस संबंध में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/ जनसम्पर्क अधिकारी-कोटा रोहित मालवीय द्वारा बताया कि यह निर्णय यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए किया गया है। इस संबंध में सर्व संबधित स्टेशनों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है। यात्रियों से अनुरोध है कि ऊक्त ट्रेन की उचित स्थिति की जानकारी स्टेशन, पूछताछ नं 139 एवं ऑनलाइन प्राप्त कर यात्रा करे।

महिला की मौत प्रकरण में पति गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं) । जोधपुर जिले के भोजासर हलके में महिला की संदिग्ध मौत पर पुलिस ने जांच कर उसके पति को गिरफ्तार किया है। आज उससे पूछताछ की गई। महिला की हत्या उसके पति ने मनमुटाव के चलते की थी। वारदात को अंजाम देने के लिए आरोपी पति ने अपने दोस्त का सहयोग लिया था। आरोपी पति गिरफ्तार किया गया है। जबकि दोस्त की तलाश की जा रही है। आरोपी स्कूल में अध्यापक है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक अनिल कयाल ने बताया कि 20 सितंबर को कृष्णनगर चाडी भोजासर निवासी धीरज पुत्री नैनूराम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। मामले में मृतक के पिता ने बताया कि उसकी पुत्री धीरज की शादी श्रवण कुमार विश्नोई निवासी मानेवडा के साथ की हुई थी। 18-19 सितंबर की रात में श्रवण कुमार ने अपने दोस्तों सुरेश एवं सादुल सिंह के साथ मिलकर हत्या कर साक्ष्य नष्ट करनें के नीयत से पानी में रहवासी घर के आगे बने टांके में डाल दिया।

पुलिस अधीक्षक कयाल ने बताया कि उक्त वारदात की गम्भीरता को देखते पुलिस की टीम ओसियां वृताधिकारी नूर मोहम्मद के साथ गठित की गई। घटनाक्रम में अनुसंधान किया गया तो पता लगा कि अभियुक्त श्रवणकुमार व उनकी पत्नी धीरज के बीच में शादी के कुछ समय बाद से ही आपसी मनमुटाव एवं तकरार रहने के कारण पूर्व में भी अपनी पत्नी को मारनें का प्रयास किया था। 18-19. सितंबर की रात में श्रवण कुमार द्वारा अपनी पत्नी धीरज को जान से मारनें के उदेश्य से अपने परिचित दोस्त चंपासर निवासी सादुल राजपूत के साथ मिलकर अपनी पत्नी धीरज को घर से बाहर बुलाकर मुंह व नाक पर कपडा ठूंस दिया। मृतका के दांत जुड जानें पर श्रवण कुमार व सादुल सिंह द्वारा रहवासी घर के आगे बने टांके में डाल दिया गया। बाद में आरोपी श्रवण कुमार द्वारा नोखा एवं सादूल सिंह द्वारा गुजरात भाग जाना पाया गया। सादूल सिंह को पुलिस ने दस्तयाब कर गिरफ्तार किया।

रावण, कुंभकरण एवं मेघनाथ के पुतले बारिश में भीगे

बारिश में भीगते हुए रावण, कुंभकरण एवं मेघनाथ के पुतले।

टोंक, (निसं)। जिला मुख्यालय पर दशहरे के दिन बुधवार शाम को अचानक मौसम बिगडने के साथ ही बारिश का दौर शुरु हो गया। शाम को 4 बजे बाद मौसम परिवर्तन होने लगा और बादल छाने के साथ घटाएं आना शुरु हो गई और शाम 5 बजे बाद से बारिश का दौर शुरु हो गया। अचानक बारिश का दौर शुरु होने से टोंक शहर में दशहरा महोत्सव के तहत स्टेडियम के पास हॉट बाजार में खडे रावण दहन के लिए खडे रावण, कुंभकरण एवं मेघनाथ के पुतले भीग गए।

बारिश के चलते गांधी खेल मैदान टोंक में आयोजित दशहरा महोत्सव के तहत खडा 51 फूट का पुतला भीग गया और दशहरे के दिन रावण दहन को बारिश के चलते रावण दहन कार्यक्रम में अग्नि संस्कार की जगह जल संस्कार का नजारा देखने को मिला। जिसके चलते आयोजक एवं रावण के पुतला दहन कार्यक्रम में लगे शोरगर आतिशबाजी के पटाखों की सुरक्षा करते हुए नजर आए। इधर बारिश के बावजूद भी चारभुजा नाथ व्यायाम शाला के पट्टे दिखाने वाले हर हर बंम के नारे लगाते हुए मुख्य बाजार से होते हुए मंशापूर्ण भूश्तेवर महादेव मन्दिर पहुंचे। समाचार लिखे जाने तक आयोजक रावण की दहन की व्यवस्था में जुटे थे।

छात्रा ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के चौरासी थाना क्षेत्र के नेगाला गांव में 12 कक्षा की एक छात्रा ने अपने घर में चुन्नी से फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय मृतका की मां और भाई दुकान पर गए हुए थे। आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने मृतका की मां की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चौरासी पुलिस ने बताया कि नेगाला निवासी लीला ने रिपोर्ट में बताया कि उसके पति की कई साल पहले मौत हो चुकी है । कल सुबह लीला और उसका बेटा दोनों दुकान पर चले गए थे। घर पर उसकी 18 वर्षीय बेटी वसुंधरा अकेली थी। दोपहर को लीला भोजन बनाने के लिए वापस अपने घर पहुंची, लेकिन घर का दरवाजा बंद था। काफी देर तक दरवाजा खट-खटाया और आवाज भी लगाई, लेकिन वसुंधरा ने दरवाजा नहीं खोला।

लीला ने मामले की जानकारी अपने पडोसियों दी। जिस पर पडौसी लीला के घर पहुंचे। इस दौरान पडौसियों ने घर की छत के केलू हटवा और छत के रास्ते से घर के अन्दर घुसे। अंदर घुसने पर देखा तो वसुंधरा घर में ही पाट पर चुन्नी का फंदा लगाकर लटकी हुई थी। इस पर लोगो ने वसुंधरा को नीचे उतारा और डूंगरपुर जिला अस्पताल लेकर आये। जहा पर डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। आत्महत्या के मामले का खुलासा नहीं हो पाया है।

जालोर में बजरी माफिया लीज पूरी होने के बाद भी वसूल रहा रॉयल्टी

दो माह पहले ही जालोर तहसील का रॉयल्टी का ठेका पूरा होने के बाद भी हो रही अवैध वसूली

जालोर, (कासं)। जिला मुख्यालय सहित आस-पास के क्षेत्रों में बजरी माफियाओं द्वारा अवैध रॉयल्टी वसूलन कर भी रसीद नहीं दी जारी है। लीज का समय पूरा होने के बावजूद भी बजरी माफिया नाका पर बैठे हैं। इसको लेकर बुधवार को बजरी और गिट्टी एसोसिएशन ने जिला कलैक्टर निशांत जैन को ज्ञापन देकर कार्यवाही की मांग की है।

ज्ञापन में बताया कि एसोसिएशन के सदस्य लंबे समय से शहर में बजरी और गिट्टी की सप्लाई का काम कर रहे हैं । साथ ही उन्होंने बताया कि रॉयल्टी वाले खुद रात को नदी में अवैध खनन कर यार्ड को भरते हैं और सुबह अवैध रॉयल्टी रवन्ना देते है। साथ ही उन्होंने बताया कि दो माह पहले ही जालोर तहसील का बजरी खनन रॉयल्टी का ठेका पूरा हो चुका है, फिर भी रॉयल्टी वाले लिए गए पैसे की रसीद भी नहीं देते और न ही इन पैसों की कहीं एंट्री की जाती है।

बजरी और गिट्टी एसोसिएशन ने जिला कलैक्टर निशांत जैन को ज्ञापन देकर कार्यवाही की मांग की।

साथ ही उन्होंने बताया कि रॉयल्टी वाले माइनिंग विभाग से मिलीभगत कर रॉयल्टी से मंगाई गई बजरी के ट्रैक्टर को जबरन और अवैध तरीके से पकडकर थाने में खड़ा करवा देते हैं और माइनिंग विभाग वाले ऑफिस में बैठे-बैठे सुपर्दगीनामा बना देते हैं, इसकी हमें आरटीआई और रिपोर्ट भी नहीं दी जाती। इतना ही नहीं रॉयल्टी वाले रात के समय नदी के पास वाले बेरों पर आकर लोगों को धमकाते हैं और जान से मारने की धमकी भी देते हैं जिससे यहां के लोगों में भय व्याप्त है।

एसोसिएशन ने रॉयल्टी से डंपर भरकर लाई गई बजरी को ट्रैक्टर से डालने के लिए परमिट देने की भी मांग की। साथ ही उन्होंने नियमानुसर रॉयल्टी देने पर भी सहमति जताई। साथ ही उन्होंने अवैध वसूली करने वाले रॉयल्टी ठेकेदार के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने की भी मांग की है।

आतिशी नजारों के बीच धूं-धूं कर जला रावण, गुरूर हुआ चूर-चूर

शोभायात्रा में नगर भ्रमण पर निकले प्रभु श्रीराम

जयपुर, (का.सं.)। असत्य पर सत्य की जीत का पर्व विजयादशमी का पर्व बुधवार को धूमधाम से मनाया गया। करोना के अनलॉक के दौर में दो साल बाद शहर में दशहरा मेले में आतिशी नजारों के बीच धूं-धूं कर रावण के पुतलों का दहन हुआ। इसके साथ ही रंग बिरंगी आतिशबाजी से समूचा आसमां अटा नजर आया। हजारों की तादाद में लोग परिवार सहित दशहरे मेले का आनंद उठाने पहुंचे।

आदर्श नगर दशहरा मैदान, मानसरोवर अरावली मार्ग स्थित मैदान, शास्त्री नगर के दशहरा मैदान, प्रतापनगर सहित शहर में कई जगह मेले सा माहौल रहा। आदर्श नगर दशहरा मैदान में शाम 105 फीट ऊंचे रावण पुतले का दहन हुआ। वहीं शास्त्री नगर के राष्ट्रपति मैदान में 80 फीट ऊंचे रावण पुतले का दहन, मानसरोवर, अरावली मार्ग स्थित मैदान में 70 फीट का रावण और प्रताप नगर सेक्टर-16 स्थित दशहरा मैदान में 75 फीट ऊंचे रावण का दहन हुआ। इस मौके पर रंगारंग कार्यक्रम में बॉलीवुड कलाकारों समेत राजस्थानी कलाकारों ने रंगारंग प्रस्तुतियों से माहौल में जश्नी सुरूर भर दिया।

आदर्श नगर स्थित दशहरा मैदान में आतिशी नजारों के बीच धूं-धूं कर रावण के पुतलों का दहन हुआ।

राममन्दिर प्रन्यास सनातन धर्मसभा की ओर से आदर्श नगर स्थित दशहरा मैदान में राजधानी के सबसे ऊंचे 105 फीट रावण के पुतले का दहन हुआ। यहां 105 फीट ऊंचे रावण और 90 फीट ऊंचा कुंभकर्ण के पुतलों का दहन हुआ। दहन के समय रावण की आंखों से अंगारे बरसते नजर आए, मुंह से आग के गोले और नाभि-सिर पर अग्निचक्र चला। तलवार से चिंगारियां निकलीं। इस बीच आतिशबाजी से आसमान में स्टार-वार दिखाई दिया।

आदर्श नगर श्रीराम मंदिर से रावण दहन से पहले दोपहर में श्रीराम जी की शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में पंचवटी में रामजानकी और स्वर्ण मृग, जटायु उद्धार, ताड़का वध के साथ श्रीराम व लक्ष्मण राजकुमार के रूप में नजर आए। वहीं वनवासी राम लक्ष्मण भी नजर आए। शोभायात्रा के दशहरा मैदान पहुंचने पर भगवान राम अग्निबाण चलाकर रावण की नाभि का अमृतकुंड सुखाया। इसी के साथ अट्हास करता हुआ रावण धाराशायी हो गया। हजारों लोगों ने इस दृश्य को मोबाइल में कैद किया।

जवाहर नगर रामलीला समिति जयपुर की ओर से जवाहर नगर सेक्टर पांच के शिव मंदिर में हो रही रामलीला में 51 फीट ऊंचे रावण के पुतले दहन किया। दहन के समय आतिशबाजी हुई।

रामलीला आयोजन समिति का संयोजक गोपाल बजाज ने बताया कि गुरुवार को रामलीला मैदान में भगवान श्रीराम का राज्याभिषेक होगा। इसके बाद श्रीकृष्ण लीला का मंचन होगा।

मारपीट के दौरान मजदूर छत से गिरकर घायल

जयपुर। गलता गेट इलाके में आपसी लेन देन को लेकर मारपीट के बाद एक मजदूर छत से नीचे गिर गया, जिससे उसकी रीढ़ की हड्डी टूट गई। फ़िलहाल सवाई मान सिंह अस्पताल में उसका उपचार चल रहा है। मामले में ठेकेदार पर छत से गिराने का आरोप लगा है। पुलिस जांच में जुटी है।

पुलिस ने बताया बंगाली चौक, बास बदनपुरा निवासी परवीन बेगम ने रिपोर्ट दी है कि उसका बेटा मोहम्मद अफसार (25) बिल्डिंग ठेकेदार रणजीत के पास बेलदारी का काम करता है। दोनों के बीच आपसी लेन देन है। आरोप है 1 अक्टूबर की शाम करीब 4 बजे पाड़ा मंडी में बन रही बिल्डिंग में काम करने के दौरान रणजीत ने अफसार को पीटा और उसे दूसरी मंजिल से नीचे धक्का दे दिया, जिससे उसकी रीढ़ की हड्डी टूट गई। फ़िलहाल पीड़ित का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

पुरोहित जी के कटला में साड़ियों की दुकानों में आग लगी

रास्ते सकड़े होने के कारण फायर बिग्रेड की गाड़ियां आगे नहीं जा सकी

जयपुर,(कासं)। राजधानी के माणक चौक इलाके में पुरोहित जी का कटला स्थित गुर्जर बाड़ा की गली में कपड़ा की दो दुकान में बुधवार सुबह अचानक आग लग गई। दोनों दुकानों में रखा लाखों रुपए का माल जलकर राख हो गया। आग की सूचना पर दमकल मौके पर पहुंची। हालांकि रास्ता सकड़ा होने से दमकल भी फंस गई। काफी मशक्कत के बाद पानी के पाईपों को मौके पर पहुंचाकर आग पर काबू पाया गया। आग से लाखों रुपए का नुकसान होना बताया जा रहा है।

- दमकल कर्मियों ने लोगों की मदद से आग पर काबू पाया

पुलिस ने बताया कि पुरोहितजी का कटला में दूसरी मंजिल पर स्थित साड़ी की दो दुकानों में बुधवार सुबह आग लग गई। दुकानों से धुआं निकलता देख स्थानीय लोगों ने पुलिस और फायर बिग्रेड को इसकी सूचना दी और आग बुझाने के प्रयास में जुट गए। मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियां रास्ते सकड़े होने के कारण मौके पर नहीं पहुंच पाई। इस पर फिर छोटी दमकल बुलाई गई, लेकिन वह भी घटना स्थल से 150 मीटर दूर तक ही पहुंच सकी। दमकलकर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से पाइपों के जरिए पानी फेंककर आग पर काबू पाया।

दुकानदारों ने त्योंहार को देखते हुए लाखों रुपयों का माल भर रखा है। जैसे ही कटले में आग की सूचना मोबाइल के जरिए अन्य दुकानदारों तक पहुंची तो हड़कंप मच गया। बड़ी संख्या में लोग कटले में जमा हो गए। दमकल को वापस निकालने में ही लंबा समय लग गया। व्यापारियों का कहना है कि सरकार की तरफ से कटला में फायर पाइप लाइन डाल दी गई। लेकिन इस लाइन की आज तक टेस्टिंग नहीं हुई।

गौरतलब है कि कटले में कपड़ों और प्लास्टिक उत्पादों की करीब पांच सौ से भी ज्यादा दुकानें हैं। कटले में जाने के तीन रास्ते हैं लेकिन तीनों ही बेहद संकरे हैं। इस कारण यहां आगजनी की घटना होने पर बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

कार की टक्कर से बाइक सवार दो लोगों की मौत

जयपुर,(कासं)। राजधानी के हरमाड़ा इलाके में सीकर रोड पर स्थित हरमाड़ा घाटी के पास बुधवार सुबह तेज रफ्तार कार ने आगे चल रहे बाइक सवार मामी-भांजे को टक्कर मार दी। हादसे में मामी की मौके पर जबकि भांजे की इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। हादसे के बाद चालक मौके पर कार छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर दोनों वाहनों को जब्त लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर कार चालक की तलाश में जुट गई है।

- सीकर रोड पर हरमाड़ा घाटी के पास हुआ हादसा
- हादसे में महिला की मौके पर, जबकि युवक की अस्पताल में मौत हो गई

थानाधिकारी मांगीलाल ने बताया कि सुबह सवा पांच बजे मृतक भांजा राजू दसनानी (27) निवासी शेखावाटी रोड नंबर 5 मुरलीपुरा अपनी मामी शालू कनौजिया (29) निवासी मुरलीपुरा स्कीम को लेकर बुधवार सुबह सामोद वीर हनुमानजी मंदिर में दर्शन करने जा रहा था। इसी दौरान हरमाड़ा घाटी के पास उनकी बाइक को पीछे से तेज रफ्तार में आई कार ने टक्कर मार दी। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। महिला के शव के कई हिस्से सड़क पर चिपक गए थे। वहीं युवक गंभीर घायल हो गया। आसपास के लोगों ने उसे बांगड़ हॉस्पिटल में भर्ती करवाया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मृतक राजू के हाथ और पैर में बीस से भी ज्यादा जगहों पर फैक्चर हुए। पुलिस ने दोनों शवों का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया है। इस संबंध में राजू के चाचा के लड़के विष्णु ने कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने गाड़ी के नंबर के आधार पर पुलिस चालक की तलाश कर रही है।

गाड़ी बेचने का एड दिखा कर ठगी करने वाला बदमाश पकड़ा

जयपुर,(कासं)। स्पेशल ऑफेसेस एंड साइबर क्राइम थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सोशल साइट पर गाड़ी बेचने का विज्ञापन दिखा कर ठगी करने वाले एक शातिर ठग को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित फर्जी पेटीएम खाते और बैंक खातों से फ्रॉड राशि एटीएम द्वारा विड्रॉल करता है। जिसके पास से ठगी में प्रयुक्त मोबाइल फोन जब्त किया गया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

- मामले में एक आरोपी पूर्व में ही गिरफ्तार किया जा चुका है

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर प्रथम क्राइम अजयपाल लांबा ने बताया कि स्पेशल ऑफिस एंड साइबर क्राइम थाना पुलिस ने शातिर ठग जुबेर खान (43) निवासी खोह जिला भरतपुर को गिरफ्तार किया गया है। वहीं इस मामले में पुलिस ने सहरून खान उर्फ समर एमआईए जिला अलवर को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी द्वारा फेसबुक सोशल साइट, ओएलएक्स एवं अन्य सोशल साइट के माध्यम से लोगों के साथ ठगी की। ठगी की राशि को एटीएम द्वारा विड्रॉल करने वाले आरोपी से मुख्य आरोपियों तक पहुंचाता है और इस काम के लिये आरोपित मुख्य आरोपियों से राशि का दो प्रतिशत कमीशन लेता है। आरोपी मुख्य आरोपियों के बारे में पूछताछ की जा रही है। इस संबंध में पीड़ित सुनील कुमार चौधरी ने मामला दर्ज करवाया था कि फेसबुक सोशल साइट पर एक स्विफ्ट कार का विज्ञापन देखा था। और गाड़ी पसंद आने पर आरोपित द्वारा ट्रांसपोर्ट चार्ज एवं गाडी का पेमेंट ऑनलाइन ट्रांजेक्शन द्वारा परिवादी से पेटीएम खाता एवं बैंक खातों में करवा के करीब 1 लाख 70 हजार रुपये की ठगी कर ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पडताल करते हुए आरोपी को धर-दबोचा।

सिलेंडर चुराने वाले दो गिरफ्तार

जयपुर। बजाज नगर थाना पुलिस ने गैस सिलेंडर चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया गिरफ्तार आरोपित ध्रुव उर्फ़ गुन्नू पारीक (19) मधुवन कॉलोनी और अभिषेक उर्फ़ अभी भटनागर (19) मूर्तिकला कॉलोनी, बजाज नगर इलाके के रहने वाले हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी किया गया गैस सिलेंडर बरामद किया है।

अल्पसंख्यक छात्र-छात्राओं को शिक्षा ऋण बंद किये : एम. सादिक खान

जयपुर। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष एम. सादिक़ खान ने एक बयान जारी कर कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के अल्पसंख्यकों के सर्वांगीण विकास के लिए दावे राजधानी जयपुर में ही हवा-हवाई साबित होते नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की अल्पसंख्यकों को शिक्षा-रोजगार के लिए ऋण मुहैया करवाने की योजना हो या अल्पसंख्यक आवासीय बालक छात्रावास बनवाने की, दोनों ही योजनाएं खोखली साबित हो रही है।

खान ने कहा कि अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास सहकारी निगम लिमिटेड ने इस वित्तीय वर्ष में जयपुर जिले के अल्पसंख्यक युवाओं को शिक्षा-रोजगार हेतु मात्र 42 लाख रूपये का बजट आंवटित किया, परन्तु राजधानी में अल्पसंख्यक छात्र-छात्राओं की बढ़ी संख्या में आबादी होने के बावजूद भी 42 लाख रूपये नहीं बांट पाई है।

खान ने आगे कहा कि राजस्थान अल्पसंख्यक विभाग का आलम यह है कि जो अल्पसंख्यक छात्र-छात्राएं उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाना चाहते हैं, उन्हें भी अल्पसंख्यक विभाग से मायूसी ही हाथ लग रही है। क्योंकि जहां विदेशों में पढ़ाई के लिए विद्यार्थियों को लाखों रूपये की जरूरत होती है, वहीं दूसरी ओर नाममात्र का बजट होने के चलते राजस्थान अल्पसंख्यक विभाग की ओर से विद्यार्थियों को ऋण देने में असमर्थता जाहिर कर दी जाती है।

जनप्रतिनिधि से बदसलूकी के मामले में सीओ व एसएचओ निलम्बित

जयपुर,(कासं)। टोंक जिले में पूर्व जिला प्रमुख के साथ बदसलूकी के मामले में मुख्यमंत्री कार्यालय के निर्देशानुसार पुलिस मुख्यालय द्वारा वृताधिकारी व थानाधिकारी को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस महानिदेशक इंटेलिजेंस उमेश मिश्रा ने बताया कि मामले की अग्रिम जाँच अजमेर रेंज महानिरीक्षक रुपिंदर सिंह को सौंपी गई है। जनप्रतिनिधि के साथ हुई अभद्रता को लेकर प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर वृताधिकारी निवाई रूद्रपकाश शर्मा ओर थानाधिकारी सदर निवाई आशुसिंह गुर्जर को निलंबित कर दिया गया है।

जैन मंदिर में चोरी करने वाला मास्टर माइंड दबोचा

जयपुर। राजधानी की सांगानेर थाना पुलिस ने जैन मंदिर में चोरी करने वाले बदमाश को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपी ने कबूला है कि वह पहले दिन में आस-पास के मंदिरों की रैकी करता है और फिर रात को बालअपचारियों से चोरी करवाता था। बच्चों की वजह से लोग शक भी नहीं करते थे। पुलिस ने उसके पास से तीन दान पात्र और दो बाइक बरामद की हैं।

- पुलिस ने तीन बालअपचारियों को भी निरूद्ध किया है।
- बदमाशों से तीन दान पात्र और दो बाइक बरामद की ।

डीसीपी पूर्व डॉ राजीव पचार ने बताया कि इस संबंध में वैश्य नगर रामंदिर के पीछे सांगानेर में रहने वाले दिनेश कुमार जैन ने थाने में मामला दर्ज करवाया था। जिसमें बताया कि 30 सितंबर को जैन मंदिर कल्याण नगर सांगानेर में रात को तीन लड़के आकर ताले तोड़कर दान पात्र चुरा ले गए।

इस पर पुलिस ने थानाप्रभारी हरीसिंह दूधवाल के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया। टीम ने कार्रवाई करते हुए गैंग के लीडर पीपलू टोंक निवासी महेश उर्फ बिट्टू (40) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इस मामले में तीन बालअपचारियों को भी निरूद्ध किया है।

पुलिस पूछताछ में मास्टर माइंड महेश ने बताया कि वह पहले आस-पास के मंदिरों की रैकी करता था। फिर अपने तीन बालअपचारियों से चोरी की वारदात करवाता था। पूछताछ में आरोपी ने महेश नगर, मानसरोवर और महारानी फार्म के आस-पास अन्य वारदात करनी भी कबूली हैं। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया हैं।

चौमूं में विवाहिता की संदिग्ध मौत

जयपुर। चौमूं थाना क्षेत्र में एक विवाहिता की संदिग्ध मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया। थानाधिकारी हेमराज ने बताया भरण की ढाणी, गोविंदगढ़ निवासी सुवालाल कुमावत की बेटी आशा (22) की शादी करीब तीन साल पहले चौमूं निवासी धर्मेंद्र से हुई थी। दोनों की 4 माह की बेटी है। घटनाक्रम के मुताबिक 4 अक्टूबर की दोपहर 1 बजे आशा ने साडी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका के पिता ने पति धर्मेंद्र, ससुर कन्हैयालाल, सास संतोष और काकी सास माया देवी पर आशा की गला घोंट कर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की है।

दौ सौ से ज्यादा फुटेज खंगलाकर पर्स छिनने वाले बदमाश पकड़े

मुहाना थाना पूलिस ने इलाके में पर्स छिनने वाले दो बदमाशों और उन्हें शरण देने वाले एक अन्य युवक को गिरफ्तार किया है।

जयपुर,(कासं)। राजधानी की मुहाना थाना पुलिस ने पर्स छीनने और जानलेवा हमले की वारदात का खुलासा करते हुए दो आरोपियों सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में काम ली गई बाइक भी बरामद कर ली है।

- पुलिस ने दोनों आरोपियों को शरण देने वाले एक युवक को भी गिरफ्तार किया
- आरोपियों ने मंगलवार को गिर्राज नगर में पति के साथ स्कूटी से जा रही महिला से पर्स छीनने का प्रयास किया था।
- वारदात में महिला स्कूटी से गिरकर गंभीर घायल हो गई थी।

डीसीपी साउथ योगेश गोयल ने बताया कि पुलिस ने आरोपी अजय मीणा, तनय जांगीड सहित उन्हें शरण देने वाले अमन शर्मा को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि अनिल श्रीवास्तव निवासी बालाजी विहार मोहनपुरा केशर चौराहे के पास ने मामला दर्ज कराया। उसने पुलिस को बताया कि वह मंगलवार को अपनी पत्नी मीनाक्षी श्रीवास्तव के साथ स्कूटी पर सवार होकर थडी मार्केट अग्रवाल फार्म से सुमेर नगर होते हुए अपने घर बालाजी विहार आ रहा था। बीच रास्ते में गिर्राज नगर मेन रोड लाइब्रेरी के पास पीछे से बाईक पर सवार दो लडके आए। उन्होंने मेरी पत्नी का पर्स खीचने की कोशिश की। इस दौरान वह स्कूटी से गिरकर गंभीर घायल हो गई। इस पर आरोपियों को पकड़ने के लिए मुहाना थानाधिकारी लखन सिंह खटाना के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने मौके व अन्य आने जाने वाले रास्तों में लगे हुये 200 से अधिक कैमरों की फुटेज खंगाले गये। साथ ही पूर्व में चालन शुदा अपराधियों से पूछताछ की गई। इस दौरान फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की गई। इस दौरान दोनों आरोपियों को उनके एक साथ के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी नशा करने के आदी है। आरोपी नशे और महंगे शौक पूरा करने के लिये चैन व पर्स लूट की वारदात को अंजाम देते है। यह व्यस्त मार्केट वाले क्षेत्रों में रैकी करते हुये, टारगेट तय करते है। आरोपी रैकी के अनुसार बाईक से लोगों का पीछा करते हुये मौका पाकर चैन व पर्स लूट की वारदात को अंजाम देते है। आरोपी वारदात के बाद मुख्य रास्तों को छाड़कर गलियों से होते हुये शरणदाता अमन शर्मा के बताये अनुसार अपने ठिकानों पहुंचते हैं। वहीं वारदात में काम लिए वाहन को छोडकर अन्य ऑटोरिक्शा, ई-रिक्शा आदि से निकल कर अपनी उपस्थिती छिपा लेते है।

हवा सड़क एलिवेटेड रोड का इंतजार खत्म, आज होगा उद्घाटन

- कार्यालय संवाददाता -

जयपुर। छह साल के बाद आखिरकार हवासडक़ एलिवेटेड का इंतजार खत्म हो गया हैं। गुरुवार शाम को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एलिवेटेड का उद्घाटन कर, इसे आमजन के लिए शुरू करेंगे। यह एलिवेटेड अम्बेडकर सर्किल से सोडाला तिराहे तक बनया गया हैं। जिसमें 250 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। यह शहर की दूसरी सबसे बड़ी एलिवेटेड रोड है। जो 2.8 किलोमीटर लंबी हैं। इसके शुरू होने से 22 गोदाम, हवासड़क, सोडाला तिराहा पर लगने वाले जाम से वाहन चालकों को निजात मिलेगी। हालांकि प्रोजेक्ट को पूरा करने में जेडीए ने 8 बार डेड लाईन बढ़ाई हैं। हवासड़क एलीवेटेड में अन्य एलिवेटेड के मुकाबले कई सुविधाएं हैं। इस पर चढ़ने और उतरने के लिए अलग-अलग रैम्प बने हुए हैं। जबकि बाकी एलिवेटेड पर एक साइड में ही रैम्प बने हुए हैं। लेकिन इस एलिवेटेड पर अम्बेडकर सर्किल से सोडाला की तरफ जाते है तो सबसे पहले रैम्प आएगा। यहां से एलीवेटेड रोड पर चढ़ने के बाद इसका पहला डाउन रैम्प 22 गोदाम रेलवे ओवरब्रिज पार करने के बाद नन्दपुरी तिराहा होटल हिल्टन के सामने बनाया हैए जबकि दूसरा डाउन रैम्प न बनाकर इसी सीधे हवा में अजमेर रोड एलीवेटेड से जोड़ दिया है, ताकि सोडाला सब्जीमंडी, वैशाली नगर अजमेर रोड 200 फीट जाने वालों को आसानी होगी। इसी तरह सोडाला से आना वाले ट्रैफिक को हवा सड़क चम्बल पावर हाउस से अप रैम्प दिया गया है। यहां से ट्रैफिक इस एलीवेटेड रोड पर चढ़ेगा और 22 गोदाम सर्किल पार करके सी-स्कीम नाले के पास आकर उतरेगा।

छह साल बाद हवासड़क एलिवेटेड का इंतजार खत्म हो गया हैं। गुरुवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एलिवेटेड का उद्घाटन कर, इसे आमजन के लिए शुरू करेंगे।

- अम्बेडकर सर्किल से सोडाला तिराहे तक बनाये गये रोड पर करीब 250 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं
- इसके शुरू होने से 22 गोदाम, हवासड़क, सोडाला तिराहा पर लगने वाले जाम से वाहन चालकों को निजात मिलेगी

रतलब है कि हवासड़क एलिवेटेड का निर्माण कार्य अगस्त 2016 में शुरू किया गया था। जून 2019 में प्रोजेक्ट का कार्य पुरा किया जाना था। लेकिन समय पर निर्माण पुरा ना हो सका। इसके बाद कोरोना महामारी के कारण काम बंद रहा। दो साल में धीमी गति से काम होता रहा। इस कारण प्रोजेक्ट की 8 बार डेडलाईन बढाई गई। आखिर में सीएम से उद्घाटन कराने के लिए इंतजार करना पड़ा। अब सियासी संकट के बादल कम हुए तो सीएम उद्घाटन के लिए तैयार हुए। हवासडक़ एलिवेटेड शुरू होने से 50 हजार से अधिक दुपहिया और चौपहिया वाहन चालकों को राहत मिलेगी। उन्हें पांच ट्रैफिक सिग्नलों से राहत मिलेगी। जहां पहले 25 से 30 मिनट का समय लगता था वहीं अब 10 मिनट लगेगी। इससे लोगों का समय और फयूल बचेगा।

शातिर मोबाइल चोर गिरफ्तार

जयपुर। जवाहर नगर थाना पुलिस ने एक शातिर मोबाइल चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी के दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में जवाहर नगर निवासी आनंद राज ने थाने में मामला दर्ज करवाया। जिसमें बताया कि 2 अक्टूबर को रविवार दोपहर 1.30 बजे पत्नी के साथ महावीर साधना केन्द्र स्थित भोजनशाला में व्रत तपस्या करने वालों की सेवा करने के लिए गया था। इसी दौरान भोजनशाला के बाहर वाले लॉन में प्रोग्राम चल रहा था। पीड़ित का कहना है कि काम करते समय उन्होंने मोबाइल रख दिया। कुछ देर बाद देखा तो मोबाइल गायब था। पुलिस ने आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों को चैक किया। पुलिस ने इस मामले में टीला नम्बर 6बी कच्ची बस्ती जवाहर नगर निवासी लाला सिंह उर्फ रतन को गिरफ्तार कर लिया।

ARBiT it happens here...

World Cerebral Palsy Day

Cerebral Palsy is a condition that's sadly very common among people. No matter the conditions that cause it, Cerebral Palsy can be challenging to live with and can affect not only the person who has it but the loved ones that surround them. World Cerebral Palsy Day gives these families the ability to find better ways of handling Cerebral Palsy and helps spread awareness about the facts that come with Cerebral Palsy.

राष्ट्रदूत
THURSDAY
6 October 2022
A-B

#WORKPLACE

Too Much Communication

Over-communicators "may be given the benefit of the doubt by their employees, who might view them as trying to meet their needs, even if they are not necessarily succeeding," Lide says.

Better safe than sorry. That is the message.

A boss who bombards you with communication may be frustrating, but one who leaves you in the dark may come off as uncaring, research finds.

That's the key finding from a new study that examines how employees perceive managers who assume that less is more when it comes to communicating at work.

After reviewing thousands of 360-degree leadership assessments in MBA and executive education classes, Francis Flynn notes that complaints about managers' communication were common, and often harsh.

"More than just about any other leadership skill, people are fiercely criticized for poor communication," says Flynn, a professor of organizational behaviour at Stanford University Graduate School of Business. "The higher up you get, the more brutal that criticism becomes."

Noting this, he and doctoral candidate Chelsea Lide saw an opportunity to examine the quantity and quality of communication between managers and the people tifey supervise.

In a recent paper, Flynn and Lide examine the concept of "communication calibration." They find that employees often see their leaders mis-calibrating the amount they communicate. Indeed, they write, "leaders are often seen by their employees as under-communicating rather than over-communicating."

The importance of how much leaders communicate became apparent during the pandemic, Lide says. "It brought into sharp relief just how important communication was, not only in terms of the message being communicated, but also how often people are checking in with one another and exactly how detailed leaders are being in their communication to employees."

Flynn and Lide's research shows that employees' preference for too many versus too few messages stems from the perception that even if an over-communicating leader can't communicate the ideal amount, at least they mean well.

Over-communicators "may be given the benefit of the doubt by their employees, who might view them as trying to meet their needs, even if they are not necessarily succeeding," Lide says. Making an effort can give the impression of empathy, whereas under-communicators are "not really seen as trying at all. Instead, they tend to be seen as really missing the mark in terms of meeting the needs of their employees."

Flynn says that these results contrast with prior research that found that information overload hurts employee performance. "Over-communication may be seen as annoying and a nuisance, but it's not seen as a damning flaw for a leader, partly because a leader's over-communication is seen as an attempt to benefit you, even if it is misguided, as opposed to an attempt to undermine you or simply ignore you."

Manager's Communication

The authors conducted four studies to test their hypotheses that employees identify under-communication as a leadership weakness more often than over-communication and perceive under-communicating managers as having relatively less concern and compassion. "Communication" was limited to task-related messages-not small talk or office chatter.

Flynn and Lide examined qualitative comments from more than 2,700 archived leadership assessments. Less than a quarter of employees rated their manager as a well-calibrated communicator. Leaders who mis-calibrated their communication were nearly 10 times more likely to be criticized for under-communicating than over-communicating. The assessments also showed that perceived empathy was significantly lower for under-communicating leaders than for well-calibrated and over-communicating leaders.

The researchers then tested their model's robustness in a real-world setting, surveying employees on the perceived quantity of communication they had received from their managers and how much they'd prefer to receive. The results confirmed a lack of congruence between perceived and preferred communication; employees judged their under-communicating leaders as lacking empathy and, in turn, leadership ability.

When In Doubt, Speak Up

Based on their findings, Flynn and Lide offer advice for leaders: Ask employees about their personal communication preferences, and when in doubt, increase the amount of task-related communication.

When a leader over-communicates, Flynn says, "you might not be very effective at helping, but at least you are not also coming across as completely unfeeling. When you're under-communicating, there's no evidence of any pro-social motivation to go along with an apparent lack of helpfulness."

When Sobers Came to India (...1)

Sobers and Kanhai were part of a strong WI side captained by Gerry Alexander, the last white man to lead WI in international cricket. That's because Frank Worrell pulled out of the tour at the last minute and the other two Ws, Weeks and Walcott were already unavailable. It was a star studded side with beamer man Gilchrest, fast and furious Wes Hall, stylish batters Conrad Hunte and Holt, debutant Basil Butcher, mystery spinner Sonny Ramdhin, short position specialist Joe Solomon and several others with huge abilities.

#CRICKET-CHAT

Subhash Mathur
Retd. IRS officer and a free lance writer

The name Gary Sobers along with Rohan Kanhai entered my consciousness and vocabulary in September 1958 when I was in-between stage in my quest for good education.

We had just shifted to Jaipur from Ajmer and I was waiting for my admission to Xavier's, Jaipur.

Xavier's School was an educational institution of repute with strictly English medium education. Its reputation for only English was so strict that many believed that they even taught Hindi lit in English.

Of course that was horseshit but a reputation is a reputation and need not be the reality or even close to it.

Due to the determined efforts of my mother Dayawanti, Xavier's administration finally ended their resistance and I joined Xavier's in September 1958.

I have detailed my travails of shifting from Hindi to English medium in my story'Salaa main tau Sahib ban gaya', published on www.indiaofthepast.org

But let's get back to our main story on cricket and Sobers.

Star-studded

Sobers and Kanhai were part of a strong WI side captained by Gerry Alexander, the last white man to lead WI in international cricket.

That's because Frank Worrell pulled out of the tour at the last minute and the other two Ws, Weeks and Walcott were already unavailable.

It was a star studded side with beamer man Gilchrest, fast and furious Wes Hall, stylish batters Conrad Hunte and Holt, debutant Basil Butcher, mystery spinner Sonny Ramdhin, short position specialist Joe Solomon and several others with huge abilities.

But our focus is on Garfield Sobers who went on to claim the title of The Best All Rounder of all times and was knighted by the Queen of England in 1975 to become Sir Gary.

Records

Sobers came to India with a huge reputation as a batsman having created a new world record of the highest runs by an individual batter in an innings, going past 364 held by Sir Len Hutton of England since 1938.

Hutton had surpassed 334 made by Sir Don Bradman of Australia in 1930 at Leeds and 336 by Englishman Wally Hammond on 1st April 1933 at Christchurch against New Zealand.

Brian Lara went past Sobers 365 to score 375 not out against England in 1994 hitting 45 boundaries after batting over 12 hours.

Matthew Hayden broke Lara's record by scoring 380 against Zimbabwe at Perth in 2003.

But Brian Lara could not be denied for long. He now holds the record at phenomenal 400 not out against England since 2004. Lara batted for two minutes shy of 13 hours. He played 582 deliveries and his innings included 43 hits to the boundary and four sixes.

Unlikely that anyone would surpass Lara with the kind of cricket on display these days.

But I am not accepting any bets.

I held both Sobers and Kanhai in awe and they did not disappoint. They scored heavily against a weak Indian side led by four captains in 5 tests.

This record still stands.

The family had no radio at home and the only way to get the latest scores was to listen to the home-made headphone contraption mentioned in my story 'Salaa main tau…' story referenced to above. And the listening had to be shared with siblings.

Some of the famous commentators on the radio those days were known names such as Vizzy [Pusapati Vijay Ananda, popularly known as Maharajkumar of Vizianagaram], Pearson Surita with his thick his voice and Dickey Rutnagur a man for details.

They gave what used to be called 'ball by ball' commentary that covered all aspects of on field game.

Vizzy as usual was in love with his own voice and his persona. He retold the same stories from his past with gusto over and over again without a care about the on field action.

He would casually mention that one more Indian wicket had fallen or a batsman had crossed half century.

His opening line used to be 'This is Vizzy reporting from Green Park Kanpour [using the old name].

Yet mainstream print media covered the WI tour extensively over several pages. I used to rush to the sports pages to check out the stories and the photos.

Those days some very stylish photos were published. I had a collection which got lost during one of the several transfers during my service years.

West Indian stars dominated the cricket stories. The news cantered around the exploits of Hall and Gilchrist the pacy duo or Sobers or Kanhai the batting stars or about Hunte the opener and the new comer Butcher.

The Innings

The tour ended with Sobers being the highest run scorer with 557 runs under his belt and Wes Hall snaring 30 wickets. Kanhai scored a massive 256 and Butcher Smith Solomon and Holt scored hundreds.

For India, leggie Subhash Gupte took 9 wickets in the first West Indian innings to bowl them out for just 222 in the first innings of the second test.

Had wicket keeper Tamhane not muffed, Gupte would have equalled Laker's record of all 10 wickets in an innings.

But WI went on to win the game, thanks to a sparkling 198 by Sobers in the second innings.

The tour saw Chandu Borde burst on the Indian cricket scene with a century in the fifth and the last test match. Ramakant Desai the diminutive fast bowler also debuted for India and went on to play for India for several years thereafter.

Sir Garfield Sobers.

Pusapati Vijay Ananda (Vizzy).

Ramakant Desai.

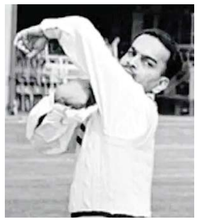

Subhash Gupte.

Rohan Kanhai.

Rumoured Romances

Several members of the younger generation have often asked me about a rumoured romance between Sobers and an Indian cine star.

Of course it's true that a blazing romance happened between Sobers and the beautiful Anju Mahendru but during the 66-67 tour of West Indies to India.

In fact Anju went to live with Sobers in 1971 but by then Sobers had moved on in life and the sparkle in their relationship simply did not rekindle.

Yet romances between two famous West Indian batting giants Sobers with Anju and Viv Richards with Neena Gupta kept the Indian minds fascinated over long periods.

Masaba daughter of Viv and Neena often goes and lives with her father Viv along with mother Neena.

Though not married they are all good family friends.

Both the players were knighted by the British Queen and both are living legends. Their on field and off field exploits have kept the fans agog and enamoured.

Sobers is now past 86 but in fit and fine health. We wish for a long healthy life for Sobers.

In his later years, Sobers came to be known as 'The Chinaman and the Magician who could turn a game around on its head by batting at any position or by bowling a sustained spell of tight bowling. Or even taking unbelievable catches

Sobers had the uncanny ability to read the game and the likely turn of events and thus naturally inherited the sobriety of the Best All-rounder in the World for Generations from the Wisden.

Even the exploits of Keith Miller, Richie Benaud, Sir Ian Botham, Andrew Flintoff, Imran Khan, Kapil Dev, Jacques Kallis et al have not been able to shake the ground under Sobers' feet.

But who was this Sobers? How do we get to know more about him?

All that and more in the next story 'Sir Gary - The Sobers'.

To be continued....

writetoarbit@rashtradoot.com

Garry Sobers with Indian film actress Anju Mahendru.

Romances between two famous West Indian batting giants Sobers with Anju and Viv Richards with Neena Gupta kept the Indian minds fascinated over long periods. Masaba daughter of Viv and Neena often goes and lives with her father Viv along with mother Neena. Though not married they are all good family friends.

Brian Lara hits record 400 vs England in Test cricket.

Neena Gupta and Sir Vivian Richards.

#SINDOOR KHELA

Celebrating Sisterhood

The crimson and white hues of the traditional Bengali 'Sindoor Khela' ceremony came alive in the Pink City as Shakti Women's Organisation recently organized the event with much enthusiasm and fervour. What's noteworthy is that not only married women but unmarried women also participated enthusiastically in this ceremony which celebrates sisterhood.

Tusharika Singh
Freelancer writer and city blogger

In Bengali culture, Sindoor Khela is a customary element of the Durga Puja celebrations. During the completion of Durga Puja on Vijayadashami, the ceremony entails applying sindoor, or vermilion powder, to the idols of Goddess Durga and among married ladies. This ritual takes place before the idols are submerged.

After the "ghat visarjan" (a symbolic immersion of Durga signalling the conclusion of the Puja ceremonies) on the day of Dussehra or Vijayadashami, Goddess Durga is said to have left the world for the year. In Bengali culture, it is customary to make an offering of Sindoor to married daughters as a parting gift.

Hues of Red & White in Pink City

The crimson and white hues of the traditional Bengali 'Sindoor Khela' ceremony came alive in the Pink City as Shakti Women's Organisation recently organized the event with much enthusiasm and fervour. After offering sindoor to Maa Durga, the women performed the ritual of 'Sindoor Khela' by applying sindoor to each other and gave the message of sisterhood. What's noteworthy is that not only married women but unmarried women also participated enthusiastically in this ceremony.

In the beginning of the program, Member of the Shakti Women's Organisation, Sushmita Das explained the importance of 'Sindoor Khela'. "In Bengali culture, it is believed that Goddess Durga arrives on Earth with her four children to celebrate the Durga Puja festival. On the last day of the festival when Goddess Durga leaves just like how a daughter comes to her mother's home and returns to her in-laws, the atmosphere is that of melancholy. Women bid farewell to the Goddess. They use betel leaves to wipe Goddess Durga's cheeks as she is believed to be shedding tears. Thereafter, they apply vermillion on the parting of her forehead and traditional bangles", shared Sushmita to enlighten the members present at the event.

After this, a formal puja was performed. One by one the women performed aarti of Maa Durga and offered sindoor on the head and feet of the idol of Durga Maa. To spread the message of an eco-friendly celebration, the idol of Goddess Durga was made using sand. Later, the women applied sindoor to each other and fed sweets.

An Authentic Experience

To recreate the magic of Bengal, the women adorned red and white apparel and applied alta, which is a bright red dye applied to hands and feet. They also danced to traditional Bengali Dhak music. The Bengali members of the group also performed the quintessential 'Dhunuchi Naach'. This devotional dance is performed to thank Goddess Durga by holding a dhunuchi, which contains the burning coconut husk with dhuno (frankincense) sprinkled on it. Bengali delicacies like Sandesh, Jhal Muri, Nimki, Chanachur, Ghugni, Chire Bhaja etc. were also served on the occasion.

A Symbol of Sisterhood

Talking about the objective behind organizing this event, Founder, Shakti Women Organisation, Sonakshi Vashistha shared that 'Sindoor Khela' was organised for the 4th consecutive year by the organisation. "It is an initiative to celebrate new cultures for the localites. The programme saw the presence of our members who are professionals from different fields. Irrespective of marital status women came together to apply vermillion on each other as a symbol of sisterhood and bonding of women. Women from different cities like Jodhpur, Mumbai and Ajmer also attended the festivities", adds Sonakshi.

Sharing her experience of Sindoor Khela, Suman Singh, a member who came from Jodhpur to participate in the event, says: "I had heard of Sindoor Khela but this is the first time I had the chance to participate in such an experience as usually only married women take part in it. I thoroughly enjoyed the various aspects of the celebration as it spread the vibe of strength and sisterhood among everyone"

THE WALL

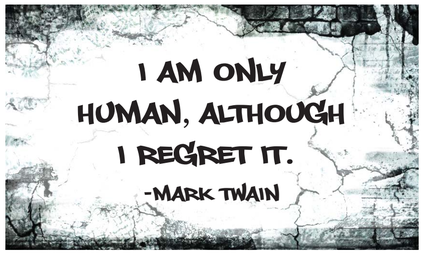

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

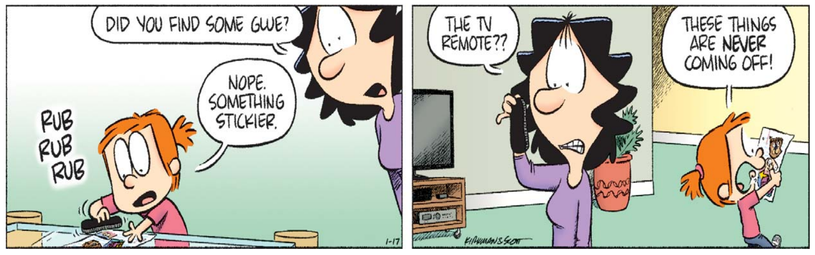

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

हरे पेड़ों की कटाई कर धडल्ले से तस्करी, प्रशासन बेखबर

वन विभाग के अधिकारियों की उदासीनता का फायदा उठा रहे लकड़ी तस्कर

सादुलपुर, (निसं)। लकडी तस्क वन विभाग के अधिकारियों की उदासीनता का फायदा उठाते हुए सादुलपुर साँखू सड़क मार्ग पर कस्बा राजगढ के श्याम विहार के पास स्थित जोहडी में से सडक किनारें खडे हरे पेडों को काटकर ले गये हैं, जबकि वन विभाग के अधिकारी व प्रशासन को इस संबन्ध में किसी प्रकार की जानकारी नहीं है।

इन दिनों लकडी तस्कर तहसील सहित आस-पास के क्षेत्र में हरे पेड़ों की अंधाधुंध कटाई कर चांदी कूट रहे हैं। लकडी तस्कर सभी नियम का कानूनों के बिना किसी डर एवं भय के वन विभाग की जागरूकता एवं पुलिस गस्त को धत्ता बताते हुए धडल्ले से हरे पेडों की कटाई कर हरियाणा सीमा के आस-पास के क्षेत्र झुंपा, सिवानी, तोशाम, बहल सहित अन्य क्षेत्रों में ले जाकर मंहगे दामो में हरे पेडों की लकडियों की तस्करी कर मोटा मुनाफा कमा रहे है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार लकडी तस्कर वन विभाग के अधिकारियों एवं पुलिस प्रशासन को आर्थिक लाभ देकर बिना किसी डर व भय के हरे पेडो की कटाई कर पीकअप गाडियां, ट्रकों व ट्रालियों के माध्यम से हरियाणा सीमा में विक्रय कर रहे है। सूत्रों की माने तो लकडी तस्कर सांय तीन-चार बजे के बीच पीकअप में हरी लकडियों को लोड कर बिना तीरपाल लगाये ही सरेआम सादुलपुर चूरू एनएच बाईपास से होकर, कांधराण गाँव से होकर तथा पुलिस थाना राजगढ के पीछे की गलियों से होकर पिलानी फाटकर पार कर बहल की ओर तस्करी कर लकडियां ले जाते हैं।

सूत्र बताते है कि क्षेत्रिय वन विभाग राजगढ एवं पुलिस प्रशासन के द्वारा सिर्फ अपने आंकडों की पूर्ती करने हेतू केवल नाममात्र की ही कार्यवाही की जाती है, मगर हरे पेड़ों की तस्करी करने वालों के खिलाफ लम्बे समय कोई कार्यवाही नहीं की गई है जो कि वन विभाग एवं पुलिस प्रशासन तथा स्थानीय प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवालिया निशान पैदा करती है।

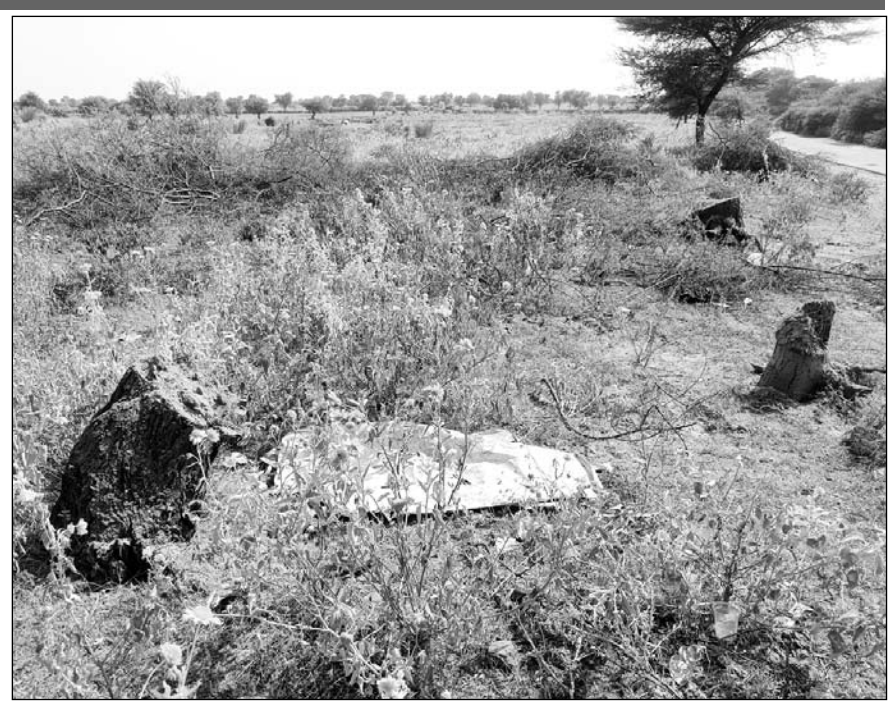

कस्बा राजगढ़ के श्याम विहार के पास स्थित जोहड़ी से मुख्य सड़क किनारे काटे गये हरे पेड़।

मंत्री पर भरतपुर को नरक बनाने का आरोप भाजपा नेता तिवारी ने लगाया

करोड़ों रूपए खर्च करने के बाद भी नहीं मिल रही राहत

भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष गिरधारी तिवारी ने वृंदा रेस्टोरेंट में पत्रकार वार्ता की।

भरतपुर, (निसं)। भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष गिरधारी तिवारी ने बुद्ध की हाट स्थित वृंदा रेस्टोरेंट में पत्रकार वार्ता कर शहर की विभिन्न समस्याओं को लेकर बड़ा बयान दिया है।

उन्होंने कहा कि शहर की टूटी सड़कों, सफाई व्यवस्था की बदहाल हालत को लेकर भाजपा जल्द आंदोलन का रूख करेगी। उन्होंने राज्यमंत्री डॉ. सुभाष गर्ग को खुली चुनौती दी है कि अगर मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग जनता के सच्चे जनसेवक हैं और भरतपुर शहर में टूटी सड़के, सफाई व्यवस्था में से किसी भी मुद्दे पर विकास कार्यों को लेकर लक्ष्मण मंदिर या किसी भी जगह पर किसी भी समय पर आकर उनसे खुली बहस कर सकते है। उन्होंने कहा कि मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग फर्जी पट्टा प्रकरण में चुप हैं, शहर की टूटी सड़कों पर चुप हैं, शहर की कानून व्यवस्था पर चुप हैं। नगर निगम क्षेत्र की सफाई व्यवस्था बदहाल हैं। इस पर भी मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग चुप है। उन्होंने कहा कि भरतपुर की जनता को चण्डीगढ जैसी सफाई व्यवस्था का सब्जबाग दिखाया था। उन्होंने कहा कि भरतपुर को नरक बनाने में राज्य मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग का बड़ा हाथ है। उन्होंने कहा कि करोड़ों रूपये खर्च होने के बावजूद शहर की जनता को राहत नही मिल पा रही है।

भरतपुर नगर निगम की सफाई व्यवस्था की पहली व्यवस्था को बदल कर मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग एवं महापौर अभिजीत कुमार ने नई कंपनी को तीन गुना कीमत पर कार्य देते समय कहा था कि चण्डीगढ और दिल्ली की तर्ज पर शहर में सफाई होगी। लेकिन इस व्यवस्था के दुष्परिणाम शहर की जनता को अब भुगतने पड रहे है।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

हिण्डौन सिटी, (निस) । तालचिड़ा बस स्टैंड किनारे खड़ी ट्रैक्टर ट्रॉली को पीछे से ट्रक ने टक्कर मार दी जिससे सड़क किनारे दुकान से सामान ले रहे युवक पर ट्रॉली जा गिरी जिससे रामपुरा निवासी 40 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के लिए अस्पताल ले जाते समय युवक की मौत हो गई। लोगों ने युवक के शव को गुढाचन्द्रजी अस्पताल ले गए जहाँ पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौप दिया। पुलिस चौकी प्रभारी बृजेंद्र सिंह ने बताया कि बुधवार को रामपुरा निवासी 40 वर्षीय जगदीश सिंह पुत्र भीमसिंह तालचिड़ा बस स्टैंड पर सड़क किनारे दुकान से सामान ले रहा था। सडक किनारे खडी ट्रैक्टर ट्रॉली को पीछे से ट्रक ने टक्कर मार दी जिससे सड़क किनारे दुकान से सामान ले रहे युवक पर ट्रॉली जा गिरी जिससे रामपुरा निवासी 40 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के लिए अस्पताल ले जाते समय युवक की मौत हो गई। लोगों ने युवक के शव को गुढ ाचन्द्रजी अस्पताल ले गए जहाँ पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौप दिया।

वि.हि.प. और बजरंग दल ने शस्त्र पूजन किया

ब्यावर, (निसं)। विजयादशमी के अवसर पर विश्व हिंदू परिषद की युवा ईकाई बजरंग दल द्वारा आशापुरा माता धाम परिसर में शस्त्र पूजन का आयोजन रखा गया। हिंदू समाज के प्रत्येक जन द्वारा इस शस्त्र पूजन में सहभागिता निभाई गई। पंडित दामोदर दास पंडित राकेश द्वारा विधि विधान से मां आशापुरा के पवित्र प्रांगण में शस्त्रों का पूजन किया गया।

कार्यक्रम में विभाग मंत्री सुरेश वैष्णव ने हिंदू धर्म में शस्त्रों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमारे आराध्य ने कभी भी बिना विवेक प्राचीन अस्त्र शस्त्रों का जन विध्वंस के उद्देश्य से प्रयोग नहीं किया और अपनी सामर्थ्य को निर्बल पर कभी भी उपयोग नहीं किया। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के प्रत्येक कार्यकर्ता तथा विवेकशील हिंदू समाज के लोगों द्वारा भी अस्त्र शस्त्रों का प्रयोग राष्ट्र पर आई विपत्तियों के समय ही विवेक के आधार पर ही किया जाता है। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल देश और धर्म पर आई विपत्तियों का सामना करने के लिए सदा समर्पित रहा है। किसी भी परिस्थिति का सामना करने के लिए हमारे कार्यकर्ता हमेशा तत्पर रहे और हिंदू समाज में एक सुरक्षा की भावना का विकास किया है। जिला अध्यक्ष नितेश गोयल एवं जिला मंत्री गणपत बालोटिया ने भी अपने उध्बोधन में आज के कार्यक्रम पर प्रकाश डाला। शस्त्र पूजन के कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के तथा अन्य कई गणमान्य जन उपस्थित थे। जिनमें लक्ष्मीनारामण परियोजना प्रमुख, राजीव मिश्रा जिला सह संयोजक बजरंग दल, नंदकिशोर कमायचा जिला सुरक्षा प्रमुख, नेहा नागोरा आदि अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आशापुरा माता धाम परिसर में शस्त्र पूजन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

मूर्ति विसर्जन के दौरान बालक की डूबने से मौत

धौलपुर, (निस)। बसेड़ी क्षेत्र के गांव अंगदपुरा के समीप बह रही पार्वती नदी में बुधवार को एक 20 वर्षीय बालक की डूबने से मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक 20 वर्षीय बालक शिवरथ पुत्र वीरेंद्र ठाकुर दोपहर 12 बजे के समय पार्वती नदी में देवी मां की प्रतिमा को विसर्जित करने के लिए ग्रामीणों के साथ गया हुआ था। इस दौरान बालक पानी के अंदर चला गया। जिसके बाद बालक पानी में डूब गया।

घटना की जानकारी लगते ही ग्रामीणों की भीड़ मौके पर एकत्रित हो गई। तथा इसकी सूचना प्रशासन को दी। सूचना पर प्रशासन व गोताखोर मौके पर पहुंचे और करीब 3 घण्टे की मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला जा सका। इसके बाद शव को सीएचसी बसेड़ी लाया गया, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया। जानकारी के मुताबिक बालक शिवरथ दो भाइयों में छोटा था तथा खेती का काम करता था। ग्रामीणों के मुताबिक शिवरथ पानी मे तैरना भी जानता था। लेकिन शिवरथ का पैर किसी चीज में फंसने के चलते वह पानी में डूब गया और उसकी मृत्यु हो गई।

झुंझुनूं शहर में फिर से डीजे बजाने पर विवाद!

झुंझुनूं, (निसं)। एक बार फिर झुंझुनूं शहर में डीजे बंद कराने को लेकर विवाद हो गया। जिसके बाद करीब आधे घंटे से ज्यादा समय तक शहर में दुर्गा विसर्जन यात्रा रूकी रही। बीच सडक पर बैठकर शहर के युवाओं ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की और जय श्री राम के नारे लगाए।

दरअसल बुधवार को शहर में अलग-अलग जगहों पर हो रही आधा दर्जन से अधिक दुर्गा पूजा महोत्सवों का समापन हुआ। जिस पर सभी दुर्गा प्रतिमाएं विसर्जन के लिए समस तालाब ले जाई जा रही थी। कपड़ा बाजार तक ये दुर्गा प्रतिमाएं लिए हुए विसर्जन यात्रा पहुंची तो इस यात्रा में शामिल डीजे वाले को किसी पुलिसकर्मी ने डीजे बजाने का लाइसेंस आदि पूछ लिया।

डर के मारे डीजे वाला मौके से भाग गया। जिसके बाद यात्रा में शामिल लोगों को पता चला कि पुलिसकर्मी द्वारा डराने पर डीजे वाला भाग गया। इस बात को लेकर सभी गुस्सा हो गये और विसर्जन यात्रा कपडा बाजार में ही रोककर इसमें शामिल लोग सडक पर धरने पर बैठ गए। विवाद और विरोध की सूचना पर शहर कोतवाल सुरेंद्र देगडा पहुंचे जिन्होंने समझाइश की और डीजे वाले को वापिस बुलाया। इसके बाद वापिस यात्रा शुरू हुई लेकिन एक बार यात्रा रूक जाने से तनाव जैसे हालात हो गए।

पुलिस द्वारा डीजे बजाने पर रोक लगाने के बाद दुर्गा विर्सजन यात्रा के श्रद्धालु रोड पर ही बैठ गए।

सूने मकान में चोरी

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के काछोला थाना क्षेत्र के उम्मेदपुरा गांव में चोरों ने सूने मकान को अपना निशाना बनाते हुए हजारों की नगदी और आभूषण चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। काछोला पुलिस के अनुसार, उम्मेदपुरा निवासी गंगाराम पुत्र गोरु बैरवा ने चोरी का मामला दर्ज करवाया है। गंगाराम का कहना है कि सुबह करीब 11 बजे वह और परिवारजन काम के सिलसिले में घर से बाहर गये थे, इस दौरान सूने मकान के ताले तोड़कर चोरों ने अंदर प्रवेश किया। परिवादी की बेटी नैराज के गहने, परिवादी के घर में पड़े थे। यह गहने कनगती सवा किलो, पायजेब जोडी 250 ग्राम, रामनामी व मांदलिया 2 तोला, सीमा पत्नी सुरेश बैरवा निवासी थलकला की रकम कनगती 750 ग्राम व परिवादी की पत्नी रामपाली की कनगती1 किलो व रामनामी, मांदलिया डेढ तोला व 9 हजार रुपये की नकदी व सामान चोर चुरा ले गये। पुलिस ने परिवादी की रिपोर्ट पर एफआईआर दर्ज की है।

पुलिस ने जेसीबी, नाव और 200 टन बजरी जब्त की

डूंगरपुर, (निसं)। बजरी खनन एवं परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत दोवडा पुलिस ने बीती देर शाम सोम कमला आंबा क्षेत्र के पेटे करेलिया में अवैध रूप से बजरी खनन में प्रयुक्त एक जेसीबी, नाव तथा अन्य संसाधन एवं 200॰ टन बजरी अधिग्रहित की है। जानकारी के अनुसार दोवडा थाना प्रभारी कमलेश चौधरी के नेतृत्व में पुलिस दल ने बीती देर शाम को सोम कमला आंबा बांध क्षेत्र के पेटे करेलिया में अवैध बजरी खनन के खिलाफ कार्यवाही की। जैसे ही पुलिस दल वहा पहुंच इस अवैध कार्य में लिप्त लोगों नदी में कूद कर भाग खडे हुए।

पुलिस दल ने मौके पर बजरी खनन प्रयुक्त जेसीबी मशीन, नाव एवं अन्य संसाधन सहित मौके पर खनन की गई करीब 200 टन बजरी अधिग्रहित की है। दोवडा पुलिस ने इसे लेकर अग्रिम कार्रवाई के लिए खनन विभाग को सूचना दी है तथा खनिज विभाग के अधिकारी एवं कार्मिक भी मौके पर पहुंचे है। पुलिस तथा खनिज विभाग कृत्य में लिप्त लोगों के खिलाफ जानकारी जुटा रही है। इधरए दोवडा पुलिस की इस कार्यवाही के बाद अवैध खनन के कार्य में लिप्त लोगों में हडकंप मच गया है।

दोवडा पुलिस ने सोम, कमला, आंबा क्षेत्र के पेटे करेलिया में सामान बरामद करने की कार्रवाई की।

भरतपुर में रावण के पुतले पर केरोसिन छिड़क दहन करना पड़ा

रावण के पुतले का सिर्फ निचला हिस्सा ही आतिशबाजी से जला

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के नुमाइश मैदान में नगर निगम की ओर से रावण के पुतले में आग लगाने के लिये नगर निगम एवं जिला प्रशासन को करीब एक घण्टे से अधिक समय तक जूझना पड़ा लेकिन रावण में आग नही लग पाई।

रावण में आग लगाने के सारे जतन विफल होने पर रावण को जमीन पर पटक कर उसे जलाने का प्रयास किया लेकिन फिर भी रावण के पुतले में आग नहीं लग पाई। जिस पर रावण के पुतले पर केरोसिन का तेल डालकर आग लगाई गई। इस पूरे घटनाक्रम के समय मंत्री से लेकर संतरी तक मौजूद रहे। रावण दहन कार्यक्रम में आयुर्वेद राज्य मंत्री मुख्य अतिथि रहे। मंत्री गर्ग ने रावण के पुतले का दहन किया लेकिन रावण का पूरा पुतला आतिशबाजी से नहीं जल पाया।

अब तक ऐसा होता आया है कि पुतले में एक बार आग पकड़ने के बाद आतिशबाजी से पूरा पुतला जल जाता है। लोगों को धमाकेदार आतिशबाजी देखने को मिलती है लेकिन इस बार हालत यह रही कि रावण के पुतले का सिर्फ निचला हिस्सा ही आतिशबाजी से जला। लेकिन ऊपर के हिस्से ने आग नहीं पकड़ी। जिस पर प्रशासन के द्वारा रावण के पुतले को नीचे गिराया और उस पर केरोसिन का तेल छिड़क कर आग लगाई गई। इसमें भी काफी मशक्कत करनी पडी।

इस पूरे घटनाक्रम को देख रहे लोगों ने अपनी निराशा व्यक्त की और कहा कि पुतला ठीक प्रकार नही बनाया गया। इस मौके पर नगर निगम के महापौर अभिजीत कुमार जाटव, नगर निगम आयुक्त कमलराम मीणा, संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा, जिला कलेक्टर आलोक रंजन, एसपी श्याम सिंह, सतीष सोगरवाल आदि मौजूद रहे।

रावण को आग लगाने के लिए प्रशासन ने एक घंटा मशक्कत की।

दशहरे पर हुआ कवि सम्मलेन

गुलाबपुरा, (निसं)। बुराई का प्रतीक, अहंकारी रावण, अधर्मी अपने भाई कुंभकरण व पुत्र मेघनाद सहित सैनिकों के साथ धूँ धूँ करके जलकर राख हो गया। गुलाबपुरा पालिका द्वारा दो दिवसीय भव्य दशहरे मेले का आयोजन विराट कवि सम्मेलन काव्य कलश के साथ हुआ। दशहरा मैदान में मंगलवार रात्रि को आयोजित कवि सम्मेलन में ख्याति प्राप्त युग कवि ड़ॉ. विश्वास कुमार व कवि संपत सरल, कुंवर जावेद, डॉ. सुमन दुबे, जानी बैरागी, पार्थ नवीन, कवि सम्मेलन के सूत्रधार रणजीत राणा सहित ने अपनी कविताओं की प्रस्तुतियां दी जिससे देर रात तक दर्शक जमा रहे।

बुधवार को रावण दहन के लिए मेले में श्री चारभुजा नाथ मंदिर से श्री राम की सवारी सेना सहित गाजेबाजे के साथ दशहरे मैदान में पहुंची जहां, पालिका चेयरमैन सुमित काल्या सहित पार्षदों ने स्वागत अभिनंदन किया गया। इस दौरान श्री राम ने अपने अग्नि बाण से 71 फिट के रावण व 51-51 फिट के कुंभकर्ण, मेघनाद के विशालकाय पुतलों का दहन किया तथा 15 रावण के सैनिकों के पुतले का भी दहन किया गया इस बार रावण सहित कुंभकरण, मेघनाद सहित पुतले भी तलवार चलाना व आंखों को टिमटमाना, सहित हरकत करतें हुए देखे गए एवं रावण दहन के साथ जयपुर पिंकी सिटी एन्टरप्राइजेज द्वारा आकाशमयी, सतरंगी शानदार आतिशबाजी का नजारा भी लोगों को देखने को मिला।

डूंगरपुर रेलवे स्टेशन पर मूर्तिकला और मृण शिल्प स्टॉल का शुभारंभ

स्थानीय हस्त कलाओं के सरंक्षण के लिए स्टेशन पर एक स्टेशन एक उत्पाद योजना में हुई शुरूआत

डूंगरपुर, (निसं)। केंद्र सरकार के आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत स्थानीय हस्त कलाओं के सरंक्षण और संवर्धन के लिए रेलवे स्टेशन पर एक स्टेशन एक उत्पाद योजना में डूंगरपुर रेलवे स्टेशन पर स्वीकृत सोमपुरा मूर्तिकला और मृण शिल्प स्टॉल का उद्घाटन बुधवार को जिला कलेक्टर डॉ इंद्रजीत यादव के मुख्य आतिथ्य एवं सभापति अमृत कलासुआ की अध्यक्षता में हुआ।

समारोह में जिला कलेक्टर डॉ यादव ने कहां कि डूंगरपुर की मूर्तिकला अपने आप में विशिष्ठ है। स्थानीय पारेवा पत्थर से बनी कलाकृतियां प्रदेश और देश में दुर्लभ हैं। उन्होंने कहा कि इस कला को अपेक्षित पहचान नहीं मिल पाई है। यह स्टॉल डूंगरपुर की इस अद्भुत कला को देश भर में पहचान दिलाने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि हस्त कलाओं के संवर्धन के लिए जिला प्रशासन हर संभव सहयोग के लिए प्रयासरत रहेगा।

विशिष्ट अतिथि लघु उद्योग भारती ग्रामशिल्पी प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य और जोन प्रभारी योगेंद्र शर्मा ने डूंगरपुर में लघु उद्योग एवं हस्त कलाओं के संरक्षण के लिए लघु उद्योग भारती के माध्यम से किये जा रहे प्रयासों से अवगत कराया। प्रारम्भ में अतिथियों ने मंत्रोच्चार के बीच फीता काट कर स्टॉल का उद्घाटन किया। सोमपुरा समाज के अध्यक्ष कन्हैयालाल सोमपुरा सहित वरिष्ठ जन एवम युवाओं ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन करते हुए लघु उद्योग भारती ग्रामशिल्पी प्रकोष्ठ चित्तौड प्रान्त प्रभारी पवन जैन ने सोमपुरा समाज को मूर्ति कार्य के लिए 10 बीघा भूमि आवंटन को लेकर पूर्व में हुए प्रयासों की जानकारी दी।

उन्होंने प्रशासन से ऊक्त लंबित कार्य को पूर्ण कराने का आग्रह किया ताकि समाज के शिल्पकारों को मंच मिल सके। शिल्पग्राम जरूर बनाएंगे। सभापति कलासुआ ने कहां कि डूंगरपुर की हस्तकलाओं को मंच देने के लिए नगरपरिषद की पहली बोर्ड बैठक में शिल्पग्राम बनाने की घोषणा की गई थी। इसके लिए बोर्ड प्रयासरत है सरकार स्तर तक प्रस्ताव भी भेजे हैं।

डूंगरपुर रेलवे स्टेशन पर दो स्टॉल आवंटित की गई है। एक स्टॉल का संचालन सोमपुरा समाज डूंगरपुर के माध्यम से किया जा रहा है, इसमें स्थानीय पारेवा पत्थर की कलाकृतियां बिक्री के लिए उपलब्ध रहेंगी। वहीं एक अन्य स्टॉल कल्याणी सेवा संस्थान के माध्यम से संचालित की जाएगी।

कार्यक्रम में लघु उद्योग भारती प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य हसमुख पंड्याए भाजपा जिला महामंत्री धनपाल जैनए ग्रामशिल्पी प्रकोष्ठ जिला प्रभारी हितेश सोमपुराएलघु उद्योग भारती सागवाडा इकाई अध्यक्ष कांतिलाल पाटीदार सहित बडी संख्या में सोमपुरा समाज के शिल्पकार मौजूद रहे।

डूंगरपुर रेलवे स्टेशन पर मूर्ति एवं मृण शिल्प स्टॉल का उद्घाटन करने के बाद कलक्टर ने मिटटी से बने बर्तनों को देखा।

विजयादशमी पर जयपुर में 28 स्थानों से निकले पथ संचलन, हुआ शस्त्र पूजन

जयपुर। विजयादशमी के अवसर पर बुधवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से जयपुर महानगर में 28 स्थानों पर 29 पथ संचलन निकले और शस्त्रपूजन के कार्यक्रम हुए। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने दंड, नियुद्ध, योग और सूर्यनमस्कार किए। शस्त्र पूजन के बाद घोष के साथ सैंकड़ों स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश में पथ संचलन निकाला। नगरवासियों ने स्थान-स्थान पर पुष्पवर्षा कर संचलन का स्वागत किया गया। न्यू सांगानेर रोड के वीटी चौराहे और रोड नंबर 5 सीकर रोड पर द्विधारा संगम हुआ। यहा दो दिशाओं से आरहे संचलन का संगम हुआ तो नयनाभिराम दृश्य देख लोग अभिभूत हो गए।

- डॉ हेडगेवार ने संघ की स्थापना समाज को शक्तिशाली बनाने के लिए की : स्वांत रंजन

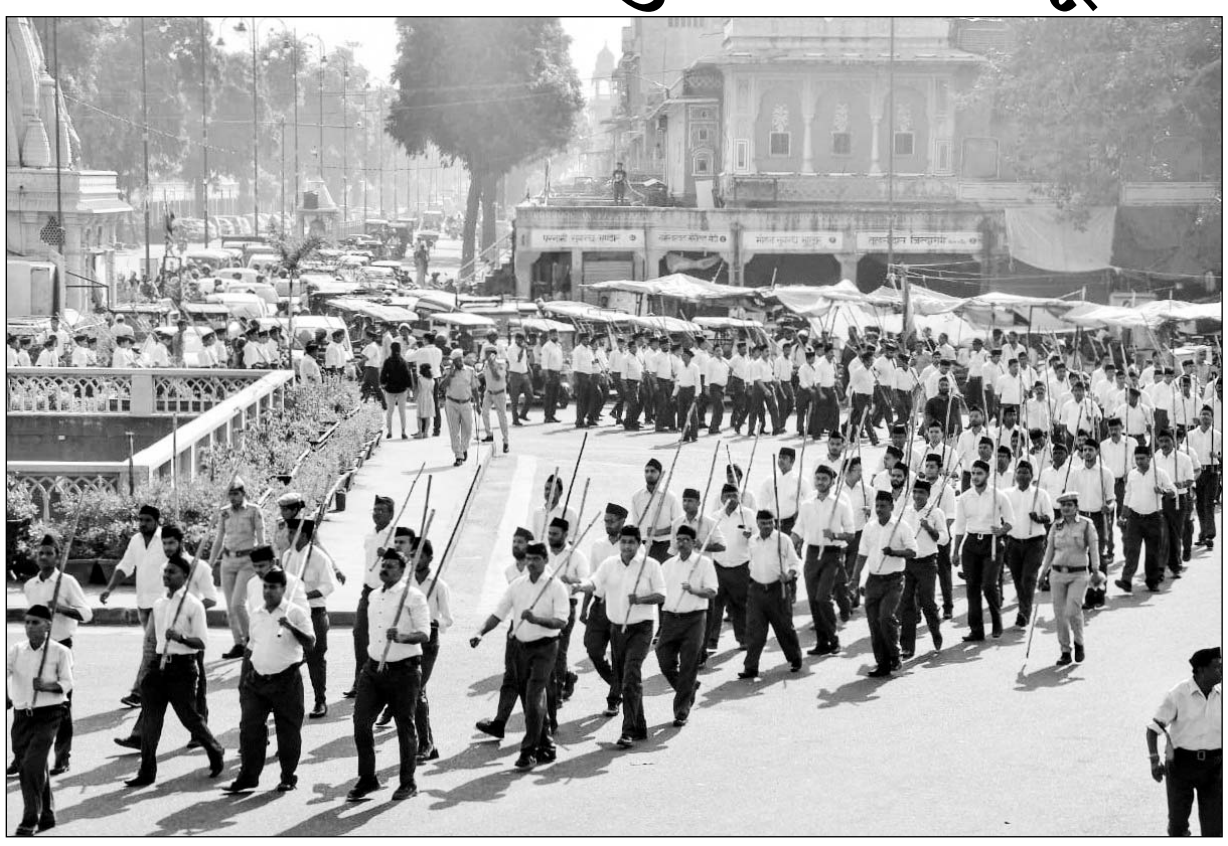

आरएएस ने विजया दशमी के अवसर पर जयपुर में शस्त्र पूजा के बाद पथ संचलन निकाला।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख स्वांत रंजन ने विजयनगर में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि विजयादशमी शक्ति की उपासना का दिन है। प्रतीक के रूप में शस्त्र पूजन करते हैं। तीन प्रकार की शक्ति होती है। संगठित शक्ति, धन की शक्ति, ज्ञान की शक्ति, जिसके पास ज्ञान है, वही शक्तिशाली है। विवेकशील व्यक्ति ही इन शक्तियों का सही उपयोग कर सकता है। डॉ हेडगेवार ने संघ की स्थापना समाज को शक्तिशाली बनाने के लिए की।

राजस्थान के क्षेत्र प्रचारक निम्बाराम ने तेजाजी नगर में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि संपूर्ण भारत से विश्व के अंदर धर्म की विजय और शक्ति का एक संदेश देने वाला आज का ये दिन हैं। परंपरा से अपने देश के अंदर विजयादशमी को हम सभी शस्त्र पूजन करते हैं। सौभाग्य से अपने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का काम विजय दशमी के दिन प्रारंभ हुआ। संघ आज सत्तानवे वर्ष का हो गया।

जयपुर के पॉन्ड्रिक नगर में आयोजित कार्यक्रम को क्षेत्र कार्यवाह जसवंतसिंह ने संबोधित किया। उन्होंने बताया कि संघ के स्वयंसेवक समाज के प्रत्येक क्षेत्र में देश के कोने कोने में विपत्ति में सभी लोगों की मदद करते हैं। इस कार्य को स्वयंसेवक बिना किसी दबाव के स्वयं प्रेरणा से करते हैं। देश में किसी भी प्रकार की विपत्ति चाहे बाढ ग्रस्त क्षेत्र, भूकंप प्रभावित क्षेत्र या विश्वव्यापी कोरोनावायरस की भयंकर प्रलयलीला हो सभी विपत्तियों में स्वयंसेवक सबसे आगे खड़ा रहा।

मानसरोवर में आयोजित कार्यक्रम को संघ के राजस्थान क्षेत्र प्रचार प्रमुख महेंद्र सिंहल ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यदि दुनिया में और समाज में शांति स्थापित करनी है तो उसके लिए सज्जन लोगों का शक्ति संपन्न होना अति आवश्यक है। सनातन हिंदू संस्कृति ही सर्वे भवन्तु सुखिन: की कामना मन में लेकर विश्व कल्याण की बात करती है। हम कितने भी संस्कार युक्त और गुणों से संपन्न हों लेकिन यदि शक्तिहीन हैं तो कोई भी हमारी बात नहीं सुनेगा। संघ समाज की इसी संगठित शक्ति को जागृत करने का कार्य अपनी स्थापना के समय से ही लगातार कर रहा है।

विद्याधर नगर में स्वयंसेवकों और प्रबुद्ध नागरिकों को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जयपुर प्रांत प्रचारक डॉ. शैलेन्द्र कुमार ने कहा कि समाज की सज्जन शक्ति की निष्क्रियता से अनाचार की प्रवृत्ति हावी हो रही है। अच्छे लोगों की संख्या अधिक होने के बावजूद समाज में दुर्जनों का मनोबल और बढ़ रहा है। इसलिए वर्तमान में निरंतर बढ रही राष्ट्र विरोधी और अवांछित गतिविधियों में लिप्त तत्वों पर अब समाज की प्रभावी सर्जिकल स्ट्राइक की जरूरत है।

प्रदेश में बुधवार को 36 नए करोना संक्रमित मिले

पिछले चौबीस घंटों में जयपुर में आठ नए मरीज मिले हैं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में बुधवार को करोना संक्रमण के 36 नए मामले सामने आए हैं। वहीं 54 मरीज ठीक भी हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस घटकर तीन सौ से भी कम रह गए हैं। राज्य में पिछले चौबीस घंटों में करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है।

प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या पचास से नीचे बनी हुई है। बुधवार को 13 जिलों में 36 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले मंगलवार को इनकी संख्या 13 रही थी। इधर राजधानी जयपुर में आज सबसे ज्यादा 8 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा जोधपुर व पाली में 5-5, कोटा व उदयपुर में 4-4, अलवर में 3 तथा भरतपुर, भीलवाड़ा, बीकानेर, चित्तौड़गढ़, दौसा, झालावाड़ और डूंगरपुर में एक-एक नया संक्रमित मिला है। इस बीच राज्य में 8 हजार 36 सैम्पल की जांच की गई है। राज्य में बुधवार को 54 संक्रमित ठीक हुए हैं। लगातार रिकवरी बढ़ने से एक्टिव केस घटकर 298 रह गए हैं। जयपुर में आज 9 और मरीजों के रिकवर होने से 65 एक्टिव केस रह गए हैं। प्रदेश में बुधवार को करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि अब तक इस बीमारी से 9642 लोगों की जान जा चुकी है।

उधर, राजधानी जयपुर में बुधवार को 9 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें आमेर, बनीपार्क, दुर्गापुरा, गोपालपुरा, जौहरी बाजार, कोटपूतली, मालवीय नगर और मानसरोवर में 1-1 नया मरीज मिला है।

सराफ ने पथ संचलन पर पुष्प वर्षा की

जयपुर। सत्य एवं न्याय की विजय के प्रतीक विजयदशमी उत्सव के गौरवशाली अवसर पर आयोजित शस्त्र पूजन एवं पथ संचलन कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ महेश नगर एवं गोपाल नगर के स्वयं सेवकों के पथ संचलन का संगम त्रिवेणी नगर चौराहा पर हुआ। मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुष्प वर्षा की, वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारे लगाये गये। इस अवसर पर उप महापौर पुनीत कर्नावट, ब्रह्म कुमार सैनी,मंडल अध्यक्ष जितेंद्र अजमेरा, पार्षद रमेश सैनी, हिमांशु जैन, महेश सैनी, महेश सैनी बच्चू, भौमाराम टाटीवाल, मिथिलेश विजय उपस्थित रहे।

201 आरएएस अफसरों के तबादले

जयपुर (कासं.)। राजस्थान सरकार ने आज एक आदेश जारी कर राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) के 201 अफसरों के तबादले किये है।

तबादलों ने मुख्य रूप से राजेन्द्र कुमार वर्मा को अतिरिक्त आयुक्त, नगर निगम, जयपुर हैरिटेज, जयपुर, सुखवीर सैनी को अतिरिक्त महानिरीक्षक (प्रशासन), पंजीयन एवं मुद्रांक, जयपुर, विवेक कुमार को संयुक्त शासन सचिव, कार्मिक (ख) विभाग, जयपुर, गौरव चतुर्वेदी को अतिरिक्त निदेशक, आईईसी-कम-परियोजना निदेशक, एनएचएम राजस्थान, जयपुर, राजेन्द्र सिंह कविया को संयुक्त शासन सचिव, कार्मिक (क-3) विभाग, जयपुर, सुनील भाटी को कार्यकारी निदेशक राजस्थान स्टेट वेबरेजेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड, जयपुर, पंकज कुमार ओझा को रजिस्ट्रार राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण, जयपुर, डॉ. वीरेन्द्र सिंह को क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी जयपुर-प्रथम, प्रियंका जोधावत को अतिरिक्त महानिदेशक, जवाहर कला केन्द्र जयपुर, आभा बेनीवाल को विशेषाधिकारी (भूमि अवाप्ति) रीको, जयपुर, मेघराज सिंह मीणा को उपायुक्त जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर, महेन्द्र कुमार मीणा को जिला रसद अधिकारी (प्रथम), जयपुर, अनुराधा गोगिया को जिला रसद अधिकारी (द्वितीय), जयपुर, हाकम खाँ को उफ निदेशक शांति एवं अहिंसा विभाग, जयपुर, सोमदत्त दीक्षित को उफ मुख्य निर्वाचन अधिकारी, निर्वाचन विभाग, जयपुर, सत्य प्रकाश कस्वां को प्राधिकृत अधिकारी, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर, रवि वर्मा को भूमि अवाप्ति अधिकारी रीको, जयपुर, शीलावती मीणा को परियोजना निदेशक एवं राज्य नोजल अधिकारी पीसीपीएनडीटी ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (पीबीआई) निदेशालय चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सेवाएं राजस्थान, जयपुर, सुनील शर्मा-1 को सहायक कलस्टर (मुख्यालय) आमेर जयपुर, ओम प्रकाश थानवी को भूमि अवाप्ति अधिकारी, रीको, जयपुर, राकेश कुमार-II को उप निदेशक, इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान, जयपुर के पद पर लगाया है।

'पायलट के मेरे घर पर आने से सारा माहौल शांत हुआ है'

जयपुर, (का.प्र.)। कभी सचिन पायलट के खास सिपहसालार रहे और अब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नजदीक बने हुए राजस्थान के मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा है कि इस वक्त राजस्थान हॉट है। परसों रात को सचिन पायलट मेरे घर आए, उन्होंने काफी पी, गप्पे ठोके। वो सिविल लाइंस में मेरे घर के बराबर पास ही में रहते हैं। पहले हम दोनों ने बीजेपी के खिलाफ बहुत आंदोलन भी लड़े हैं। वो मेरे घर आ गए, डेढ घंटे बात कर गए, तो पूरे देश में खबर हो गई कि प्रताप सिंह खाचरियावास के घर पर सचिन पायलट क्यों आ गए? क्या कारण था? क्या बातें हुईं? अब मैं क्या बताऊं, सब बातें बताने की होती हैं क्या? मैं भी समझने लगा हूँ। कुछ बातें अंदर भी रहनी चाहिए। वो ठीक रहता है।

2020 में कांग्रेस की बगावत के समय सचिन पायलट के खिलाफ लगातार बयानबाजी करने वाले प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि पायलट के मेरे घर पर आने से सारा माहौल शांत हुआ है।राजस्थान का माहौल अच्छा हुआ है। तो खुश होना चाहिए कि माहौल ठीक हुआ है। पायलट ने तो हमारी मुलाकात को लेकर एक शब्द भी नहीं बोला। दरअसल यह बात कहकर खाचरियावास ने जताने का प्रयास किया है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट दोनों के लिए वह सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं।

- अशोक गहलोत और सचिन पायलट में व्यक्तिगत रंजिश तो है नहीं, ये तो पॉलिटिक्स है : खाचरियावास

खाचरियावास ने दोहराया कि मैंने ये कहा कि वो मेरे यहां आए, भजन-कीर्तन तो करेंगे नहीं, बात ही करेंगे। सब बात भी हुई है। उसके बाद मैं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से भी मिला। क्योंकि मैं उनके साथ मंत्री हूँ। हम एक परिवार में बैठे हैं। अशोक गहलोत और सचिन पायलट में व्यक्तिगत रंजिश नहीं है। ये पॉलिटिक्स है। माहौल बना दिया गया है कि दोनों में व्यक्तिगत रंजिश है, ऐसा नहीं है। दोनों एक ही पार्टी में काम करते हैं। गहलोत बहुत सीनियर हैं, पायलट यंग लीडर हैं।

जयपुर में अपने सरकारी निवास पर खाचरियावास ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है एक स्टेट में एक नहीं 10 नेता होने चाहिए,क्योंकि राहुल गांधी चाहते हैं पूरे देश के हर स्टेट में कांग्रेस के पास 10-10, 20-20 नेता हों। सब फेस मिलकर जबरदस्त वोट लेकर आए और कांग्रेस जीते। नेताओं की फौज जितनी ज्यादा होगी उतना फायदा होगा।

92 विधायकों के इस्तीफे को लेकर खाचरियावास ने कहा कि सारा मामला होने के बाद मुख्यमंत्री गहलोत दिल्ली गए और बाहर आकर बहुत बड़प्पन के साथ माफी मांगी। गहलोत कांग्रेस विधायक दल के लीडर हैं, उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए था। 2023 में कैसे कांग्रेस सरकार बनाएगी, इसके लिए पूरे परिवार को एक होकर, बैठकर और फैसला करके तय करने की जरूरत है।

संविदा कर्मियों की नियुक्ति निरस्त करने का आदेश रद्द

जयपुर। हाईकोर्ट ने संविदा कर्मियों को नियुक्ति देने के सात दिन बाद ही उन्हें बिना सुनवाई का मौका दिए नियुक्ति निरस्त बर्खास्त करने के आदेश को रद्द कर दिया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने यह आदेश मंजू जायसवाल व अन्य की याचिका पर दिए। अदालत ने कहा कि बर्खास्त करने से पहले याचिकाकर्ताओं का पक्ष नहीं सुना गया, जो कि प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के विपरीत है। ऐसे में 27 मई 2021 को जारी बर्खास्तगी आदेश रद्द किए जाते हैं, लेकिन यदि राज्य सरकार चाहे तो याचिकाकर्ताओं का पक्ष सुनकर नए सिरे से आदेश पारित कर सकती है।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने एएनएम, फार्मासिस्ट और जीएनएम सहित अन्य पदों पर संविदा से भर्ती करने के लिए 3 मई 2021 को भर्ती निकाली। जिसमें याचिकाकर्ताओं ने भाग लिया और विभाग की ओर से नियुक्ति मिलने पर उन्होंने बीस मई को संबंधित पदों का कार्यभार संभाल लिया। पद ग्रहण करने के सात दिन बाद ही विभाग ने 27 मई को आदेश जारी कर बिना कारण बताए याचिकाकर्ताओं को बर्खास्त कर दिया।

व्याख्याता के तबादले पर रेट ने लगाई रोक

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने स्कूल व्याख्याता और एनसीसी के एसोसिएट अफसर का तबादला करने और कार्य मुक्त करने के आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अधिकरण ने प्रमुख शिक्षा सचिव और शिक्षा निदेशक सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। अधिकरण ने सदस्य एनएम काला और शुचि शर्मा ने यह आदेश भौतिक विज्ञान के व्याख्याता बेनी प्रसाद सोनी की अपील पर दिए।

- सरकारी खर्च पर एएनओ की ट्रेनिंग के बाद बिना एनसीसी वाली स्कूल में तबादला करने पर अधिकारियों को नोटिस देकर जवाब तलब किया है

अपील में अधिवक्ता लक्ष्मीकांत शर्मा ने अधिकरणको बताया कि अपीलार्थी टोंक के एक स्कूल में व्याख्याता लगा हुआ है। राज्य सरकार ने एसोसिएशट ऑफिसर के पद पर कमीशन के लिए लाखों रुपए खर्च कर अपीलार्थी की विशेष ट्रेनिंग कराई। ट्रेनिंग का उद्देश्य था कि याचिकाकर्ता स्कूल व्याख्याता के साथ-साथ स्कूल में एनसीसी लेने वाले विद्यार्थियों को भी प्रशिक्षित कर सके। इसके बावजूद ट्रेनिंग के बाद में शिक्षा निदेशक ने उसका तबादला भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर ब्लॉक में ऐसे स्कूल में कर दिया जहां एनसीसी ही नहीं है। जबकि राज्य सरकार के नियमों के तहत एनसीसी अफसर का तबादला सामान्य स्कूल में नहीं किया जा सकता। अपीलार्थी की ओर से संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में लिखित परिवेदना भी पेश की गई, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। अपील में कहा गया कि जहाजपुर की स्कूल में एनसीसी की सुविधा नहीं होने से याचिकाकर्ता की ट्रेनिंग पर राज्य सरकार की ओर से किया गया लाखों रुपए का खर्च व्यर्थ हो गया और उसकी ट्रेनिंग का लाभ किसी विद्यार्थी को भी नहीं मिल रहा। ऐसे में उसके तबादला आदेश और कार्य मुक्त करने के आदेशों को रद्द किया जाए।

लोगों की समस्याओं के शीघ्र निपटारे के निर्देश

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार का मुख्य ध्येय अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति तक संवेदनशील, पारदर्शी और जवाबदेह सुशासन पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि जनसाधारण की समस्याओं के समाधान के लिए ग्राम पंचायत स्तर तक जनसुनवाई की व्यवस्था को सुदृढ़ बनाया गया है। आमजन की समस्याओं को प्रभावी रूप से निचले स्तर पर ही त्वरित निस्तारित किया जा रहा है, इस कारण मुख्यमंत्री स्तर तक आने वाली आमजन की समस्याओं में 50 प्रतिशत तक की कमी दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री ने स्थानीय निकायों एवं स्वायत्त शासन में भी लोगों की समस्याओं के निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए।

गहलोत बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जन अभाव अभियोग निराकरण की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सुशासन की संकल्पना को तभी साकार माना जा सकता है जब आमजन के जरूरी काम समय पर होने के साथ ही उनकी समस्याओं का त्वरित एवं उचित निस्तारण भी हो सके। मुख्यमंत्री ने सम्पर्क पोर्टल, हैल्पलाइन 181, जनसुनवाई तथा अन्य माध्यमों से प्राप्त प्रकरणों के निराकरण की गहन समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अधिकारी पूरी संवेदनशीलता और मजबूत इच्छाशक्ति के साथ समस्याओं के निराकरण कार्य को करें।

बैठक में बताया गया कि हैल्पलाइन 181 पर 1 जनवरी 2019 से अब तक लगभग 73 लाख प्रकरण पंजीकृत किए गए हैं। इनमें से लगभग 71.60 लाख (98 प्रतिशत से अधिक) प्रकरणों को निस्तारित किया जा चुका है। गहलोत ने हैल्पलाइन 181 के अधिक प्रचार-प्रसार के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं उचित निराकरण के चलते प्रदेशवासियों में सरकार के प्रति संतुष्टि का भाव बढ़ा है। उन्होंने कहा कि समस्याओं के निस्तारण की प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। गहलोत ने अपराधों एवं कानून-व्यवस्था से संबंधित शिकायतों के प्रभावी एवं त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए ताकि फरियादी को समयबद्ध रूप से न्याय मिलना सुनिश्चित हो सके।

'हर खेत को सिंचित रखने की सोच को आगे बढ़ा रही मोदी सरकार'

जयपुर। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत में मोदी सरकार प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत हर खेत को सिंचित रखने की सक्रियता से "पर ड्रॉप मोर क्रॉप" की सोच को आगे बढ़ा रही है।

बुधवार को शेखावत ने एडिलेड (ऑस्ट्रेलिया) में अयोजित 24वीं आईसीआईडी महासभा को संबोधित किया। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि हमारे दूरदृष्टा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जल से सभी विषयों को एक ही छत के नीचे सुनियोजित करने देश को वर्ष 2019 में जलशक्ति मंत्रालय दिया। उनकी संकल्पना से आज जल के माध्यम से जनसेवा अधिक श्रेयस्कर और सरल हुई है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत हर खेत को सिंचित रखने की सक्रियता से "पर ड्रॉप मोर क्रॉप" की सोच को आगे बढ़ा रही है।

विजयादशमी पर स्पीकर बिरला ने इंडोनेशिया के मंदिर में की आराधना

जयपुर, (का.सं.)। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला, जो वर्तमान में 20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इंडोनेशिया में है, ने बाली में गरुड़ विष्णु केंकाना कल्चरल पार्क का दौरा किया। गरुड़ विष्णु केनकाना कल्चरल पार्क में स्थित विशाल गरुड़ विष्णु केनकाना प्रतिमा वास्तुशिल्प और इंजीनियरिंग का शानदार उदाहरण है। यह प्रतिमा भारतीय पौराणिक कथाओं पर आधारित है। इस अवसर पर बिरला को प्रतिमा की अवधारणा और संकल्पना के बारे में जानकारी दी गई। बिरला को यह जानकर खुशी हुई कि भारत की सांस्कृतिक उत्कृष्टता की झलक बाली में इतनी खूबसूरती से दर्शाई गयी है।

- पी-20 सम्मेलन में 20 देशों की संसदों के अध्यक्षों को करेंगे संबोधित

उसके बाद प्रतिनिधिमंडल बाली के विश्व प्रसिद्ध उलुवातु मंदिर पहुंचा। यह मंदिर बाली के नौ प्रमुख डायरेक्शनल मंदिरों में से एक है। अद्भुत वास्तुकला से सुसज्जित, यह मंदिर एक अद्वितीय स्थान पर स्थित है जहां ऊपर घने बादल हैं और नीचे चट्टानों पर लहरें आकर टकराती हैं।

बाद में, बिरला ने उलुवातु केकक डांस ओपन थिएटर, बाली में केकक नृत्य प्रदर्शन देखा। चूंकि यह नृत्य रामायण से प्रेरित है, इसलिए इससे विशेष रूप से भारतीय मूल के लोगों में गर्व की भावना उत्पन्न होती है कि भारत की समृद्ध संस्कृति इतने दूर-दराज के क्षेत्रों तक भी फ़ैली हुई है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को बाली, इंडोनेशिया के उलुवातु मंदिर में पूजा अर्चना की।

20 शिखर सम्मेलन का उद्घाटन 6 अक्तूबर को होगा। इसका समग्र विषय "सतत सुधार के लिए सशक्त संसद" है। प्रतिनिधि समग्र विषय के व्यापक दायरे के भीतर चार उप-विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे। शिखर सम्मेलन के अंत में एक संयुक्त वक्तव्य स्वीकार किया जाएगा।

लोक सभा अध्यक्ष 6 अक्तूबर को "प्रभावी संसद, जीवंत लोकतंत्र" विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में विशिष्ट सभा को संबोधित करेंगे। वह कल "उभरते मुद्दे: खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, और आर्थिक चुनौतियां" विषय पर होने वाली चर्चा में भी भाग लेंगे।

राज्यसभा के उपसभापति कल "सामाजिक समावेशन, लैंगिक समानता और महिला अधिकारिता" विषय पर चर्चा में भाग लेंगे।

7 अक्तूबर को लोकसभा अध्यक्ष अपने विशेष संबोधन में जी -20 देशों के अध्यक्षों को भारत की संसद की अध्यक्षता में 2023 में भारत में होने वाले 9वें पी 20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित करेंगे।

इस शिखर सम्मेलन में भाग लेने के साथ ही बिरला अन्य संसदों के अध्यक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। इस दौरान लोक सभा अध्यक्ष के विशेष कार्याधिकारी राजीव दत्ता भी साथ रहेंगे।

नागपुर में "तीर" संगठन की स्टाल का उद्घाटन

जयपुर, (का.सं.)। ट्राईबल एम्पलाइज एंम्पावरिंग एसोसिएशन ऑफ इंश्योरेंस सेक्टर (तीर) संगठन के महासचिव अशोक मीणा ने बताया कि विजयादशमी के दिन ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, नागपुर के मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक ने "तीर" संगठन की पांडाल में लगी स्टॉल का उद्घाटन कर बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर तथा बुद्ध भगवान की प्रतिमा पर पुष्प अर्जित किए। इस अवसर पर भारतीय विमा कर्मचारी सेना, नागपुर के वरिष्ठ साथी अजीत रानाडे भी उपस्थित रहे।

ट्राईबल एम्पलाइज एंम्पावरिंग एसोसिएशन ऑफ इंश्योरेंस सेक्टर (तीर) संगठन के 15 सदस्य प्रतिनिधि मंडल ने इसमें भाग लिया तथा दीक्षाभूमि के पांडाल में मुख्य रूप से जरूरतमंद लोगों को 100000 तक की व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा पॉलिसी का निशुल्क वितरण किया तथा विशेष तौर से गरीब स्कूली बच्चों को स्टेशनरी का सामान भी वितरित किया गया।

धम्मचक्र प्रवर्तन दिन भारतीय बौद्धों का एक प्रमुख उत्सव है। दुनिया भर से लाखों बौद्ध अनुयाई एकट्ठा होकर हर साल अशोक विजयादशमी एवं 14 अक्टूबर को मुख्य रुप से दीक्षाभूमि, नागपुर महाराष्ट्र में मनाते हैं। डॉ. आंबेडकर ने जहां बौद्ध धम्म की दीक्षा ली वह भूमि आज दीक्षाभूमि के नाम से जानी जाती है। इस अवसर पर देशभर के सरकारी विभागों तथा सार्वजनिक उपक्रमों के अनुसूचित जाति/जनजाति के लाखों कार्मिक इसका हिस्सा बन, वहां आने वाले सभी अनुयायियों की यथासंभव सेवा करते हैं।

नाम परिवर्तन

मैं नारायण राम जाट पुत्र श्री घासीराम जाट, निवासी ग्राम-मांगलोदी, पो. पदमपुरा तहसील नॉवा नागौर (राज.) मेरे आर्मी रिकार्ड न. JC697334N में मेरी पत्नी का नाम भूलवश संतोष दर्ज हो गया है जो गलत है। आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों में संतोष देवी है जो सही है।

I Airforce no 772514 T Rank Ex SERGEANT Jitendra Singh S/O Deva Lal Gurjar R/O 469 Shanti Nagar Gopalpura by pass Durgapura Jaipur Teh. Sanganer Dist jaipur rajasthan That Have changed my Daughter name From SAKSHI (DOB 10 jan2001)TO SAKSHI SINGH (DOB 10 JAN 2000) vide affidavit dated 1 Oct.2022 before district court Jaipur

I army no 15684626k Ex Hav Bajrang Lal sondlya S/o Mali Ram R/o village post badhal teh Renwal district Jaipur Rajasthan that have changed my daughter name from SNEHA to SNEHA CHOUDHARY (DOB 23/2/2008) vide affidavit dated 27sept 2022 before district notary Jaipur

आम सूचना

हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाव्या श्रीमती उषा माथुर पुत्री स्वर्गीय श्री मदनमोहन माथुर का प्लॉट नम्बर 7, विवेकानन्द मार्ग, सी-स्कीम जिला जयपुर में स्थित सम्पत्ति में 20% अविभाजित हिस्सेदारी है एवं उक्त सम्पत्ति की श्रीमती नीरू माथुर पत्नी स्वर्गीय श्री अरूण माथुर एक मात्र स्वामी नहीं है। अत: आमजन को सूचित किया जाता है कि उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित किसी प्रकार का संव्यवहार श्रीमती नीरू माथुर पत्नी स्वर्गीय श्री अरूण माथुर से किया तो ऐसा संव्यवहार सदैव शून्य व गैरकानूनी होगा।(सूचित रहे)

अधिवक्ता सिद्धार्थ रांका, मो. 9829293149

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भागीदारी फर्म M/s S.KASLIWALS & ASSOCIATES पता-कासलीवाल चेम्बर्स, वृंदावन अपार्टमेंट्स-बेसमेंट, डी-2, मीरा मार्ग, बनीपार्क, जयपुर-302016 पंजीयन संख्या- 13/332/2011 के भागीदारों द्वारा दिनांक 01.10.2021 से फर्म का विघटन किया जा चुका है। कृपया सूचित रहें।
M/s S.KASLIWALS & ASSOCIATES

कार्यालय तहसीलदार (भू.अ.) टहला, जिला-अलवर

वास्ते इश्तिहार उज्र/आपत्ति बाबत् नामांतरण

यह कि वाके ग्राम टहला में तहसील टहला में खातेदारी की कृषि भूमि खसरा सं. 250/2237 रकबा 0.13 है., 267/2061 रकबा 0.12 है., खसरा सं. 267 रकबा 0.05 है. एवं अन्य भूमि वाके ग्राम टहला यथोचित भूमि की खातेदारी उमा रामचन्द्र पत्नी श्री जी रामचन्द्र जाति मीना ए.डी. 1वी देवी मार्ग बनीपार्क जयपुर के नाम दर्ज है। यह कि उमा रामचन्द्र पत्नी श्री रामचन्द्र जाति मीना की मृत्यु दिनांक 07.09.2020 को होने के पश्चात् उक्त खातेदार इनके पुत्र श्री पुष्प मित्र सिंह देव के नाम वसीयतनामा निष्पादित किया जाना प्रस्तुत करने उक्त वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण पुष्प मित्र सिंह देव हेतु आवेदन प्रस्तुत किया।
इस संदर्भ में पुष्प मित्र सिंह देव द्वारा समस्त परिचित एवं माताजी के समस्त वारिसान को सूचित कर दिया गया है तथापि किसी भी व्यक्ति को इस बारे में वाजिब आपत्ति हो तो इस संदर्भ में श्रीमान तहसीलदार कार्यालय तहसील टहला में कार्यालय समय में व्यक्तिशः/डाक से 15 दिवस में आपत्ति प्रेषित कर सकता है। उक्त अवधि पश्चात् इस संदर्भ में कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर समस्त वारिसान एवं हितकर व्यक्तियों द्वारा उक्त वसीयत स्वीकार एवं पूर्णतः सहमति मानी जाएगी एवं राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम की धारा 185(2) अधीन निर्णित किया जाना अपेक्षित है।
तहसीलदार
ग्राम-टहला, जिला-अलवर (राज.)

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

भामाशाहों का सम्मान

नारायणपुर, (निसं)। कस्बे में आदर्श रामलीला मंडल के तत्वाधान में चल रही रामलीला का समापन शनिवार को कृषि उपज मंडी में भामाशाह व जनप्रतिनिधियों को सम्मानित करके किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद पूर्व मंत्री डॉ.रोहिताश्व शर्मा व अध्यक्षता कर रहे पूर्व सरपंच श्याम सिंह तंवर का आयोजकों ने साफा व माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। इस अवसर आदर्श रामलीला मंडल की ओर से रामलीला मंचन में सहयोग करने वाले भामाशाह व जनप्रतिनिधि हीरालाल धाबाई, युवा नेता अभिषेक मिश्रा, बिल्लू पारीक, कैलाश छीपी, महेश यादव, राजू सैनी, मोहन लाल आत्रै, लाल चन्द प्रजापत, गिर्राज सैनी, रामकंवार प्रजापत, श्याम सिंह आत्रै, पूर्व सरपंच शिम्भुदयाल सैनी आदि का माल्यार्पण व स्मृति चिन्ह भेंट कर भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर पूर्व मंत्री डॉ.शर्मा ने मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जातिवाद से ऊपर उठकर योग्य व्यक्ति को चुने जो आपके क्षेत्र का विकास कर सके। मंच संचालन महेंद्र शर्मा ने किया। सम्मान समारोह से पूर्व आदर्श रामलीला मंडल के तत्वाधान में पुरुषोत्तमदास आश्रम से कस्बे के प्रमुख मार्गो से राम, लक्ष्मण, हनुमान की मन मोहक आकर्षक झांकी निकाली गई। इस दौरान कृषि उपज मंडी में दशहरा के उपलक्ष्य में 35 फुट ऊँचे रावण का दहन किया गया।

स्वयंसेवकों ने पथ संचलन निकाला

टोंक, (निसं)। शौर्य एवं धर्म विजय का प्रतीक, भारतीय सनातन संस्कृति के महान पर्व एवं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का स्थापना दिवस विजयादशमी उत्सव बुधवार को मनाया गया।

इस मौके पर शहर में शौर्य, साहस, शक्ति एवं समभाव प्रदर्शित करती पंक्तिबद्ध स्वयंसेवकों का पथ संचलन निकाला गया। वही नगरवासियों द्वारा चौराहों पर रंगोलियां व पुष्प वर्षा कर जगह जगह स्वागत किया गया। इस दौरान प्रमुख रुप से सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया, पूर्व विधायक अजीत सिंह मेहता, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेन्द्र पराणा, भाजयुमो के प्रदेश महामंत्री जिलाध्यक्ष चन्द्रवीर सिंह चौहान भी साथ चल रहे थे। **कोटपूतली।** कस्बे के देहली दरवाजा स्थित बसंत प्रभु आदर्श विद्या मंदिर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना दिवस एवं विजयादशमी पर्व पर पथ संचलन एवं शस्त्र पूजन किया गया।

ट्रैक्टर चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा, पांच गिरफ्तार

अलवर, (निसं)। पिछले करीब 9 महीने में आपने कोई बहुत अच्छी कंडीशन का ट्रैक्टर सस्ते ज्यादा सस्ते दामों में लिया है तो गौर कर लिजिए चोरी का हो सकता है। अलवर पुलिस ने बुधवार को एक बडे ट्रैक्टर चोर गिरोह का खुलासा किया है। जिसने पिछले 9 महीने में 12 ट्रैक्टर चोरी किए हैं। मतलब हर महीने 1 से ज्यादा ट्रैक्टर चोरी करते आ रहे थे। इन चोरी के ट्रैक्टर को सस्ते दामों में बेच देते थे। फिर ट्रैक्टर के चेचिस नंबर बदलकर फर्जी कागजातों से आगे बेच देते थे। जनवरी से सितंबर तक 12 ट्रैक्टर आसपास के चार थाना क्षेत्रों से चोरी हुए हैं। जिनके चोर गिरोह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उनसे एक ट्रैक्टर व दो बाइक भी बरामद की हैं।

एसपी तेजस्वनी गौतम ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि ट्रैक्टर चोरी की बढती घटनाओं पर एक स्पेशल टीम बनाई गई थी। इस टीम ने ट्रैक्टर चोर गिरोह को पकडा है। जिसमें पांच में से चार ट्रैक्टर चोरी करने वाले हैं। पांचवां चोरी के ट्रैक्टर के चेचिस नंबर बदलकर आगे बेचता था। फिर रकम को आपस में बांट लेते थे। ये बाइक से रैकी करते थे। सुनसान जगहों से रात को ट्रैक्टर चोरी कर ले जाते। दो-तीन सदस्य बाइकों पर आगे-पीछे चलते थे। ताकि पुलिस की नाकाबंदी या जांच का पता रहे। इस वारदात का खुलासा करने में डीएसटी व साइक्लोन टीम की अहम भूमिका रही है। एसपी ने बताया कि डीएसटी के जहीर अब्बास के नेतृत्व में टीम गठित की थी। साइक्लोन के संजय की भी अहम भूमिका रही है। बाकी अन्य अधिकारी व पुलिसकर्मियों ने पूरी मेहनत की है। सबको विशेष ईनाम दिलाने के प्रयास रहेंगे।

अलवर पुलिस ने ट्रैक्टर चोर गिरोह का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया।

- 5 लाख के ट्रैक्टर को 90 हजार में बेचते थे, चेचिस नंबर बदलकर फर्जी कागजों से सौदा

ट्रैक्टर खरीदने वाला बदमाश भरतपुर के कैथवाडा गांव के रहने वाले हैं। बाकी मुख्य चारों चोर मालाखेडा के महाराजपुरा गांव के हैं। जिनमें राहुल उर्फ लाहू पुत्र इसब खां, सुनील कुमार पुत्र गंगाराम, जितूराम उर्फ जीतू पुत्र पप्पू, वारिस खां पुत्र मोमदीन शामिल हैं। चोरी के ट्रैक्टर खरीदने वाला साहबदीन पुत्र चांद सिंह निवासी कैथवाडा भरतपुर का है।

ये बदमाश करीब 4 से 5 लाख के ट्रैक्टर को 80 से 90 हजार रुपए में बेच देते थे। कई बार ट्रैक्टर के पार्ट्स निकाल कर बेचते थे। बाकी कबाडी को थमा देते थे। अभी इनसे पूछताछ कर रहे हैं। इनके अलावा भी वारदात का खुलासा हो सकता है। ट्रैक्टर चोरी के मामले थाना अरावली विहार, मालाखेडा, राजगढ, सदर, एमआईए में दर्ज हैं।

सीएचसी के वार्डों में हो रहे निर्माण में घटिया सामग्री लगाने का आरोप

थानागाजी, (निसं)। थानागाजी सामुदायिक चिकित्सा केंद्र में हो रहे वार्डों के निर्माण में घटिया निर्माण सामग्री काम में लेने का आरोप लगाते हुए पार्षद रोहतास घांघंल ने कार्य रूकवाने की मांग की है।

पार्षद ने बताया की इन वार्डों के घटिया निर्माण सामग्री से तैयार होने के बाद बिल्डिंग गिरने का अंदेशा रहेगा। अस्पताल में वार्डों के निर्माण कार्य का टेंडर पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा सपना कंस्ट्रक्शन कंपनी थानागाजी को दिया हुआ है। अधिकारियों की मिलीभगत के चलते ऐसे निर्माण कार्यों पर सूचना होने के बावजूद रोक नहीं लगाया जाना भ्रष्टाचार में लिप्त होने के साफ संकेत है। उक्त ठेकेदार एवं फर्म द्वारा माता माई से दौलडा की ढाणी तक बने सीसी रोड में घटिया निर्माण सामग्री के चलते ग्रामीणों ने काम रुकवा दिया था। इसके अलावा जयपुर रोड से चौलाई की ढाणी की ओर बनने वाली सीसी सडक में भी घटिया बजरी एवं सीमेंट काम में ली जा रही थी। जिसकी शिकायत वार्ड पार्षद मोहन लाल शर्मा ने तत्कालीन उपखंड अधिकारी नवनीत सिंह को दी तो उन्होंने निर्माण सामग्री का निरीक्षण करने हेतु नायब तहसीलदार अनिरुद्ध सिंह को भेजा तो उन्होंने भी निरीक्षण के दौरान निर्माण सामग्री घटिया होना पाया। इस पर एसडीएम ने तुरंत कार्य रोकने के आदेश दिए। उक्त ठेकेदार के रसूख के चलते पीडब्ल्यूडी अधिकारी जानकारी होने के बावजूद मौन साधे रहते हैं। मौके पर मंगलवार को अस्पताल में निर्माणाधीन वार्डों में उपयोग ली जा रही घटिया बजरी को दबाने के लिए तुरंत बजरी मंगवाई गई। मौके पर अन्य लोगों एवं रिपोर्टर को देख ट्रैक्टर चालक ने घटिया बजरी में मिलाने हेतु लाई बनास की बजरी के ट्रैक्टर को दूर खडा कर दिया। इस संबंध में मनीष धार, पीडब्लूडी एईएन का कहना है कि विभाग द्वारा निर्माणाधीन कार्यों का रोजाना निरीक्षण करते हैं। टेंडर में ठेकेदार द्वारा धुली हुई बजरी काम में लेने का कॉन्ट्रैक्ट हुआ है। मौके पर पडी घटिया बजरी दूसरे निर्माण कार्य की हो सकती है। अस्पताल जैसी जगह पर घटिया निर्माण सामग्री काम में लेना मरीजों की जान खतरे में डालने जैसा है। घटिया निर्माण सामग्री उपयोग में लेने पर कस्बे वासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है तथा निर्माण कार्य तुरंत बंद करवाए जाने की मांग की है।

- कस्बेवासियों में आक्रोश, निर्माण कार्य तुरंत बंद कराने की मांग

किसान पथ व सामुदायिक भवन का उद्घाटन

लालसोट, (निसं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल ने सडकों के शिलान्यास समारोह को संबोधित करते कहा कि सड़कों की कनेक्टिविटी ग्रामीण क्षेत्र के विकास के साथ वहां रहने वाले ग्रामीणों को शहरी परिकल्पना का बोध कराती है। चिकित्सा मंत्री मीणा द्वारा बुधवार को किशोरपुरा ग्राम पंचायत में विधायक कोष से निर्मित सामुदायिक सेवा भवन निर्माण का फीता काटकर लोकार्पण एवं कृषि उपज मंडी समिति द्वारा खुर्रा माता बगडी रोड से लोर गुर्जर ढाणी के लिए बनने वाले किसान पथ का शिलान्यास पट्टिका का अनावरण कर शिलान्यास किया। इस दौरान कृषि उपज मंडी समिति की सचिव ममता गुप्ता, रामजीलाल गांधा आदि मौजूद रहे।

सार-समाचार

पोस्टर का विमोचन

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। सर्व ब्राह्मण महासभा जयपुर देहात के तत्वावधान में आगामी 30 अक्टूबर 2022 को आयोजित होने वाले सर्व ब्राह्मण प्रतिभा सम्मान समारोह के पोस्टर का विमोचन जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा एवं वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष सोहन लाल पारीक के सानिध्य में पूर्व जिलाध्यक्ष भगवान सहाय शर्मा एवं कालाडेरा सरपंच अशोक कुमार शर्मा के द्वारा किया गया। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष भगवान सहाय शर्मा ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज की प्रतिभाओं का मनोबल बढाते हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष सोहन लाल पारीक, कार्यक्रम संयोजक एवं जिला महामंत्री राजू लाल मेहता, रामावतार सुरोलिया, दीपक शर्मा, विनोद शर्मा गोवर्धन शर्मा सहित बडी संख्या में समाज बंधु उपस्थित थे।

मालपुरा में कवि सम्मेलन का आयोजन

मालपुरा, (निसं)। दशहरा महोत्सव एवं रामलीला आयोजन समिति व नगरपालिका मंडल के संयुक्त तत्वाधान में मंगलवार की रात रामनवमी के पावन अवसर पर विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कवि सम्मेलन में अन्तर्राष्ट्रीय कवियत्री अनामिका अम्बर सहित नामचीन ख्याति प्राप्त एक दर्जन कवियों ने काव्य पाठ करते हुए राजनेताओं व भ्रष्टाचार पर काव्य के व्यंग्य बाण चलाये। कवियों ने एक से बढकर एक काव्य पाठ करते हुए अलसवेरे चार बजे तक श्रोताओं को काव्य पाठ के फांस में बांधे रखकर वाह-वाही लूटी। समिति की और से कवियत्री को 51 किलो की माला डॉ. अंकित जैन व डॉ. आस्था ने पहनाई। सभी कवियों एवं विधायक कन्हैयालाल चौधरी, पालिका अध्यक्ष सोनिया सोनी, ईओ देशराज मीणा, युवा नेता गोपाल गुर्जर को राजस्थानी पगडी पहना भगवान श्रीराम का प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया।

सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण

टोंक, (निसं)। नगर परिषद सभापति अली अहमद ने बुधवार को शहर के सिविल लाइन रोड पर चल रहे सडक निर्माण कार्य का मौके पर जाकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सभापति अली ने कार्य में लापरवाही नहीं बरतने, कार्य की गुणवत्ता निर्माण सामग्री सही लगाने के साथ ही जल्द ही कार्य पूरा करने के लिए निर्देशित किया, ताकि शहरवासियों को राहत मिल सके और जल्द ही एक अच्छा रोड टोंक वसियों को मिले। सभापति अली ने बताया कि शहर वासियों को आने-जाने में काफी समय से परेशानियों का सामना करना पड रहा था, कार्य जल्द पूरा होने पर शहरवासियों व बाहर से आने वाले लोगों को राहत मिलेगी। नगर परिषद व विधायक सचिन पायलट के प्रयासों से ही टोंक में चहुंमुखी विकास कार्य हो रहा है। इस मौके पर नगर परिषद के पीडब्ल्यूडी अधिशाषी अभियंता, पूर्व उपसभापति सलीमुद्दीन खान, हरि भाई हरि, सेवानिवृत तहसीलदार प्रहलाद सिंह, प्रोजेक्ट मैनेजर संदीप मलिक, नगर परिषद के एक्सईएन राकेश शर्मा एवं जेईएन मौजूद थे।

दशहरे पर निकली भव्य शोभायात्रा

पावटा, (निसं)। आदर्श रामलीला मंडल पावटा के तत्वावधान में नदी स्थित दशहरा मैदान में दशहरा उत्सव आयोजित करते हुए रावण दहन किया गया। सूर्यास्त होने के बाद पुतलों में आग लगाई गई। आदर्श रामलीला मंडल पावटा के तत्वावधान में रामलीला मैदान से झांकी निकाली गई। इनमें मुख्य रूप से प्रभु राम की झांकी आकर्षण का केंद्र थीं। इस मौके पर पावटा प्रागपुरा नगर पालिका चेयरमैन प्रतिनिधि निर्मल पंसारी, पूर्व सरपंच प्रतिनिधि का सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल अठावाल, पावटा प्रधान प्रतिनिधि जगन चौधरी, निर्देशक आदर्श रामलीला मंडल पावटा राधेश्याम कश्यप, संरक्षक अमरनाथ पटेल, महेश पारीक, कुलदीप पटेल, रंगा उमेश चंद्र टांक, वरिष्ठ सदस्य सुरेश पत्रकार, वरिष्ठ कलाकार मनोज पुजारी, वीरेंद्र बंसल, अध्यक्ष योगेश शर्मा, उपाध्यक्ष नरेंद्र गौड, कोषाध्यक्ष विकास पुजारी, सह कोषाध्यक्ष ललित शर्मा, सचिव रामशरण बोहरा, मुख्य कलाकार दीपक भारद्वाज, सुनील गौड, लक्की भारद्वाज, शुभम, शिवम जोशी, दीपक पटेल, सांवरमल बोहरा, अन्नू जोशी, राहुल गोयल, विजय सोनी, भविष्य पटेल, लोकेश टांक, प्रदीप टांक, विजय शर्मा, हिमांशु शर्मा, साहिल टीलावत, प्रिंस मिश्रा सहित आदर्श रामलीला मंडल के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

अशोक गहलोत
मुख्यमंत्री, राजस्थान

विकास के पथ पर सुगम सफर

एल.आई.सी. भवन से सोडाला जंक्शन तक

एलिवेटेड रोड का लोकार्पण

एवं

222 करोड़ की 6 परियोजनाओं

- राजस्थान इन्टरनेशनल सेन्टर परिसर में गेस्ट हाउस निर्माण
- सांझरिया (संकल्प नगर) में 43 एमएलडी एसटीपी का निर्माण
- पृथ्वीराज नगर (उत्तर) हेतु 600-900 एमएम व्यास की मुख्य ट्रंक लाईन का कार्य
- पृथ्वीराज नगर (उत्तर) हेतु 1200 एमएम व्यास की मुख्य ट्रंक लाईन का कार्य
- वन्देमातरम रोड से मुहाना मण्डी रोड तक मास्टर ड्रेनेज का मुख्य कार्य
- लुनियावास से गोनेर रोड तक मास्टर ड्रेनेज का मुख्य कार्य

का शिलान्यास

लागत: 250 करोड़ रुपए | कुल लम्बाई: 4.6 कि.मी.

श्री अशोक गहलोत
मुख्यमंत्री, राजस्थान के
कर-कमलों द्वारा

श्री शान्ति धारीवाल
मंत्री, नगरीय विकास, स्वायत्त शासन एवं आवासन विभाग, राजस्थान की
अध्यक्षता में किया जाएगा

दिनांक: 06 अक्टूबर, 2022 | समय: सायं 6.00 बजे | स्थान: कर भवन परिसर, जनपथ, जयपुर

इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण https://www.facebook.com/AshokGehlot.Rajasthan और https://www.youtube.com/user/GehlotAshok पर किया जाएगा।

जयपुर विकास प्राधिकरण

राजस्थान संवाद

ऑस्ट्रेलिया पहुंचने के बाद ही तय किया जाएगा कि बुमराह की जगह कौन लेगा। टीम मैनेजमेंट अनुभवी नाम को लेने पर विचार कर रहा है जिससे शमी का दावा मजूबत - **रोहित शर्मा**

भारतीय कप्तान ने टी-20 विश्वकप से बाहर हुए बुमराह के रिप्लेसमेंट पर कहा।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

शोएब मलिक

पाकिस्तान के हरफनमौला खिलाड़ी शोएब मलिक ने ऑस्ट्रेलिया में आगामी टी20 विश्व कप 2022 के लिए राष्ट्रीय टीम से बाहर होने पर निराशा जाहिर की है। उन्होंने यह भी कहा कि वह तभी खेलेंगे जब कप्तान बाबर आजम चाहेंगे। क्रिकेट पाकिस्तान के यूट्यूब चैनल पर बोलते हुए मलिक ने खुलासा किया कि बाबर से जरूर बात होती है। वर्ल्ड कप में भी यही बात हुई थी। बाबर ने मुझसे पूछा था कि कि आप रिटायरमेंट लेना चाहते हैं या और खेलना चाहते हैं। आप क्या सोच रहे हैं। तो मैंने सीधा सा बाबर को बोला था।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट में लगातार चार साल तक 1000 रन बनाने का रिकार्ड मैथ्यू हैडन के नाम है। उन्होंने 2001 से 2004 तक लगातार चार बार 1000 या अधिक रन बनाए।

डेथ ओवरों में योजनाएं बेहतर तरीके से लागू करने की आवश्यकता : द्रविड़

द्रविड़ ने गेंदबाजों का बचाव करते हुए कहा कि 'सपाट विकेटों' पर गेंदबाजी करना आसान नहीं

इंदौर, 5 अक्टूबर। भारतीय क्रिकेट टीम के कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि टीम को डेथ ओवरों में सुधार करने के लिये अपनी योजनाओं को बेहतर तरीके से लागू करना होगा। भारतीय गेंदबाजों ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 शृंखला में लगातार दूसरी बार 200 से अधिक रन दिये। डेथ ओवरों में भारत की गेंदबाजी एक बार फिर विस्मरणीय रही और प्रोटियाज ने अंतिम पांच ओवरों में 73 रन जोड़ते हुए 20 ओवर में 227 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। द्रविड़ ने अपने गेंदबाजों का बचाव करते हुए कहा कि ''सपाट विकेटों'' पर गेंदबाजी करना आसान नहीं है और भारत के खिलाफ खेलने वाली टीमों को भी इस समस्या का सामना करना पड़ा था।

द्रविड़ ने यहां मंगलवार को मैच के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'जाहिर है, आप (खेल के) सभी विभागों में बेहतर करने की कोशिश करते हैं। निश्चित रूप से डेथ बॉलिंग में भी, लेकिन अगर आप निष्पक्ष होकर देखें तो यह बहुत सपाट विकेट हैं। यहां अंतिम ओवरों में गेंदबाजी करना आसान नहीं है। केवल हमारी टीम के लिए नहीं, बल्कि दूसरी टीम के लिए भी। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका ऐसी टीमें हैं जिनके

गेंदबाजी आक्रमण के पास बहुत अनुभव है, और उन्होंने भी अंतिम ओवरों में संघर्ष किया है।' उन्होंने कहा, 'लेकिन हां, मुझे लगता है कि हमें उन्हें नहीं खुद को देखना होगा। हमें यह देखना होगा कि हम कैसे सुधार कर सकते हैं और बेहतर हो सकते हैं।

यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां हम निश्चित रूप से सुधार करना पसंद करेंगे। हम जानते हैं कि जब आप इन बड़े टूर्नामेंटों को खेलते हैं, तो गलती की गुंजाइश बहुत कम होती है। हर रन, बाउंड्री मायने रखती है। अगर हम उन्हें खेल के किसी भी चरण में रोक सकते हैं, तो यह निश्चित रूप से एक अंतर बनायेगा।' कोच द्रविड़ ने मध्यम गति के तेज गेंदबाज हर्षल पटेल की खराब फॉर्म पर एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि गेंदबाजों को टीम की योजनाओं को बेहतर ढ ंग से क्रियान्वित करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से, वह अकेले नहीं हैं। कुल मिलाकर डेथ (ओवरों) में सभी को सुधार करने की आवश्यकता है। कभी-कभी हमारे पास कुछ अच्छी योजनाएं और रणनीतियां होती हैं लेकिन इसका बहुत हद तक निष्पादन नहीं हो पाता। इसलिए, मैं हर्षल को व्यक्तिगत रूप से बाहर नहीं करूंगा। हमें एक समूह के रूप में बेहतर करने की जरूरत है।'

चोट से लौटने के बाद हर्षल विकेट लेने और रनों को रोकने में विफल रहे हैं। हरियाणा के इस खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों में सिर्फ एक विकेट लिया, जबकि 8 ओवर में 99 रन दिए। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने पहले मैच में 26 रन के बदले दो विकेट लेकर अच्छी शुरुआत की, लेकिन अगले दो मैचों में आठ ओवर में बिना विकेट चटकाये 89 रन दिए।

द्रविड़ ने कहा, 'मैं यह नहीं कहूंगा कि यह एक चिंता का विषय है। मैंने पहले भी इस सवाल का जवाब दिया है। वह ऐसा व्यक्ति रहा है जिसने पिछले कुछ वर्षों में अच्छी गेंदबाजी की है। वह खेल से डेढ़ महीने दूर रहकर वापस आ रहा है। छह सप्ताह तक नहीं खेलने के बाद गेंदबाजी करना आसान नहीं है। हम उसका समर्थन करते हैं। हम जानते हैं कि उसके पास गुणवत्ता और क्षमता है।'

द्रविड़ ने एशिया कप के बाद से तेज गेंदबाजों के प्रदर्शन पर कहा, हमें निश्चित रूप से लड़कों पर भरोसा है। जब आप उस समूह को देखते हैं जिसे हम ऑस्ट्रेलिया ले जाएंगे, तो उन सभी ने अच्छा प्रदर्शन किया है, और डेथ ओवरों में भी अच्छा किया है। हमें सिर्फ अपनी क्षमताओं पर भरोसा करने की जरूरत है, और उम्मीद है कि ऑस्ट्रेलिया में समय आने पर अपनी योजनाओं को क्रियान्वित कर सकेंगे।

श्रीजेश, सविता ने जीता सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर पुरस्कार

लुसाने, 5 अक्टूबर। भारत के पीआर श्रीजेश और सविता पूनिया को बुधवार को लगातार दूसरी बार एफआईएच साल का सर्वश्रेष्ठ पुरुष और महिला गोलकीपर चुना गया। श्रीजेश ने अपने करियर के 16वें साल में भारत के लिए अपना महत्व दिखाते हुए एफआईएच हॉकी प्रो लीग में सभी 16 मैचों में भाग लिया, जहां भारत तीसरे स्थान पर रहा। उन्होंने 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में भी सभी छह मैच खेले, जहां भारत को रजत पदक प्राप्त हुआ।

मतदान में श्रीजेश को कुल 39.9 अंक मिले, जबकि बेल्जियम के लोइक वैन डोरेन (26.3 अंक) दूसरे और नीदरलैंड के प्राइमिन ब्लाक (23.2 अंक) तीसरे स्थान पर रहे। ये वोट विशेषज्ञों (40 प्रतिशत), टीमों (20 प्रतिशत), प्रशंसकों (20 प्रतिशत) और मीडिया (20 प्रतिशत) द्वारा ऑनलाइन डाले गए थे।

श्रीजेश लगातार दो बार साल का सर्वश्रेष्ठ पुरुष गोलकीपर पुरस्कार जीतने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले डेविड हर्ट (आयरलैंड) ने 2015 और 2016 में यह पुरस्कार हासिल किया था, जबकि बेल्जियम के विन्सेंट वनाश ने 2017 से 2019 तक लगातार तीन बार इसे जीता था। श्रीजेश ने अपनी जीत पर कहा, इसमें कोई शक नहीं, यह एक विशेष पुरस्कार है क्योंकि हॉकी प्रशंसक हमें वोट दे रहे हैं। यह मेरे लिए एक बड़ा सम्मान और कड़ी मेहनत का प्रमाण है। चाहे आप अपने करियर के किसी भी चरण में हों, पुरस्कार जीतना हमेशा प्रेरणा देता है। यह पुरस्कार निश्चित रूप से मुझे और सुधार करने और एक महत्वपूर्ण वर्ष में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा, जिसमें हम एफआईएच हॉकी पुरुष विश्व कप भुवनेश्वर-राउरकेला 2023 खेलेंगे।

दूसरी ओर 32 वर्षीय सविता 37.6 अंकों के साथ मतदान में शीर्ष पर रही। अर्जेंटीना की दिग्गज बेलेन सुसी ने 26.4 के साथ दूसरा स्थान हासिल किया जबकि ऑस्ट्रेलिया की दिग्गज जोसेलिन बार्टम (16 अंक) तीसरे स्थान पर हैं। सविता ने जीत के बाद कहा, यह निश्चित रूप से एक बड़ा सुखद आश्चर्य है। मुझे यकीन है कि कई भारतीय हॉकी प्रशंसकों ने हमें वोट दिया और मैं उनमें से हर एक को धन्यवाद देती हूं।

सविता 'साल की सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर पुरस्कार' की 2014 में स्थापना के बाद से लगातार दो वर्षों तक यह पुरस्कार जीतने वाली केवल तीसरी एथलीट हैं। सविता ने एफआईएच हॉकी महिला प्रो लीग 2021-22 में भारत को पोडियम पर पहुंचाने के लिए टीम का नेतृत्व किया और 14 मैच खेलकर 57 गोल बचाए।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने सविता की कप्तानी में ही राष्ट्रमंडल खेल 2022 में कांस्य पदक जीतकर खेलों में पदक का 16 साल का सूखा समाप्त किया। इससे पहले, भारत की युवा फॉर्वर्ड मुमताज़ ख़ान मंगलवार को एफआईएच साल का उभरता हुआ खिलाड़ी (महिला) पुरस्कार से सम्मानित की गयी थीं।

'स्नो टाइगर' कर्नल प्रेमचंद डोगरा का निधन

कुल्लू, 5 अक्टूबर। पर्वतारोहण की दुनिया में 'स्नो टाइगर' के नाम से जाने जाने वाले कर्नल प्रेमचंद डोगरा का निधन हो गया है। वर्ष 1977 में सबसे मुश्किल मार्ग 'द नॉर्थ ईस्ट स्पर' भारत की सबसे ऊंची चोटी कंचनजंघा के शिखर पर पहुंचने वाले वह दुनिया के पहले भारतीय थे। 'हीरो ऑफ कंचनजंघा' कर्नल प्रेमचंद के निधन से पर्वतारोहण के एक युग का अंत हो गया है। कर्नल प्रेमचंद डोगरा ने बीती रात हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में अपनी आखिरी सांस ली। ऐसा बताया जा रहा है कि वह पिछले कुछ समय से बीमार थे। लाहौल के लिंडर गांव के रहने वाले प्रेमचंद जनजाति संस्कृति व परंपराओं के अग्रणी पक्षधर रहे। लाहौल की वादियों में रहकर ही उन्होंने पहाड़ों पर चढ़ ना शुरू किया, जिसमें आगे जाकर उन्हें इसमें एक अलग पहचान दी। उनके पहाड़ों के नापने के जज्बे व जूनून को देखते हुए उन्हें सेन में स्नो टाइगर के नाम से अलंकृत किया। गौरतलब है कि कर्नल प्रेमचंद डोगरा उन पर्वतारोही में से एक थे, जिन्होंने अपना पूरा जीवन पर्वतारोहण में समर्पित कर दिया था। कर्नल प्रेमचंद ने अपने पूरे जीवन में लगभग 30 चोटियों को सफलतापूर्वक फतह किया।

केरल, चंड़ीगढ़ का सुब्रतो कप में विजय रथ जारी

नयी दिल्ली, 5 अक्टूबर। एमआईसी ईएमएचएसएस (केरल) ने यहां बुधवार को महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज (देहरादून) को 5-0 से हराकर सुब्रतो कप अंडर-17 अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट में अपना विजय रथ जारी रखा। दूसरी ओर, राजकीय मॉडल सीनियर सेकेंडरी (चंडीगढ़) ने गुरुकुल (हरियाणा) को 8-0 से हराया। दिन के अन्य मुकाबलों में सीटी एचएसएस (मणिपुर) ने सेंट जेवियर्स हाई स्कूल (कर्नाटक) को 5-1 से हराया जबकि राजकीय हॉलावंग स्कूल (मिजोरम) ने गंगाधरपुर विद्यामंदिर (पश्चिम बंगाल) को 3-0 से मात दी। पिलग्रिम एचएसएस (नागालैंड) ने बम्पोथेर बेंगेनाबोरी (असम) पर 2-0 से जीत दर्ज की। सेंट एंथोनी के एचएसएस (मेघालय) ने डीसीटी वसंतराव डेम्पो एचएसएस (गोवा) को 6-1 से हराया। दिन के बड़े मुकाबलों में केन्द्रीय विद्यालय, (कोचीन, केरल) ने पाथवे स्कूल (नोएडा) को 22-0 से रौंदा जबकि एमेनिटी पब्लिक स्कूल (रुद्रपुर, उत्तराखंड) ने ज्ञानमाता हाई स्कूल (सिलवासा) को 13-0 से परास्त किया। टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जाने वाली टीमों का नाम गुरुवार के मैचों के बाद निर्धारित होगा।

टी-20 में शीर्ष रैंकिंग के करीब पहुंचे सूर्यकुमार

दुबई, 5 अक्टूबर। भारतीय मध्यक्रम के विस्फोटक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने अपनी आईसीसी टी20 रेटिंग में सुधार करते हुए शीर्ष रैंकिंग की होड़ को रोमांचक बना दिया है। आईसीसी की ओर से बुधवार को जारी रैंकिंग के अनुसार सूर्यकुमार 838 रेटिंग पॉइंट के साथ टी20 बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर मौजूद हैं, जबकि पाकिस्तान के मोहम्मद रिज़वान 854 रेटिंग पॉइंट के साथ पहले स्थान पर हैं।

सूर्यकुमार ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की हालिया टी20 शृंखला में अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए दो अर्धशतकों के साथ कुल 119 रन बनाये। सूर्यकुमार अब बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर मौजूद रिजवान से सिर्फ 16 अंकों की दूरी पर हैं।

सूर्यकुमार दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 में 61(22) रनों की पारी खेलने के बाद कुछ देर के लिये रैंकिंग में पहले स्थान पर भी आये थे, लेकिन तीसरे टी20 में केवल

आठ रन बनाने के कारण वह बुधवार की रैंकिंग में पुन: दूसरे स्थान पर आ गये। ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप के दौरान सूर्यकुमार के पास शीर्ष रैंकिंग हासिल करने का एक और मौका होगा।

दूसरी ओर, रिज़वान इंग्लैंड के खिलाफ सात मैचों की हालिया टी20 शृंखला में 316 रन बनाकर सबसे सफल बल्लेबाज रहे। भारत और पाकिस्तान टी20 विश्व कप के अपने पहले मैच में 23 अक्टूबर को एक-दूसरे का सामना करेंगे। इसी बीच, पाकिस्तान के कप्तान बाबर आज़म नवीनतम टी20 बल्लेबाज रैंकिंग में 801 रेटिंग पॉइंट के साथ तीसरे स्थान पर आ गये हैं।

भारत के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल प्रोटियाज के खिलाफ दो मैचों में 108 रनों के दम पर सूची में सात पायदान की छलांग लगाकर 14वें स्थान पर पहुंच गए। दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक (आठ पायदान के फायदे से 12वें स्थान पर), राइली रूसो (23 पायदान के फायदे से 20वें स्थान पर) और डेविड मिलर (10 स्थान ऊपर 29वें स्थान पर) ने भी आकर्षक बढ़त हासिल की है। भारत के अनुभवी स्पिन रविचंद्रन अश्विन ने गेंदबाजों की टी20 रैंकिंग में 28 पायदान की छलांग के साथ 20वां स्थान हासिल कर लिया है, जबकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 शृंखला से बाहर रहने के कारण हार्दिक पांड्या हरफनमौलाओं की रैंकिंग में एक स्थान गिरकर पांचवें स्थान पर आ गए हैं।

दूसरे एकदिवसीय मैच के टिकट छह तक मिलेंगे

रांची, 5 अक्टूबर। भारत- दक्षिण अफ्रीका के बीच झारखंड के रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में 9 अक्टूबर को होने वाले दूसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच का टिकट कल सुबह स्टेडियम के वेस्ट गेट के पास बने काउंटर से 6 अक्टूबर को सुबह 9 बजे से संध्या 4 बजे तक बिक्री होगा। जेएससीए के सचिव ने आज यहां बताया कि टिकट बिक्री के दौरान 1 बजे से 2 बजे तक लंच ब्रेक होगा। दर्शक पेटीएम के एप पर ऑनलाइन भी टिकट बुक कर सकते हैं। सचिव ने बताया कि ऑनलाइन टिकट का पेमेंट पेटीएम एप, पेटीएम इंसाइडर एप और के द्वारा किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि टिकट काउंटर से एक व्यक्ति को अधिकतम 3 टिकट ही मिलेगा और इसके लिए आधार कार्ड का फोटो कॉपी देना अनिवार्य होगा।

भारत ने फीफा अंडर-17 महिला वर्ल्ड कप के लिए टीम घोषित की

भुवनेश्वर, 5 अक्टूबर। भारत के अंडर-17 महिला टीम के प्रमुख कोच थॉमस डेनरबी ने 11 अक्टूबर से होने जा रहे फीफा अंडर-17 वर्ल्ड कप 2022 के लिए 21 सदस्य टीम की बुधवार को घोषणा की। भारत को अमेरिका, मोरक्को और ब्राजील के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। इसमें भारत का पहला मुकाबला 11 अक्टूबर को अमेरिका के साथ है जिसके बाद 14 अक्टूबर को मोरक्को और 17 अक्टूबर को ब्राजील के साथ टक्कर होनी है। यह तीनों मुकाबले भुवनेश्वर के कलिंग स्टेडियम में होंगे।

डेननरबी ने कहा, यह सभी के लिए एक नयी स्थिति है। भारत ने इससे पहले कभी वर्ल्ड कप नहीं खेला है। यह पूरी तरह से अलग खेल है। यह सबको दिखाने का एक अलग मौका है कि हमने पूरी तरह से तैयारी की है और हम किसी को भी अपने ऊपर हावी नहीं होने देंगे। हर कोई वर्ल्ड कप खेलना चाहता है लेकिन मैंने टीम में सर्वश्रेष्ठ 21 खिलाड़ियों को चुना है। उन्होंने कहा, जब आप मैदान पर होते हैं तो सबकुछ पीछे छूट जाता है और आपको केवल खेल पर ध्यान केंद्रित करना होता है। ये ही इन लड़कियों को करना है। मैदान पर अच्छे प्रदर्शन को महत्वपूर्ण बताते हुए डेनरबी ने कहा, हमारे लिए प्रदर्शन प्रमुख है। मुझे उम्मीद है कि लड़कियों पर ज्यादा दबाव नहीं है और वे आत्मविश्वास के साथ खेलेंगी। आपको एक ही समय पर दबाव में न रहते हुए प्रदर्शन करना है। ये वक्त है एक बेहतर खेल को खेलने का।

टीम में गोलकीपर के रूप में मोनालिसा देवी मोइरंगथेम (1), मेलोडी चानू कीशाम (13) और अंजलि मुंडा (21) को रखा गया है। डिफेंडर्स के तौर पर अस्तम उरांव (5), काजल (20), नकेता (3), पूर्णिमा कुमारी (2), वार्शिका (19) तथा शिल्की देवी हेमम (4) को रखा गया है।

21 सदस्य टीम में मिडफिल्डर्स के लिए बबीना देवी लिशम (6), नीतू लिंडा (17), शैलजा (15) और शुभांगी सिंह (16) को चुना गया है। फॉरवर्ड के तौर पर अनीता कुमारी (11), लिंडा कॉम सर्टो (9), नेहा (7), रेजिया देवी लैशराम (18), शेलिया देवी लोकतोंगबम (12), काजोल ह्यूबर्ट डिसूजा (8), लावण्या उपाध्याय (10) और सुधा अंकिता तिर्की (14) शामिल हुए।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में शूटिंग की वापसी, कुश्ती बाहर

लंदन, 5 अक्टूबर। राष्ट्रमंडल खेल महासंघ (सीजीएफ) ने बुधवार को विक्टोरिया 2026 राष्ट्रमंडल खेलों के लिये खेल कार्यक्रम की घोषणा की, जिसमें शूटिंग ने वापसी की है जबकि कुश्ती को बाहर रखा गया है।

सीजीएफ, ऑस्ट्रेलिया की एंड्रयू सरकार और राष्ट्रमंडल खेल ऑस्ट्रेलिया ने बताया कि तटीय रोइंग, गोल्फ और बीएमएक्स विक्टोरिया में अपना राष्ट्रमंडल खेल पदार्पण करेंगे। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में 20 खेल और 26 शास्त्र होंगे, जिसमें नौ पैरा-स्पोर्ट शामिल हैं।

राष्ट्रमंडल खेल महासंघ के अध्यक्ष डेम लुईस मार्टिन ने कहा, हम 2026 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए खेल कार्यक्रम की पुष्टि करते हुए रोमांचित हैं, जिसमें विक्टोरिया 2026 द्वारा प्रस्तावित अतिरिक्त खेल एक विविध कार्यक्रम को पूरा करते हैं।

उन्होंने कहा खेल प्रतिस्पर्धी और रोमांच से भरपूर होने वाले हैं। खेलों में एक व्यापक, पूरी तरह से एकीकृत पैरा स्पोर्ट कार्यक्रम, कोस्टल रोइंग, गोल्फ और बीएमएक्स की शुरुआत होने वाली है जबकि शूटिंग और 33 बास्केटबॉल वापसी करेंगे।

उन्होंने कहा कार्यक्रम सीजीएफ के 2026-30 रणनीतिक रोडमैप का हिस्सा है, जो मेजबानों को नये खेलों का प्रस्ताव देने के लिए अधिक लचीलापन प्रदान करता है, विशेष रूप से विशिष्ट स्थानीय प्रासंगिकता वाले खेल जो सांस्कृतिक प्रदर्शन और सामुदायिक जुड़ाव बढ़ाएंगे।

15वें खिलाड़ी के बिना ऑस्ट्रेलिया जायेगी भारतीय टीम

चोटग्रस्त जसप्रीत बुमराह के स्थान पर अभी किसी खिलाड़ी का चयन नहीं किया है

मुंबई, 5 अक्टूबर। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम टी20 विश्व कप 2022 की 15-सदस्यीय स्क्वाड में 15वें खिलाड़ी के बिना ही ऑस्ट्रेलिया के लिये रवाना होगी। क्रिकबज ने बुधवार को बताया कि राष्ट्रीय चयनकर्ता और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने चोटग्रस्त जसप्रीत बुमराह के स्थान पर अभी किसी खिलाड़ी का चयन नहीं किया है और वे मोहम्मद शमी के पूर्णत: स्वस्थ होने का इंतजार करेंगे। क्रिकबज ने कहा कि भारतीय टीम कुल 18 खिलाड़ियों के साथ छह अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के लिये रवाना होगी, लेकिन आधिकारिक स्क्वाड में 15वें खिलाड़ी को फिलहाल नामित नहीं किया जायेगा। मोहम्मद शमी इस समय कोरोना से उभर रहे हैं और उन्हें बेंगलुरु की राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में तलब किया गया है। भारतीय टीम के कोच राहुल द्रविड़ ने शमी के स्वास्थ्य के बारे में कहा था, हम इसे देख रहे हैं। हमारे पास 15 अक्टूबर तक का समय है। शमी हमारे अतिरिक्त खिलाड़ियों में शामिल हैं। दुर्भाग्यवश वह इस (दक्षिण अफ्रीका) शृंखला में नहीं खेल सके। यह उस दृष्टिकोण से हमारे लिये आदर्श होता, लेकिन वह इस समय राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में हैं। हमें यह देखना है कि कोरोना के 14-15 दिन बाद उनका स्वास्थ्य कैसा है, और उसके बाद ही हम फैसला लेंगे। एनसीए की मेडिकल टीम अंतिम निर्णय लेने से पहले उनकी फिटनेस का आकलन करेगी और बीसीसीआई को रिपोर्ट करेगी। क्रिकबज़ ने कहा कि बीसीसीआई 15 अक्टूबर तक इंतजार करेगा, जो आईसीसी के नियमों के अनुसार पूरी टीम की घोषणा करने की आखिरी तारीख होगी।

द. अफ्रीका के खिलाफ खिलाड़ियों के लिए विश्व कप 2023 की दावेदारी पेश करने का मौका

लखनऊ, 5 अक्टूबर। भारतीय टीम के युवा खिलाड़ियों के पास दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुरुवार को शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय शृंखला में खुद को साबित करने का एक और मौका होगा।

यह खिलाड़ी इससे पहले वेस्ट इंडीज और जिम्बाब्वे में भी एकदिवसीय शृंखलाएं जीतकर आ चुके हैं, जिसने निश्चित ही इन्हें आत्मविश्वास दिया होगा। शिखर धवन की कप्तानी में भारत ने वेस्ट इंडीज और जिम्बाब्वे दोनों को 3-0 से क्लीन स्वीप किया था, लेकिन दक्षिण अफ्रीका जैसी बड़ी टीम के खिलाफ यह एकादश पहली बार खेलने उतरेगा।

पिछली दोनों शृंखलाओं में बल्ले से रन बरसाने वाले शुभमन गिल इस सीरीज के लिये टीम में वापस आ रहे हैं। शुभमन ने अपना आखिरी मैच ज़िम्बाब्वे के साथ खेलते हुए 130 रन बनाये थे और वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी अपनी फॉर्म को जारी रखना चाहेंगे।

कप्तान और सलामी बल्लेबाज धवन ने भी भारत में होने वाले आईसीसी विश्व कप 2023 के लिये टीम में जगह बनाने की अपनी मंशा जाहिर कर दी है। इस लिहाज से यह तीन मैच उनके लिये महत्वपूर्ण होंगे। शिखर ने पिछले एक साल में इंग्लैंड, वेस्ट इंडीज और जिम्बाब्वे में खेली गयी एकदिवसीय शृंखलाओं में नियमित रूप से रन बनाये हैं, हालांकि उनका स्ट्राइक रेट रोज़ाना बदलते तेजरफ्तार खेल के अनुरूप नहीं है। रजत पाटीदार और मुकेश सिंह ने घरेलू क्रिकेट से अपना रास्ता तराशते हुए भारतीय स्क्वाड में जगह बनाई है, और यदी वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलते हैं तो उनके पास बड़े मंच पर अपना लोहा मनवाने का अवसर होगा।

रजत पाटीदार पिछले छह महीने में आईपीएल फाइनल और रणजी ट्रॉफी फाइनल में शतक जड़ने के बाद न्यूजीलैंड-ए के खिलाफ अनौपचारिक टेस्ट मैच में भी शतक जड़ चुके हैं। शतकवीर पाटीदार यदि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो वह भारत की मुख्य टीम में आने के मजबूत दावेदार बन जाएंगे।

दूसरी ओर, मुकेश सिंह रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में पांच विकेट लेने के बाद न्यूजीलैंड-ए के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन कर चुके हैं। वह अपने प्रदर्शन के आधार पर डेथ ओवरों में जूझती भारतीय टीम के लिये एक अच्छे विकल्प बन सकते हैं।

इकाना अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में टिकट को लेकर अव्यवस्थायें उजागर

लखनऊ, 5 अक्टूबर। लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेई इकाना अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में गुरुवार को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला एकदिवसीय मुकाबला खेला जाना है लेकिन मैच से पहले इकाना स्टेडियम की अव्यवस्था सामने आई है। लखनऊ में हो रही मूसलाधार बारिश के बावजूद लोग घंटों स्टेडियम के बाहर टिकट के लिए लाइन में लगे हैं लेकिन फिर भी उनकी समस्याएं कम नहीं हो रही। लोगों का कहना है कि पहले ऑनलाइन टिकट बुक किया कन्विनिएंस फीस के नाम पर एक्स्ट्रा पैसा भी दिया, उसके बावजूद स्टेडियम की तरफ से यह मैसेज आता है की बॉक्स ऑफिस पर आकर ही टिकट लेना अनिवार्य है। घंटों लाइन में लग कर जब काउंटर पर पहुंचते हैं।

विश्व चैम्पियनशिप में जगह बनाने के लिये यूएस गोल्फ इंडिया टूर्नामेंट में भिड़ेंगे 74 गोल्फर

गुरुग्राम, 5 अक्टूबर। विश्व चैंपियनशिप और अन्य अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में जगह बनाने के इरादे से 74 युवा गोल्फर क्लासिक गोल्फ एंड कंट्री कोर्स पर यूएस किड्स गोल्फ इंडिया टूर्नामेंट के पहले सत्र में दावेदारी पेश करेंगे।

टूर्नामेंट का पहला लेग छह अक्टूबर को जबकि दूसरा लेग सात अक्टूबर को आयोजित होगा। इस टूर्नामेंट में विश्व चैंपियनशिप खेलने वाली अदिति अशोक और क्षितिज नावीद कौल जैसे बड़े भारतीय नाम भी हिस्सा ले रहे हैं। टूर्नामेंट में भाग लेने वाली युवा प्रतिभाएं 14 आयु वर्गों में बंटी हुई हैं। लड़कों के लिये नौ आयु वर्ग हैं जबकि लड़कियों को पांच आयु वर्गों में बांटा गया है। यह गोल्फर अमेरिका के मशहूर पाइनहर्स्ट गोल्फ कोर्स में आयोजित होने वाले यूएस किड्स गोल्फ विश्व चैंपियनशिप में जगह बनाने के लिये छह अलग-अलग प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर पॉइंट्स अर्जित करेंगे। साथ ही, इन युवाओं के पास यूएस किड्स यूरोपीय चैंपियनशिप में जगह बनाने का मौका भी होगा।

यूएस किड्स गोल्फ विश्व चैंपियनशिप ऐसे कई खिलाड़ियों के लिए एक मंच रहा है जो विश्व गोल्फ के मौजूदा परिदृश्य में सबसे बड़े सितारे बन गए हैं। इनमें विश्व नंबर एक स्कॉटी शेफ़लर, दो बार के मेजर विजेता जस्टिन थॉमस और कॉलिन मोरीकावा शामिल हैं। अमेरिका की अनुभवी गोल्फर लेक्सी थॉम्पसन यूएस किड्स गोल्फ विश्व चैंपियनशिप में कई बार खिताब जीत चुकी हैं।

अमेरिका की कैरोलिन आर. बर्टोज़ी और के. बैरी शार्पलैस एवं डेनमार्क के मॉर्टन मैल्डल ने "क्लिक कैमिस्ट्री और बायोऑर्थोगोनल कैमिस्ट्री" के विकास के लिए संयुक्त रूप से रसायन विज्ञान का वर्ष 2022 का नोबेल पुरस्कार जीता है। रॉयल स्वीडिश अकैडमी ऑफ साइंसेज़ ने बुधवार को इसकी घोषणा की। अकैडमी ने एक बयान में कहा कि, "शार्पलैस और मैल्डल ने क्लिक कैमिस्ट्री के रूप में रसायन विज्ञान के एक क्रियात्मक प्रकार की नींव रखी है, जिसमें अणु-संबंधी रचक खण्ड जल्दी और कुशलता से एक साथ जुड़ते हैं। दूसरी ओर, कैरोलिन बर्टोज़ी ने रसायन विज्ञान को एक नये आयाम पर ले जाते हुए क्लिक कैमिस्ट्री का उपयोग जीवों में करना शुरू कर दिया है। रसायन विज्ञान के लिए नोबेल समिति के अध्यक्ष ज़ोहान एक्विस्ट ने कहा, "रसायन विज्ञान में इस वर्ष का पुरस्कार आसान और सरल चीज़ों के साथ काम करने के बजाय जटिल मामलों से संबंधित है। क्रियात्मक अणुओं का निर्माण एक सीधा रास्ता अपनाकर भी किया जा सकता है।" बर्टोज़ी ने ऑनसाइट टेलीफोन इंटरव्यू में अपना रोमांच ज़ाहिर करते हुए कहा, "खुशी के मारे मैं मुश्किल से सांस ले पा रही हूँ, मैं चकित हूँ।" चित्र में नज़र आ रहे हैं, बाएं से दाएं, क्रमशः मॉर्टन मैल्डल, के. बैरी शार्पलैस तथा कैरोलिन आर. बर्टोज़ी।

'मैं बिल्कुल नहीं चाहता कि 2024 में एन.डी.ए/ भाजपा रिपीट हो'

रिटायरमैंट के बाद पूर्व राज्यपाल सतपाल मलिक केन्द्र सरकार के खिलाफ और भी आक्रामक हुये

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। मेघालय के पूर्व राज्यपाल सतपाल मलिक रिटायरमेंट के बाद सरकार के खिलाफ और आक्रामक हो गए हैं। सतपाल मलिक ने कहा है कि, मैं तो पहले से ही इस्तीफा लेकर घूम रहा था, लेकिन अब मैं आजाद हूं। पूर्व राज्यपाल ने कहा कि मैं अब आजाद हूं। कुछ भी कर सकता हूं और जेल तक जा सकता हूं। बुलंदशहर के सेगली गांव में हुए किसान महासम्मेलन में पहुंचे मलिक ने सीधे मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि वे मुझ पर हमला करेंगे और सजा देने का प्रयास करेंगे, लेकिन कुछ बिगाड़ नहीं पाएंगे। सतपाल मलिक ने अपने बयानों की सी.बी.आई. जांच को लेकर भी बात की।

मलिक ने कहा कि, मेरी 100 जांच करा दें, लेकिन अपनी एक भी करा दें तो सच सामने आ जाएगा। उन्होंने कहा कि, मेरे खिलाफ कोई मुकदमा नहीं हो सकता है। मैं तो 5 कुर्ते लेकर गया था और उतने ही लेकर आ गया हूं। मैं फकीर हूं।

यही नहीं इस दौरान मलिक ने भाजपा के विरोध में अपने इरादे भी साफ कर दिया। 2024 में होने वाले आम चुनाव के बारे में मलिक बोले, मैं चुनाव नहीं लड़ूंगा लेकिन वहां जाऊंगा और लड़ाई में मदद करूंगा। मैं बिल्कुल नहीं चाहता कि 2024 में एनडीए और बीजेपी रिपीट हो। जेल जाना पड़ तो जेल जाऊंगा किसानों के लिए, न किसी पार्टी में जाऊंगा न चुनाव लड़ूंगा।

इस मौके पर भ्रष्टाचार के आरोपों पर बोलते हुए सतपाल मलिक ने कहा कि मैंने इन लोगों को दो मामले बताए थे, लेकिन कोई जांच नहीं हुई। मलिक ने कहा कि मैंने इन्हें बताया था कि एक मंत्री फोन करता है और कहता है कि आपके यहां से बोल रहा है। उसके बारे में कहा गया कि हटाएंगे पर हटाया नहीं गया। इसी तरह मैंने गोवा में भ्रष्टाचार बताया, तो कहने लगे कि आपकी जानकारी गलत है। मैंने कहा कि मेरी जानकारी सही है। लेकिन उसे अभी भी वहीं रखे हुए हैं मुझे मेघालय भेज दिया। तो मैं इनके इस नारे में नहीं आता हूं कि ये भ्रष्टाचार के खिलाफ हैं।

- **सतपाल मलिक ने बुलंदशहर के सेगली गांव में हुए किसान महासम्मेलन में कहा, "वे मुझ पर हमला करेंगे और सजा देने का प्रयास करेंगे, लेकिन कुछ बिगाड़ नहीं पाएंगे।" उन्होंने कहा, मैं चैलेंज देता हूं, मेरी सौ जांचें करा दो और अपनी एक भी कराकर दिखाओ।**

गौरतलब है कि, सतपाल मलिक गवर्नर रहते हुए भी बीते करीब दो सालों से केंद्र सरकार पर हमला बोलते रहे हैं। किसान आंदोलन के दौरान उनकी मुखरता काफी ज्यादा थी। वह किसान आंदोलन के प्रबल समर्थक थे और मोदी सरकार पर इसे लेकर हमला बोला था। हाल ही में सतपाल मलिक ने कहा था कि रिटायर होने के बाद मैं चुनावी राजनीति नहीं करूंगा, लेकिन अखिलेश यादव और जयंत चौधरी के लिए मेरे मन में सॉफ्ट कॉर्नर है।

सतपाल मलिक ने कहा था कि, मैं इन लोगों को सहयोग जरूर करूंगा। लेकिन मैं चुनाव नहीं लड़ सकता, इसलिए उनके सिस्टम में मेरी कोई जगह नहीं हो सकती।

'भाजपा की गलतियों को बताने की जरूरत है'

श्रीराम सेना के संस्थापक प्रमोद मुतालिक ने कहा कि, आर.एस.एस. को ऐसा करना चाहिये, नहीं तो भाजपा नेताओं को गलतफहमी होगी कि, वे जो कुछ भी करते हैं वह ठीक है

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। श्रीराम सेना के संस्थापक प्रमोद मुतालिक ने बुधवार को कहा कि, देश में आर्थिक असमानता को लेकर आर.एस.एस. के शीर्ष नेता दत्तात्रेय होसबले की टिप्पणियों को गलत नहीं समझना चाहिए। प्रमोद मुतालिक ने कहा, आरएसएस महासचिव दत्तात्रेय होसबले ने देश के बारे में चिंता और दर्द के साथ बात की थी। गुस्सा दिखाने या गलत संदेश देने का कोई इरादा नहीं है। वह एक राजनेता नहीं है, यह नहीं माना जा सकता है कि वह बीजेपी के खिलाफ गए थे। आगे मुतालिक ने कहा कि बीजेपी के भीतर की गलतियों को बताने की जरूरत है। नहीं तो बीजेपी नेता सोचेंगे कि वह जो कुछ भी करते हैं और वह ठीक है।

उन्होंने कहा कि दत्तत्रेय होसबले आरएसएस में दूसरे महत्वपूर्ण स्थान पर हैं। उन्होंने शोध और अध्ययन के बाद वर्तमान यथार्थवादी स्थिति के बारे में खुलासा किया। उनके बयानों को बीजेपी द्वारा स्वीकार किया जाना चाहिए और पार्टी को सुधार के रास्ते पर चलना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि भारत की आजादी के तुरंत बाद मुसलमानों में राष्ट्रवाद का समावेश हो गया था। देश के मुसलमानों को लेकर कांग्रेस ने तुष्टीकरण की राजनीति की। कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति आतंकवाद, हत्याओं और दंगों के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार है जो इस देश में देखे जाते हैं। मुझे विश्वास नहीं है कि भविष्य में मुसलमानों में राष्ट्रवाद बढ़ेगा। अगर आरएसएस के नेता मस्जिदों में जाते हैं तब भी उनकी मानसिकता में बदलाव नहीं होगा।

- **प्रमोद मुतालिक ने कहा कि, आर.एस.एस. के शीर्ष नेता दत्तात्रेय होसबले ने देश में आर्थिक असमानता को लेकर कड़ी टिप्पणियां की थीं। उन्होंने कहा कि, आर.एस.एस. को ऐसा पूर्ण अधिकार होना चाहिये तथा इस मामले में होसबले को गलत नहीं समझना चाहिए।**
- **उन्होंने कहा कि, होसबले आर.एस.एस. में दूसरे सबसे महत्वपूर्ण स्थान पर हैं। उन्होंने शोध और अध्ययन के बाद वर्तमान यथार्थवादी स्थिति के बारे में खुलासा किया। उनके बयानों को भाजपा द्वारा स्वीकार किया जाना चाहिए और पार्टी को सुधार के रास्ते पर चलना चाहिए।**

प्रमोद मुतालिक ने कहा कि, हमारे पास इस बारे में स्पष्टता नहीं है कि हमारे दोस्त और दुश्मन कौन हैं। हजारों सालों से हिंदू अन्य धर्मों के साथ सहिष्णुता से रह रहे हैं। हिंदू समाज में दूसरों पर हमला करने की मानसिकता नहीं है। उन्होंने कहा कि सड़क पर यह कहना कि पी.एफ.आई. वापस आएगा, एक चेतावनी है कि, पी.एफ.आई. अभी भी सक्रिय है। उपद्रवियों पर काबू पाने के लिए हिंदू समाज को पुलिस विभाग का सहयोग करना चाहिए।

कश्मीर में दो मुठभेड़ों में चार आतंकी मारे गये

श्रीनगर, 5 अक्टूबर (वार्ता)। जम्मू कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षा बलों ने दो मुठभेड़ों में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के चार आतंकवादियों को मार गिराया है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि, पहली मुठभेड़ द्राच गांव में मंगलवार रात हुई और दूसरी मुठभेड़ बुधवार तड़के दक्षिण कश्मीर के इसी जिले के मुलू गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना पर चलाए गए घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान हुई। मुठभेड़ ऐसे समय में शुरू हुई जब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह मंगलवार से जम्मू-कश्मीर के तीन दिवसीय दौरे पर थे। शाह राजौरी में एक जनसभा को संबोधित करने के बाद मंगलवार रात श्रीनगर पहुंचे और उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले में बुधवार को एक और जनसभा को संबोधित करेंगे। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) कश्मीर विजय कुमार ने कहा कि द्राच में मुठभेड़ में मारे गए तीन स्थानीय आतंकवादी प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हुए थे। एडीजीपी ने कहा कि तीन आतंकवादियों में से हनान बिन याकूब और जमशेद के रूप में पहचाने गए आतंकवादी दो अक्टूबर, 2022 को पिंगलाना में एक विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) जावेद डार और 24 अगस्त, 2022 को पश्चिम बंगाल के एक बाहरी मजदूर की पुलवामा में हत्या में शामिल थे।

मूर्ति विसर्जन के दौरान 6 युवकों की डूबने से मौत

नसीराबाद, 5 अक्टूबर (निसं)। नसीराबाद सदर थाना अंतर्गत ग्राम नांदला के निकट एक तालाब में डूबने से 6 युवकों की मौत हो गई।

सदर थाना से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम नांदला स्थित नंदा जी की ढाणी के युवक नांदला के पास ही स्थित एक तालाब में माता जी की मूर्ति विसर्जन करने के कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

विसर्जन के दौरान पैर फिसलने और फिर एक दूसरे को बचाने के चक्कर में युवक पानी में डूब गए। मृतकों में ग्राम नंदा जी की ढाणी नांदला निवासी राजेंद्र पुत्र बाबूलाल रेगर, राहुल पुत्र कैलाश रेगर, लक्की पुत्र शंकर, राहुल पुत्र छितर, पवन पुत्र मोहनलाल, व शंकर पुत्र बाबूलाल, शामिल हैं।

तालाब में 6 युवकों के डूबने की सूचना मिलने पर नसीराबाद सदर थाना अधिकारी हेमराज सिंह मय जाप्ता के तुरंत मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की सहायता से 5 मृतकों के शव को पानी से निकालकर नसीराबाद हॉस्पिटल पहुंचाए।

वहीं एक मृतक शंकर के शव को सिविल डिफेंस की टीम ने तलाश कर देर शाम निकाला। हादसे की सूचना आसपास के ग्रामीण इलाकों में फैलने से कोहराम मच गया और सैकड़ों ग्रामीण नसीराबाद हॉस्पिटल पहुंचे अजमेर जिला कलेक्टर अंशदीप, पुलिस अधीक्षक चुनाराम जाट, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक केकडी घनश्याम शर्मा, उपखंड अधिकारी राकेश कुमार गुप्ता, पुलिस उप अधीक्षक पूनम भरगढ़ सहित सिटी थाना व सदर थाना का पुलिस जाब्ता भी हॉस्पिटल पहुंचा। शवों का पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिए गए। उपखण्ड अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि सभी मृतक चिरंजीवी योजना से जुड़े हुए थे, इसलिए सभी मृतकों के परिजनों को जल्द ही नियमानुसार पांच 5-5 लाख रुपये की बीमा राशि दी जाएगी। जिला कलेक्टर सहित सभी अधिकारी भी मौके पहुंचे और प्रत्यक्ष दर्शियों से वार्ता कर मृतकों के परिजनों को सांत्वना दी। सदर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की।

- **यह घटना नांदला गांव की है, जहां तालाब में देवी की मूर्ति विसर्जित करते समय पैर फिसलने से हादसा हुआ और एक दूसरे को बचाने में 6 युवक डूब गए।**
- **मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रमीणों की मदद से 5 शव तुरंत निकाल लिए और एक शव देर शाम निकाला गया।**
- **सभी मृतक चिरंजीवी योजना से जुड़े हैं इसलिए सभी के परिजनों को 5-5 लाख रू. की सहायता दी जाएगी।**

सेना का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्य सदस्यों का इलाज जारी है। अधिकारियों के अनुसार, पूर्वोत्तर राज्य में हुए इस हादसे की वजह का अब तक पता नहीं लग सका है। फिलहाल, जांच जारी है। दिसंबर 2021 में तत्कालीन चीफ ऑफ डिफैन्स स्टाफ जनरल बिपिन रावत का भी हैलिकॉप्टर क्रैश में निधन हो गया था।

उस दौरान वह भारतीय वायुसेना के सुलूर स्टेशन से कुनूर के वेलिंगटन स्थित सर्विस स्टाफ कॉलेज जा रहे थे। यात्रा के दौरान उनका हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। घटना में रावत व उनकी पत्नी सहित 10 लोगों की मौत हो गई थी।

दशहरे पर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर प्रहार किया था जो समाज के गरीब तबकों को "राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के लिये बलि देने के साधन के रूप में काम में लेते हैं।" 2017 में, उन्होंने कहा था कि मुस्लिम भी "गोरक्षक" हैं तथा उन्होंने इस बात पर जोर दिया था कि कृषि से जुड़ी ग्रामीण अर्थव्यवस्था के संरक्षण के लिये गौ-संरक्षण मूलभूत रूप से जरूरी है। उन्होंने यह भी दावा किया था कि रोहिंग्या मुस्लिमों तथा जिहादियों के बीच जुड़ाव की बातें उभरकर आ रही हैं। इसके अलावा, उन्होंनें कश्मीर में संवैधानिक संशोधन किये जाने की भी अनुशंसा की थी। इस विजयादशमी पर, आर.एस. प्रमुख ने उन वर्गों की कोशिशों को बकवास बताया, जो "डर एवं सनसनी पैदा करके", यह दिखाने में लगे हैं कि "संगठित हिन्दुओं के कारण अल्पसंख्यक खतरे में हैं।" उन्होंने कहा कि "यह न तो अतीत में कभी हुआ है और न भविष्य में कभी होगा।" यह न तो संघ की प्रकृति है और न हिन्दुओं की। इतिहास इस बात को सिद्ध करता है। संघ भाईचारे, सौहार्द्र एवं शान्ति के पक्ष में खड़ा रहने के लिये संकल्पित है।

इन दिनों, भागवत मुस्लिमों तक पहुँचने की योजना पर काम कर रहे हैं। वे मुस्लिम बुद्धिजीवियों तथा धार्मिक हस्तियों के साथ मीटिंग कर रहे हैं ताकि सामाजिक एवं राजनैतिक मुद्दों उनके नजरिये की जानकारी प्राप्त कर सकें। सभी प्रकार के संकेत यह बता रहे हैं कि आर.एस.एस. प्रमुख अल्पसंख्यकों और मुस्लिमों से राष्ट्र-निर्माण के कार्य के बारे में चर्चा करना चाहते हैं, लेकिन इस साल के उनके नागपुर-भाषण का असली संदेश अलग रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने उदयपुर एवं अमरावती में हुई जघन्य एवं वीभत्स का जिक्र किया, जिनमें एक दर्जी और एक फार्मासिस्ट को मार दिया गया था, क्योंकि उन्होंने भाजपा की निलम्बित प्रवक्ता नूपुर शर्मा की बात का समर्थन कर दिया था। भागवत ने कहा कि जहाँ प्रतिष्ठित मुस्लिमों के वर्गों ने इन घटना के विरोध में आवाज उठाई थी, वहीं विरोध के ये तरीके अगल-थलग पड़ी घटनाओं के रूप में नहीं रहने चाहिये। उन्होंने कहा, "विरोध बड़े पैमाने पर होना चाहिये था।" भागवत यह कहना चाहते थे कि हिन्दू समाज ऐसी घटनाओं का जोरदार विरोध करता आया है, जिनमें कोई हिन्दू आरोपी

चीनी का निर्यात...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तथा उपभोक्ता और दुनिया के दूसरे सबसे बड़े चीनी निर्यातक के रूप में उभर कर सामने आया है।

यह सत्र भारतीय चीनी उद्योग के लिए कई मायनों में ऐतिहासिक साबित हुआ है।

गन्ना उत्पादन, चीनी उत्पादन, चीनी निर्यात, गन्ना खरीद, गन्ना बकाया भुगतान और एथनॉल उत्पादन के सभी रिकॉर्ड इसी दौरान बनाए गए। बयान के अनुसार, गन्ना सत्र 2021-22 के दौरान चीनी मिलों ने 1.18 लाख करोड़ रुपये से अधिक के गन्ने की खरीद की है और भारत सरकार द्वारा बिना किसी वित्तीय सहायता (सब्सिडी) लिए हुए 1.12 लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान जारी किया है।

इसी प्रकार से, चीनी सत्र के अंत में गन्ना बकाया 6,000 करोड़ रुपये से कम हो गया है, जो यह दर्शाता है कि गन्ना बकाये में से 95 प्रतिशत भुगतान पहले ही किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि गन्ना सत्र 2020-21 के लिए 99.9 फीसदी से अधिक गन्ना का बकाया चुका दिया गया है।

उत्तराखण्ड में बारातियों की बस खाई में गिरी, 32 लोगों की मौत

पौड़ी गढ़वाल/देहरादून, 5 अक्टूबर (वार्ता)। उत्तराखण्ड के पौड़ी गढ़वाल जनपद में मंगलवार देर शाम बारातियों से भरी बस के गहरी खाई में गिरने के बाद देर रात्रि शुरू हुआ राहत अभियान बुधवार शाम पूरा हो गया। इस वीभत्स दुर्घटना में कुल मृतक संख्या 32 पहुंच चुकी है जबकि कुल 18 बाराती घायल हैं।

घायल लोगों को विभिन्न चिकित्सालयों में उपचार के लिए भेजे गए हैं। राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) प्रवक्ता विनीत कुमार ने यूनीवार्ता को आज शाम यह जानकारी दी। मंगलवार शाम लगभग सात बजे हुए इस हादसे की सूचना लगभग आठ बजे एसडीआरएफ और पुलिस को मिलने के बाद राहत कार्य विधिवत शुरू हो पाए थे। इससे पहले स्थानीय ग्रामीणों ने लगभग तीन सौ फिट गहरी खाई में अंधेरे में मोबाइल फोनों की लाइट में उतर कर बचाव (रेस्क्यू) कार्य शुरू कर दिया था। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून स्थित राज्य आपदा नियंत्रण केन्द्र जाकर, और पौड़ी के प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर जाकर रेस्क्यू कार्यों का सुपरविजन शुरू कर दिया था। मुख्यमंत्री आज हरिद्वार के सांसद रमेश पोखरियाल निशंक के साथ मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू वर्क का निरीक्षण किया। रात भर ग्रामीणों, एसडीआरएफ और पुलिस के जवानों द्वारा किया गया रैस्क्यू बुधवार शाम खत्म हुआ। उल्लेखनीय है कि हरिद्वार के थाना श्यामपुर क्षेत्र के ग्राम लालढांग में स्थित शिव मंदिर के निकट रहने वाले संदीप पुत्र स्व नंद राम की बरात मंगलवार दोपहर एक बजे पौड़ी जिले के कांडा गांव के लिए घर से निकली थी। बराती एक बस में सवार थे, जबकि दूल्हा संदीप कार से गया था। बरात की बस पौड़ी के बीरोंखाल सिमड़ी बैंड के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी।

- **300 फीट गहरी खाई में बस पलट गई। इस दुर्घटना में 18 अन्य बाराती गम्भीर रूप से घायल हुये हैं**
- **मंगलवार देर शाम को यह दुर्घटना हुई। रैस्क्यू ऑपरेशन तभी शुरु कर दिया गया और बुधवार शाम तक चला।**
- **पुलिस ने बताया कि बस में 50 से ज्यादा यात्री सवार थे। हादसे के तुरंत बाद, रैस्क्यू टीम के आने से पहले ही ग्रामीणों ने 300 फीट गहरी और अंधेरी खाई में उतरकर बचाव कार्य शुरु कर दिया था।**

मुंबई में रिलायंस के अस्पताल को बम से उड़ाने की धमकी मिली

मुंबई, 5 अक्टूबर। मुंबई में आज दोपहर 12 बजकर 57 मिनट पर उस वक्त हड़कंप मच गया जब शहर के एक अस्पताल को फोन कॉल करके बम से उड़ाने की धमकी दी गई। मुंबई पुलिस के बयान के मुताबिक मामला सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल से का है। हॉस्पिटल के लैंडलाइन पर अचानक से फोन बजा। फोन उठाया तो कॉल करने वाले ने अस्पताल को बम से उड़ाने की धमकी दी।

इस मामले में एक और चौंकाने वाला खुलासा किया है। पुलिस के मुताबिक थ्रेट कॉल अज्ञात नंबर से आया था। फोन करने वाले ने अंबानी परिवार के कुछ सदस्यों का नाम लेकर धमकी दी है। सूत्रों ने बताया कि कॉलर ने मुकेश अंबानी और नीता अंबानी को भी जान से मारने की धमकी दी है। पुलिस ने कहा है कि घटना में अपराध डीबी मार्ग पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक पूरे मामले की जांच की जा रही है। मालूम हो कि करीब एक साल पहले ही दक्षिण मुंबई के पैडर रोड स्थित मुकेश अंबानी के आवास एंटीलिया से 300 मीटर की दूरी पर विस्फोटक से भरी एक स्कॉर्पियो गाड़ी खड़ी मिली थी। कार में 20 जिलेटिन की छड़ें और एक धमकी भरा लेटर बरामद हुआ था। इसके कुछ दिन बाद कार के मालिक मनसुख हिरेन का शव रेती बंदर की खाड़ी से बरामद हुआ था। इस मामले की जांच एन आई ए कर रही है।

- **मुंबई पुलिस ने बताया कि, फोन कॉल करने वाले व्यक्ति ने अंबानी परिवार के सदस्यों का नाम लेकर उन्हें भी जान से मारने की धमकी दी है**
- **गौरतलब है कि, करीब एक साल पहले दक्षिण मुंबई के पैडर रोड स्थित मुकेश अंबानी के आवास, एंटीलिया से 300 मीटर की दूरी पर विस्फोटक से भरी एक स्कॉर्पियो गाड़ी खड़ी मिली थी। कार में 20 जिलेटिन की छड़ें और एक धमकी भरा लेटर बरामद हुआ था।**

राष्ट्रपति शी अपने आपको...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के तहत पार्टी चेयरमैन भारी अधिकार दिए गए उसे देश की सशस्त्र सेना का मुखिया भी बनाया गया।

रॉयटर न्यूज़ एजेंसी के अनुसार कई विशेषज्ञों ने बताया कि ये बदलाव शी की निजी विचारधारा को "शी जिंनपिंग थॉट" के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं और इसे "माओ त्सेतुंग थॉट" के समकक्ष ला सकते हैं

शी को पार्टी मुखिया के रूप में स्थापित करने के अलावा जो अन्य बदलाव किए जाएंगे उनमें प्रमुख हैं उनके विचारों को पार्टी का मार्गदर्शक मानना और पार्टी चेयरमैन का पद पुनः स्थापित करना जिसे 1982 में खत्म कर दिया गया था।

नब्बे के दशक से ही पार्टी संविधान में बदलाव कर नए नेतृत्व की राजनैतिक विचारधाराओं का जोड़ा जा रहा है। चाईनीज़ कम्युनिस्ट पार्टी (सी.सी.पी.) की स्थापना 1921 में हुई थी और हरेक पार्टी कांग्रेस में इसके संविधान में समय के अनुसार परिवर्तन हुआ है।

सी.सी.पी. के 10 लाख सदस्य हैं पर इसका सर्वोच्च नेतृत्व कैसे काम करता है, इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है।

न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार इस समय "शी जिंनपिंग थॉट" हर जगह है, जो चीन का नया ऑफिशियल डॉक्ट्रीन है। स्कूल, अखबार, टी.वी., इंटरनैट, बिल बोर्ड्स और बैनर हर जगह इनका प्रचार हो रहा है।

अधिकृत रूप से इसे "शी जिंनपिंग थॉट आन सोशलिज़्म विद चाइनीज़ कैरेक्टरिस्टिक्स फॉर ए न्यु एरा" कहा गया है। यह डॉक्ट्रीन तीन स्तर पर शी की पावर को मजबूत करने के बारे में है देश, पार्टी और खुद शी।"

हालिया दशकों में चीन विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और ग्लोबल ट्रेड और निवेश का पावर हाउस बन गया था। शी जिंनपिंग थॉट अगला कदम उठाने की बात करता है तो उसका लक्ष्य चीन को ना केवल सम्पन्न बनाना है, बल्कि चीन को राजनैतिक रूप से ताकतवर बनाना भी है।

चीन के वैश्विक अभ्युदय के लिए शी चीन की सेना का आधुनिकीकरण कर रहे हैं और "बैल्ट एण्ड रोड" कार्यक्रमों में एक खरब डॉलर का भारी निवेश किया गया है। शी के अधीन चीन की सेना का आकार व ताकत दोनों बढ़ी है, भ्रष्ट अफसरों को हटाया जा रहा है और साउथ चाइना सी के विवादित क्षेत्र में सैन्य अड्डे बनाए जा रहे हैं।

फर्जी नामों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राशन कार्ड जारी है। प्रदीप कुमार के परिवार में कुल 4 सदस्य खुद प्रदीप कुमार, उसकी पत्नी शकुंतला देवी, बेटी हरमन और बेटा शिवम कुमार हैं। लेकिन उसने महालेश्वर और साले सुभाष चंद्र पुत्र पृथ्वीचन्द्र निवासी जण्डावाली का नाम फर्जी तरीके से जुड़वा रखा है।

जबकि जण्डावाली ग्राम पंचायत में खुद सुभाष चन्द्र का नाम अलग राशन कार्ड में दर्ज है और वह राशन सामग्री प्राप्त कर रहा है। प्रदीप कुमार ने इन दोनों फर्जी नामों पर अब तक करीब 9.30 क्विंटल गेहूं उठाया है।

उन्होंने बताया कि नगर परिषद आयुक्त के स्तर पर करवाई गई जांच में 2 नाम फर्जी तरीके से जोड़ना पाया गया है। पुलिस ने धोखाधड़ी के आरोप में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

गठन के बाईस साल बाद टी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करना शुरु कर दिया हैं, उन्होंने विभिन्न राजनैतिक दलों के नेताओं से बातें की हैं, लेकिन पूरे दृढ़ निश्चय एवं तत्परता दिखाते हुये कांग्रेस को छोड़ दिया है।

यहाँ यह बता देना समीचीन होगा कि कांग्रेस तेलंगाना विधानसभा में प्रमुख विपक्षी दल है तथा उसने सरकार के खिलाफ अभियान छेड़ रखा है। भाजपा ने भी स्वयं को के.सी.आर. को चुनौती देने वाले मुख्य दल के रूप में प्रोजैक्ट करना शुरु कर दिया है।

बुधवार को अपने राष्ट्रीय राजनैतिक दल के उद्घाटन या अपने क्षेत्रीय दल को राष्ट्रीय राजनैतिक दल का रूप देने के महत्वपूर्ण अवसर पर के.सी.आर. ने अपनी पार्टी के नेताओं, मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, विधान परिषद सदस्यों तथा जिला स्तरीय समन्वयकों को पार्टी मुख्यालय पर इकट्ठा किया था। प्रसंगवश बता दें कि अी.आर.एस. अप्रैल 2000 में बनी थी तथा 22 वर्ष में, उसने अपनी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा को व्यक्त करने के लिये, राष्ट्रीय राजनैतिक दल का रूप ले लिया है। रिकॉर्ड के लिये, टी.आर.एस. पार्टी की मीटिंग में, इसे "भारत राष्ट्र समिति" में विलय करने का प्रस्ताव पारित हो गया है। नयी पार्टी का स्वागत करते हुये, कुमारस्वामी ने कहा कि यह पार्टी विभिन्न क्षेत्रीय दलों के समूह का रूप लेगी तथा क्षेत्रीय दलों को अपने क्षेत्र एवं राष्ट्र के लिये अपनी आकांक्षाएं व्यक्त करने के लिये उचित मंच उपलब्ध करायेगी।

यह नवगठित पार्टी विभिन्न राज्यों में लोकसभा के लिये अपने उम्मीदवार खड़ करेगी। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री इस राष्ट्रीय राजनैतिक दल के गठन के इस समारोह में उपस्थित हुये थे। उनके साथ उनके राज्य से उनकी पार्टी के 20 विधायक भी समारोह में आये थे। वी.सी.के. प्रमुख तथा सांसद तिरुमवलानन अपने एक साथी सांसद के साथ इस पार्टी के स्थापना दिवस पर आयोजित इस समारोह में शामिल हुये थे। वस्तुतः इस समारोह में वी.सी.के. की उपस्थिति इसलिये दिलचस्प एवं उल्लेखनीय है क्योंकि वस्तुस्थिति यह है कि यह डी.एम.के.-गठबंधन पार्टनर है तथा इस प्रकार, कांग्रेस के साथ भी इसके मजबूत संबंध हैं तथा इस बात को नज़र अदांज नहीं किया जा सकता कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के कन्याकुमारी से शुरु होने के समय, मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन स्वयं उपस्थित हुये थे।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908